नई दिल्ली
शनिवार
19 सितंबर 2026
वर्षः 13, अंकः 16
पृष्ठः 08, मूल्य 2 रु0

E-mail
story@sadbhawna.today
sadbhavnatoday@gmail.com
web: www.sadbhawna.today

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

# सद्भावना टुडे

आवाज़ अधिकार की

DELHIN/2014/58158

एशियाई खेलः भारतीय महिला कबड्डी टीम...पेज-06

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सेवा संकल्प एवं ...पेज-05

## एक नजर

### थोक ग्राहकों के लिए चीनी भंडार रखने की सीमा 15 दिन से बढ़कर 30 दिन हुई

**नई दिल्ली,एजेंसी।** केंद्र सरकार ने त्योहारी सीजन से पहले थोक उपभोक्ताओं के लिए चीनी का स्टॉक रखने की समय सीमा 15 दिन से बढ़ाकर 30 दिन कर दी है। सरकार के इस कदम से औद्योगिक आपूर्ति सुनिश्चित होने के साथ ही कीमतें स्थिर रहने की उम्मीद है। इस अतिरिक्त स्टॉक की खरीद अग्रिम स्वीकृति योजना (एएएस) और शुल्क दर कोटा (टीआरक्यू) के तहत आयातित चीनी से ही की जाएगी। केंद्र सरकार के इस कदम का उद्देश्य औद्योगिक उपयोगकर्ताओं को त्योहारी सीजन के दौरान अधिक लचीलापन प्रदान करना है। सरकार ने ये फैसला त्योहारी सीजन से पहले लिया गया है, जब चीनी की मांग बढ़ने की उम्मीद है। खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग के मुताबिक खुदरा चीनी की कीमतों में लगभग 10 फीसदी तक की गिरावट आई है। सरकार ने व्यापारियों और थोक विक्रेताओं से आग्रह किया है कि वे कम हुई कीमतों का लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचाएं। खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग ने कहा कि खुले बाजार से चीनी की खरीद के लिए स्टॉक रखने की सीमा अपरिवर्तित रहेगी और केवल 15 दिनों की खपत तक ही सीमित रहेगी। सरकार ने थोक उपभोक्ताओं के द्वारा खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग के ऑनलाइन पोर्टल के जरिए प्रत्येक शुक्रवार को चीनी स्टॉक की घोषणा और साप्ताहिक जानकारी के लिए एक तंत्र भी स्थापित किया है। सरकार ने चीनी के प्रमुख थोक उपभोक्ताओं के साथ विस्तृत परामर्श करके स्थिर और व्यवस्थित चीनी बाजार बनाए रखने के उद्देश्य से उनके सुझावों पर विचार किया है।

### स्पैम कॉल और अनचाहे संदेशों पर सख्ती, ट्राई ने नियमों में किए बदलाव

**नई दिल्ली।** दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने स्पैम कॉल और अनचाहे व्यावसायिक संदेशों (यूसीसी) पर रोक लगाने के लिए नियमों में व्यापक बदलाव किए हैं। नए प्रावधानों के तहत कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित निगरानी, स्पैम कॉल करने वालों पर त्वरित कार्रवाई, उपभोक्ताओं के लिए अपील की व्यवस्था और रोबो कॉल पर नियंत्रण जैसे कदम उठाए गए हैं। दूरसंचार मंत्रालय के अनुसार, ट्राई ने टेलीकॉम कमर्शियल कम्युनिकेशंस कस्टमर प्रेफरेंस (तीसरा संशोधन) विनियम, 2026 लागू कर दिया है। इसके तहत दूरसंचार कंपनियों को एआई और मशीन लर्निंग की मदद से स्पैम कॉल करने वाले नंबरों की पहचान कर उन्हें आपस में साझा करना होगा। यदि किसी प्रेषक से जुड़े पांच या अधिक नंबर दस दिनों के भीतर संदिग्ध पाए जाते हैं तो उसके खिलाफ जांच और चरणबद्ध कार्रवाई की जाएगी। संशोधित नियमों में एप्लीकेशन-टू-पर्सन (ए2पी) कॉल को भी विनियमित किया गया है। अब ऑटो डायलर, रोबो कॉल और रिकॉर्डेड आवाज के जरिए की जाने वाली कॉल के लिए पहले से घोषणा करना अनिवार्य होगा। बिना पूर्व सूचना की गई ऐसी कॉल को अनचाहा व्यावसायिक संचार माना जाएगा। ट्राई ने स्पैम संबंधी शिकायतों पर कार्रवाई की प्रक्रिया को भी और सख्त बनाया है। अब यदि किसी नंबर के खिलाफ दस दिनों के भीतर तीन या अधिक शिकायतें मिलती हैं और एआई प्रणाली भी उसे संदिग्ध मानती है, तो उसके खिलाफ कार्रवाई शुरू की जा सकेगी। पहले इसके लिए पांच शिकायतों की जरूरत होती थी। उपभोक्ताओं को पहली बार शिकायतों के निस्तारण के खिलाफ अपील का अधिकार भी दिया गया है।

# भारत ने नौसैन्य जहाज टक्कर मामले में पाक के आरोपों को सिरे से खारिज किया

**विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने प्रेस ब्रीफिंग के दौरान पूरे घटनाक्रम पर पाकिस्तान की ओर से आए जवाब पर अपनी प्रतिक्रिया दी**

**नई दिल्ली,एजेंसी।** भारत ने अरब सागर में भारतीय युद्धपोत और पाकिस्तानी नौसैनिक जहाज के बीच हुई टक्कर को लेकर पाकिस्तान के आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। इसके साथ ही भारत ने पाकिस्तानी सैन्य इकाइयों से भविष्य में ऐसी घटना की पुनरावृत्ति न होने की चेतावनी भी दी है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शुक्रवार को प्रेस ब्रीफिंग के दौरान पूरे घटनाक्रम पर पाकिस्तान की ओर से आए जवाब पर आज अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान का जवाब हमने देखा है। पड़ोसी देश की टालमटोल करने की आदत रही है और हमें इसी तरह के जवाब की उम्मीद थी। हम उसकी ओर से लगाए आरोप को सिरे से खारिज करते हैं। पाकिस्तान का आरोप था कि यह टक्कर पाकिस्तानी विशेष आर्थिक क्षेत्र में भारतीय जहाज की उकसावे वाली और अस्वीकार्य कार्रवाई की वजह से हुई।

प्रवक्ता जायसवाल ने एक बार फिर दोहराया कि आईएनएस कोलकाता पश्चिम अरब सागर में एक नियमित तैनाती पर था। पाकिस्तानी नौसेना के जहाज पीएनएस हुनैंन ने समुद्र में अस्वीकार्य और गैर-पेशेवर तरीके से बर्ताव किया। इसके परिणामस्वरुप टक्कर हुई। प्रवक्ता ने स्पष्ट किया कि पूरे घटनाक्रम में आईएनएस कोलकाता को कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ है और वह अभी भी समंदर में है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तानी जहाज खतरनाक तरीके से ओवरटेक करने की पैंतरेबाज़ी कर रहा था। यह भारत-पाकिस्तान के बीच सैन्य समझौतों के विरुद्ध है। इन समझौतों में यह स्पष्ट है कि नौसेना इकाइयों को एक-दूसरे के तीन नॉटिकल मील के दायरे में नहीं आना चाहिए। इसके अलावा पाकिस्तानी जहाज में समुद्र में टक्कर रोकने के लिए अंतरराष्ट्रीय नियमों का भी उल्लंघन किया है। उल्लेखनीय है कि अरब सागर में 15 सितंबर को आईएनएस कोलकाता और पीएनएस हुनैंन के बीच हुई टक्कर पर भारत ने पाकिस्तान के प्रभारी राजदूत को तलब कर इस मामले पर अपना कड़ा विरोध दर्ज कराया था और पाकिस्तानी जहाज के अस्वीकार्य आचरण पर कड़ी आपत्ति जताई थी। इसको लेकर पाकिस्तान का कहना था कि यह टक्कर पाकिस्तान के विशेष आर्थिक क्षेत्र में भारतीय जहाज की उकसावे वाली और अस्वीकार्य कार्रवाई की वजह से हुई। बीच समंदर में हुई इस घटना को इसलिए गंभीर माना जा रहा है, क्योंकि भारत और पाकिस्तान ने अप्रैल 1991 में सैन्य गतिविधियों से जुड़ी गलतफहमियों और दुर्घटनाओं को रोकने के लिए एक समझौता किया था। इसके आर्टिकल 10 में दोनों देशों के नौसैनिक जहाजों और पनडुब्बियों के अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में संचालन को लेकर विशेष प्रावधान है। इसके तहत दोनों देशों के नौसैनिक जहाजों को एक-दूसरे के तीन नॉटिकल मील से कम करीब नहीं आना चाहिए, ताकि दुर्घटना से बचा जा सके। तीन नॉटिकल मील करीब 5.56 किलोमीटर के बराबर होते हैं। इस प्रावधान का उल्लेख भारत सरकार के पुराने आधिकारिक रिकॉर्ड में भी मिलता है। इसलिए मौजूदा घटना में भारत की आपत्ति केवल टक्कर होने को लेकर नहीं है, बल्कि यह भी है कि पाकिस्तानी जहाज ने अंतरराष्ट्रीय समुद्र में सुरक्षित संचालन के लिए मौजूद द्विपक्षीय व्यवस्था का पालन नहीं किया।

# तृणमूल कांग्रेस का चुनाव चिह्न फ्रीज करने पर राहुल गांधी ने चुनाव आयोग पर उठाए सवाल

**नई दिल्ली,एजेंसी।** लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के नाम और चुनाव चिह्न पर रोक लगाने के चुनाव आयोग के फैसले की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि भाजपा और चुनाव आयोग मिलकर विपक्षी दलों को कमजोर कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह लड़ाई केवल ममता बनर्जी की नहीं बल्कि स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव चाहने वाले प्रत्येक राजनीतिक दल और मतदाता की है।

राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि पहले शिवसेना, फिर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) और अब तृणमूल कांग्रेस के साथ ऐसा हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि हर बार एक ही पैटर्न दोहराया जाता है, जिसमें पहले पार्टी को तोड़ा जाता है और फिर उसका चुनाव चिह्न छीन लिया जाता है। राहुल गांधी ने कहा कि चुनाव आयोग की संवैधानिक जिम्मेदारी जनादेश की रक्षा करना है लेकिन वह उन ताकतों की मदद कर रहा है जो जनता के फैसले को बदलना चाहती हैं। इससे पहले कांग्रेस महासचिव के. सी. वेणुगोपाल ने एक्स पर चुनाव आयोग के फैसले की आलोचना करते हुए कहा था कि चुनाव आयोग विपक्षी दलों के खिलाफ कार्रवाई कर लोकतंत्र को कमजोर कर रहा है। कांग्रेस के मीडिया एवं प्रचार विभाग के अध्यक्ष पवन खेड़ा ने भी चुनाव आयोग के फैसले पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि तृणमूल कांग्रेस के चुनाव चिह्न को फ्रीज करना न्याय नहीं बल्कि चुनाव आयोग की संवैधानिक जिम्मेदारी से पीछे हटना है। उनका कहना था कि पार्टी के बागी धड़े का कोई संवैधानिक आधार नहीं है और इसलिए चुनाव चिह्न पर उसका कोई वैध दावा नहीं बनता। उल्लेखनीय है कि चुनाव आयोग ने तृणमूल कांग्रेस के 'घास पर दो फूल' चुनाव चिह्न और पार्टी के नाम के इस्तेमाल पर रोक लगा दी है। आयोग ने दोनों गुटों को नए नाम और चुनाव चिह्न के तीन-तीन विकल्प शुक्रवार सुबह तक देने को कहा था। पश्चिम बंगाल की नंदीग्राम और रेजीनगर विधानसभा सीटों पर 6 अक्टूबर को उपचुनाव होने हैं, जहां दोनों गुटों ने एक ही चुनाव चिह्न पर उम्मीदवार उतार दिए थे। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में टीएमसी की करारी हार के बाद बागी विधायकों और नेताओं के पार्टी छोड़ने का सिलसिला शुरू हुआ। जून में टीएमसी के 58 विधायकों द्वारा विधानसभा में अलग बैठक करने और बाद में बागी गुट द्वारा नई पार्टी के गठन का दावा करने की घटनाएं सामने आईं। इसके बाद जुलाई में बागी गुट ने चुनाव आयोग से नई पार्टी के नाम, चुनाव चिह्न और ध्वज की मांग की थी। इसी विवाद के बीच चुनाव आयोग ने अब तृणमूल कांग्रेस के नाम और 'घास पर दो फूल' चुनाव चिह्न के इस्तेमाल पर रोक लगाते हुए दोनों गुटों को नए नाम और चुनाव चिह्न के विकल्प देने को कहा है।

# मूडीज ने भारत की जीडीपी वृद्धि दर का अनुमान बढ़ाकर किया सात फीसदी

**नई दिल्ली,एजेंसी।** पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच वैश्विक झटकों के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था ने मजबूती दिखाई है। वैश्विक रेटिंग एजेंसी मूडीज रेटिंग्स ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर का अनुमान छह फीसदी से बढ़ाकर सात फीसदी कर दिया है। एजेंसी ने साथ ही तेल की ऊंची कीमतों और अल नीनो के असर से महंगाई बढ़ने के जोखिम को लेकर आगाह किया है।

रेटिंग एजेंसी ने शुक्रवार को जारी अपने ताजा अनुमान में कहा कि वर्ष 2026 की पहली तिमाही में वार्षिक आधार पर भारत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर 8.2 फीसदी रही, जबकि 2025 में यह 7.3 फीसदी रही थी। यह मजबूत निजी खपत, निवेश, बुनियादी ढांचे पर सरकार के लगातार खर्च, सेवा क्षेत्र की मजबूती और निजी निवेश में तेजी के कारण संभव हुआ है। इस महीने की शुरुआत में जापान की क्रेडिट रेटिंग एजेंसी 'जेसीआर' ने भारत की रेटिंग को बढ़ाकर 'ए-' कर दिया था। मजबूत आर्थिक वृद्धि और मजबूत वित्तीय प्रणाली का हवाला देते हुए 35 साल के अंतराल के बाद यह उपलब्धि हासिल हुई थी। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि पश्चिम एशिया में संघर्ष से उत्पन्न हुए वैश्विक झटके के प्रति अर्थव्यवस्था की दिखाई गई मजबूती के कारण हमने 31 मार्च, 2027 को समाप्त होने वाला वित्त वर्ष 2026-27 में वास्तविक जीडीपी वृद्धि का अनुमान पहले के छह फीसदी से बढ़ाकर सात प्रतिशत कर दिया है। एजेंसी ने बताया कि जीडीपी वृद्धि दर के अनुमान में यह संशोधन पश्चिम एशिया में जारी संकट के कारण उत्पन्न अनिश्चितताओं के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती को दर्शाता है। एजेंसी का यह अनुमान आरबीआई, एसएंडपी और फिच के अनुमानों से ज़्यादा है। रेटिंग एजेंसी ने आशा व्यक्त की कि भारत सभी अन्य जी-20 अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में तेज रफ्तार से बढ़ना जारी रखेगा।

# प्रधानमंत्री आज 20वें रोजगार मेले में युवाओं को देंगे नियुक्ति पत्र

**नई दिल्ली।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार को 20वें रोजगार मेले के दौरान विभिन्न सरकारी संगठनों में नवनियुक्त 51 हजार से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित करेंगे। प्रधानमंत्री दोपहर 12:30 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से नियुक्ति पत्र प्रदान करने के साथ नवनियुक्त अभ्यर्थियों को संबोधित भी करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, रोजगार मेले का आयोजन देशभर में 45 स्थानों पर किया जाएगा। इस दौरान नियुक्त होने वाले युवा केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों और विभागों में कार्यभार संभालेंगे। इनमें राजस्व विभाग, रेल मंत्रालय, गृह मंत्रालय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, वित्तीय सेवा विभाग और रक्षा मंत्रालय सहित अन्य विभाग शामिल हैं। सरकार के अनुसार, रोजगार मेला युवाओं के लिए रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने तथा उन्हें देश के विकास में अधिक भागीदारी का अवसर देने की दिशा में निरंतर प्रयास का हिस्सा है।

# एससीओ के व्यापार मंत्रियों ने 2026-30 के लिए एक्शन प्लान को दी मंजूरी

**एससीओ देशों के आर्थिक और विदेश व्यापार मंत्रियों की 25वीं बैठक ताजिकिस्तान में संपन्न**

**नई दिल्ली,एजेंसी।** ताजिकिस्तान में हुई शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के सदस्य देशों के आर्थिक और विदेश व्यापार मंत्रियों की 25वीं बैठक में एससीओ के व्यापार मंत्रियों ने 2026-30 के लिए 'एक्शन प्लान' को मंजूरी दी। मंत्रियों ने 'शंघाई सहयोग संगठन के सदस्य देशों के आर्थिक और विदेश व्यापार मंत्रियों के वक्तव्य' को पारित किया। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के मुताबिक इस बैठक में एससीओ सदस्य देशों के बीच आर्थिक और विदेश व्यापार के क्षेत्रों में जारी सहयोग की समीक्षा की गई। साथ ही एससीओ ढांचे के भीतर व्यापार एवं आर्थिक सहयोग को और सुदृढ़ करने के उपायों पर विचारों का आदान-प्रदान किया गया। भारत ने अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए 'सुरक्षा, संपर्क और अवसर' के तीन स्तंभों पर बल दिया।

मंत्रालय के मुताबिक एससीओ के सदस्य देशों के आर्थिक और विदेश व्यापार मंत्रियों ने शंघाई सहयोग संगठन के सदस्य देशों के बहुपक्षीय व्यापार और आर्थिक सहयोग कार्यक्रम के कार्यान्वयन के लिए 2026-2030 की कार्य योजना पर सहमति व्यक्त की, जिसे एससीओ सदस्य देशों के राष्ट्राध्यक्षों (प्रधानमंत्रियों) की परिषद द्वारा आगे अनुमोदन के लिए भेजा जाएगा। इसके अलावा मंत्रियों ने 'रचनात्मक अर्थव्यवस्था के विकास पर शंघाई सहयोग संगठन के सदस्य देशों के विशेष कार्य समूह पर विनियम' को भी मंजूरी दी। मंत्रियों ने एससीओ बिजनेस काउंसिल के प्रतिनिधि द्वारा परिषद की गतिविधियों पर प्रदान की गई जानकारी पर चर्चा की। उन्होंने ताजिकिस्तान द्वारा प्रस्तुत एससीओ आर्थिक विश्लेषणात्मक केंद्रों के संघ की गतिविधियों से संबंधित जानकारी का भी संज्ञान लिया। वहीं, यशवीर सिंह ने भारत का पक्ष रखते हुए एससीओ की महत्वपूर्ण आर्थिक क्षमता और इस क्षमता को एससीओ के भीतर ही व्यापार में वृद्धि, व्यापार लागत में कमी, मजबूत आपूर्ति श्रृंखलाओं और बेहतर कनेक्टिविटी के जरिए ठोस परिणामों में बदलने के महत्व पर प्रकाश डाला।

# सुप्रीम कोर्ट ने दिया आईओसी को महिला उम्मीदवार को 12 लाख का मुआवज़ा देने का आदेश

**नई दिल्ली,एजेंसी।** उच्चतम न्यायालय ने इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसी) को एक योग्य महिला उम्मीदवार सुमित्रा को 12 लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया है। आईओसी ने उसे केवल महिला होने के कारण एलपीजी बॉटलिंग प्लांट में रीफिलिंग हेल्पर की नौकरी देने से मना कर दिया गया था।

मामला 38 साल पुराना है। हरियाणा के गुढ़ा गांव निवासी सुमित्रा ने 1998 में आईओसी में खलासी, चपरासी या रीफिलिंग हेल्पर के पद के लिए इंटरव्यू दिया था। सुमित्रा का नाम उन 49 लोगों की सूची में शामिल था जिनकी सिफारिश डिप्टी कमिश्नर की अध्यक्षता वाली कमेटी ने आईओसी के एलपीजी बॉटलिंग प्लांट के लिए

की थी, लेकिन सुमित्रा को नौकरी नहीं मिली जबकि बाकी लोगों को नियुक्ति पत्र दिए गए। उसके बाद सुमित्रा ने फैसले को ट्रायल कोर्ट में चुनौती दी। ट्रायल कोर्ट ने कहा कि महिला नौकरी के लिए तय योग्यता पूरी करती थीं। ट्रायल कोर्ट के फैसले को आईओसी ने अपील की और 6 अगस्त 1993 में ट्रायल कोर्ट का फैसला पलट दिया। इसके बाद सुमित्रा ने पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय का रुख किया। उच्च न्यायालय ने अक्टूबर 2025 में निचली अदालत का फैसला पलट दिया जिसमें आईओसी को सुमित्रा को मजदूर के अलावा किसी दूसरे पद पर नियुक्त करने का निर्देश दिया गया था। उच्च न्यायालय के फैसले को आईओसी ने उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी। आईओसी के वकील ने कहा कि इस काम में भारी एलपीजी सिलेंडर उठाने पड़ते हैं और रात की शिफ्ट होती है, इसलिए शायद अधिकारियों ने महिला को उपयुक्त नहीं माना। इस पर उच्चतम न्यायालय ने आईओसी के वकील से सवाल किया कि क्या महिलाएं घरों में गैस सिलेंडर नहीं उठातीं। न्यायालय ने कहा कि हम भारत में रहते हैं और हर दिन महिलाओं के सम्मान की बात करते हैं। हम कहते हैं कि महिला देवी के समान है।

# डूसू मतदान संपन्न, अभाविप ने क्लीन स्वीप का दावा किया

**एनएसयूआई पर चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित करने का आरोप**

**नई दिल्ली,एजेंसी।** दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ (डूसू) और संबद्ध कॉलेजों में शुक्रवार को मतदान संपन्न होने के बाद अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) ने कई कॉलेजों में जीत को लेकर भरोसा जताया है। छात्र संगठन ने डूसू के केंद्रीय पैनल के चारों पदों पर क्लीन स्वीप करने का दावा किया है। साथ ही एबीवीपी ने विपक्षी छात्र संगठन एनएसयूआई पर चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित करने का आरोप लगाते हुए निष्पक्ष जांच और कार्रवाई की मांग की है।

अभाविप की विज्ञप्ति के अनुसार विभिन्न कॉलेज छात्रसंघ चुनावों में उसके पैनल ने बड़े अंतर से जीत हासिल की है। संगठन ने दावा किया कि अदिति महाविद्यालय (सभी पद), अरविंदो कॉलेज मॉर्निंग (6-0), भारती महाविद्यालय (8 पद), शिवाजी कॉलेज (6-0) और डॉ. भीमराव अंबेडकर कॉलेज (4 पद) में परिषद के उम्मीदवारों ने क्लीन स्वीप किया है। इसके अलावा केशव महाविद्यालय में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और सचिव पद, श्यामा प्रसाद मुखर्जी कॉलेज में अध्यक्ष, सचिव सहित दोनों सेंट्रल काउंसलर पद तथा श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स (एसआरसीसी) और डिपार्टमेंट ऑफ लाइब्रेरी साइंसेज में सभी प्रमुख पदों पर अभाविप प्रत्याशियों की जीत का दावा किया गया है। कॉलेज स्तर पर मिले समर्थन के आधार पर अभाविप ने डूसू के केंद्रीय पैनल में भी 4-0 से जीत का विश्वास जताया है।

संगठन का कहना है कि अध्यक्ष पद के प्रत्याशी यश डबास, उपाध्यक्ष पद के प्रत्याशी ईशू मौर्य, सचिव पद की प्रत्याशी रिया छाबड़ी और संयुक्त सचिव पद के प्रत्याशी लक्ष्यराज सिंह के पक्ष में विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर मतदान किया है। मतदान प्रक्रिया के दौरान अभाविप ने कांग्रेस समर्थित नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) पर चुनावी नियमों के उल्लंघन के आरोप लगाए। संगठन के मुताबिक दयाल सिंह कॉलेज में अभाविप के नाम और पैनल के गलत विवरण वाली पर्चियां बांटने के मामले में दो लोगों को पुलिस को सौंपा गया। वहीं, विधि केंद्र (एलसी-2 मॉर्निंग) में फर्जी पहचान पत्र के साथ मतदान केंद्र पहुंची एक छात्रा को सुरक्षाकर्मियों ने पकड़ा जबकि उसकी दो अन्य साथी फरार हो गईं। अभाविप ने इन मामलों की जांच कर दोषियों पर नियम सम्मत कार्रवाई की मांग की है। अभाविप दिल्ली के प्रदेश मंत्री सार्थक शर्मा ने कहा कि विरोधी दलों के तमाम प्रयासों के बावजूद विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने अपने विवेक से मतदान किया है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि संगठन दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा चुनाव प्रक्रिया और विजय जुलूस पर रोक को लेकर जारी दिशा-निर्देशों का स्वागत करता है तथा सभी कार्यकर्ताओं को इन निर्देशों का शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

# रेखा गुप्ता ने 75 सीएम श्री सरकारी विद्यालयों में हेरिटेज क्लबों की स्थापना का किया शुभारंभ

**सैफुल्लाह सिद्दीकी, वरिष्ठ पत्रकार**

**नई दिल्ली।** दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को 75 सीएम श्री सरकारी विद्यालयों में हेरिटेज क्लबों की स्थापना का शुभारंभ किया। दिल्ली सरकार के कला, संस्कृति एवं भाषा विभाग तथा दिल्ली अभिलेखागार द्वारा हेरिटेज क्लबों के अंतर्गत विद्यार्थियों के लिए विभिन्न व्यावहारिक और छात्र-केंद्रित गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। इस अवसर पर दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद और कला, संस्कृति एवं भाषा मंत्री कपिल मिश्रा उपस्थित रहे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि स्कूल में होने वाली प्रत्येक गतिविधि, हर पहल और किताब का एक-एक पन्ना बच्चे के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण होता है। इसी सोच के साथ शुरू किए जा रहे हेरिटेज क्लब विद्यार्थियों को दिल्ली की समृद्ध ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, स्थापत्य और दस्तावेजी विरासत से सीधे जोड़ने का माध्यम बनेंगे।

रेखा गुप्ता ने कहा कि इन बच्चों की शिक्षा, सुरक्षा और उनके लिए बेहतर वातावरण सुनिश्चित करना सभी की साझा जिम्मेदारी है। देश की दिल्ली का इतिहास अत्यंत समृद्ध है। यहां विभिन्न ऐतिहासिक कालखंडों, सांस्कृतिक परंपराओं, धार्मिक स्थलों, स्मारकों और स्थापत्य विरासत से जुड़ी अनेक महत्वपूर्ण स्मृतियां मौजूद हैं। हेरिटेज क्लबों के माध्यम से विद्यार्थियों को अपने शहर के इतिहास और विरासत को केवल किताबों में पढ़ने के बजाय उसे प्रत्यक्ष रूप से देखने, समझने और अनुभव करने का अवसर मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली की विरासत को जानना केवल इतिहास पढ़ने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह अपने शहर और अपनी जड़ों को समझने की प्रक्रिया है। विद्यार्थियों को यह जानना चाहिए कि उनके आसपास मौजूद ऐतिहासिक इमारतों और स्थलों का क्या महत्व है और उनका दिल्ली के इतिहास से क्या संबंध है। हेरिटेज क्लब विद्यार्थियों को उन अध्यायों को जानने, समझने और उन पर विचार करने का अवसर देंगे। हेरिटेज क्लबों से बच्चों में देश, अपनी जड़ों और अपनी विरासत के प्रति जुड़ाव विकसित होगा। हेरिटेज क्लब छोटा कदम जरूर है, लेकिन इसके माध्यम से बच्चों में अपनी विरासत को जानने और उसके संरक्षण के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित हो सकती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिल्ली के सरकारी स्कूलों को ऐसी सुविधाओं से युक्त बनाने का सपना दिया है, जो किसी निजी स्कूल से कम न हों। दिल्ली सरकार का प्रयास है कि सरकारी स्कूलों को सुविधाओं और शैक्षणिक वातावरण के स्तर पर उस मुकाम तक पहुंचाया जाए। बच्चों को ऐसा सक्षम और आत्मविश्वासी बनाया जाना चाहिए कि वे अपने आसपास की परिस्थितियों को समझ सकें, समस्याओं का सामना कर सकें, उनका समाधान निकाल सकें और जीवन की हर परिस्थिति में समझदारी के साथ आगे बढ़ सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकारी स्कूलों में आवश्यक इंफ्रास्ट्रक्चर, शिक्षकों के लिए जरूरी सुविधाओं, स्कूल के वातावरण और बच्चों के समग्र विकास से जुड़ी व्यवस्थाओं में पिछले वर्षों में जो कमी रही है, उसे पूरा करने के लिए सभी को मिलकर काम करना होगा। पिछले वर्षों का बैकलॉग पूरा करने के लिए मुख्यमंत्री, मंत्री, अधिकारी, शिक्षक और स्कूल प्रमुख, हर व्यक्ति को अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी। इस अवसर पर दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने कहा कि दिल्ली देश की राजनीतिक राजधानी होने के साथ-साथ देश की स्टार्टअप और सांस्कृतिक राजधानी के रूप में भी अपनी पहचान स्थापित करे, यह सरकार का प्रमुख लक्ष्य है। दिल्ली का इतिहास अत्यंत समृद्ध और विविधतापूर्ण रहा है, लेकिन समय के साथ उसकी अपनी विशिष्ट पहचान और स्थानीय विरासत के कई महत्वपूर्ण पहलू व्यापक चर्चा से दूर हो गए।

# हाई कोर्ट ने डूसू चुनाव के बाद जीत का जुलूस निकालने पर लगाई रोक

**शाहनवाज सैफ, सद्भावना टुडे**

**नई दिल्ली।** दिल्ली उच्च न्यायालय ने दिल्ली यूनिवर्सिटी स्टूडेंट्स यूनियन (डूसू) के चुनाव के बाद किसी भी तरह के विजय जुलूस निकालने पर रोक लगा दी है। चीफ जस्टिस डीके उपाध्याय की अध्यक्षता वाली बेंच ने सभी छात्र संगठनों और उम्मीदवारों को नोटिस जारी कर पूछा है कि लिंगदोह कमेटी की सिफारिशों के उल्लंघन के मामले में कार्रवाई क्यों नहीं की जाए। उच्च न्यायालय ने 17 सितंबर को प्रचार के अंतिम दिन हुई हिंसा के मामले पर सख्त रुख अपनाते हुए कहा था कि लोकतंत्र को आपराधिक समाज के रुप में तब्दील नहीं किया जा सकता है। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने दिल्ली पुलिस और दिल्ली विश्वविद्यालय से सख्त लहजे में पूछा कि 16 सितंबर की घटना हुई और न आपने एफआईआर दर्ज की और न किसी की गिरफ्तारी की। कोर्ट ने कहा था कि 'एनफ-इज-एनफ'। हम इस तरह के आपराधिक बर्ताव को सहन नहीं कर सकते हैं।

कोर्ट ने कहा कि ऐसी घटनाएं हर साल के छात्र संघ के चुनाव में होती हैं। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता प्रशांत मनचंदा ने कहा था कि उच्च न्यायालय ने 2025 में कुछ दिशा-निर्देश जारी किए थे। इसके बावजूद 16 सितंबर को जमकर मारपीट, तोड़फोड़ हुई। गुंडा तत्वों ने पूरा नॉर्थ कैंपस पर कब्जा कर रखा था, जिसके बाद कुछ प्रोफेसर और छात्रों ने उच्च न्यायालय आने को कहा। मनचंदा ने कहा कि 16 सितंबर का दिन डूसू चुनाव के लिए इतिहास का सबसे काला दिन था। कुछ लॉ स्टूडेंट को इसलिए पीटा गया, क्योंकि वे फोटोग्राफ ले रहे थे। गुंडा तत्व यूनिवर्सिटी के बाहर के थे और उनके हाथों में लाठी थी। कोर्ट ने दिल्ली यूनिवर्सिटी से कहा कि आपको चुनाव रद्द करने या बाद में करने पर विचार करना होगा। छात्र संगठन भी इस याचिका में पक्षकार हैं। जब नोटिस जारी होगा, तभी वे पेश होंगे। कोर्ट ने कहा कि भले की प्रशासन गैरजिम्मेदार हो, लेकिन छात्रों को जिम्मेदार होना चाहिए। हम इसकी अनुमति नहीं देंगे कि आप शिक्षकों को पीटें और बंदूकें लहराएं। कोर्ट ने दिल्ली यूनिवर्सिटी से कहा कि अगर आप स्थिति नहीं संभाल सकते तो हम चुनाव रद्द कर देंगे। चीफ जस्टिस ने कहा कि उनकी खुद की बेटी और भतीजी यूनिवर्सिटी में पढ़ती हैं। उनका क्या होगा। ये वाकया हर साल हो रहा है। सुनवाई के दौरान एएसजी चेतन शर्मा ने उच्च न्यायालय की चिंताओं से सहमति जताई। दोषियों पर कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि 13 अगस्त को आदर्श आचार संहिता लागू हुई। 16 सितंबर की शाम 5 बजे के बाद कोई कैंपेन नहीं हुआ और यूनिवर्सिटी कैंपस पूरे तरीके से शांत है। तब कोर्ट ने कहा कि लेकिन उसके पहले जो हुआ उसका क्या। तब चेतन शर्मा ने कहा कि हम दोषियों पर कार्रवाई करेंगे।

# दिल्ली पुलिस ने अवैध रूप से रह रहे दो बांग्लादेशी नागरिक को लिया हिरासत में

**नई दिल्ली।** दिल्ली पुलिस की आउटर जिला विदेशी सेल ने पश्चिम विहार इलाके में अवैध रूप से रह रहे दो बांग्लादेशी नागरिकों को हिरासत में लिया है। दोनों आरोपित ग्रीस का वीजा हासिल करने की कोशिश में थे और इलाके में छिपने के लिए ठिकाना तलाश रहे थे। पुलिस के अनुसार पकड़े गए आरोपितों की पहचान सिलहट (बांग्लादेश) निवासी मोहम्मद तारीक अहमद (28) और रसेल अहमद (27) के रूप में हुई है।

विदेशी सेल की टीम इलाके में अवैध विदेशी नागरिकों की पहचान के लिए नियमित सत्यापन अभियान चला रही थी। इसी दौरान सूचना मिली कि दो विदेशी नागरिक पश्चिम विहार में ठिकाना खोज रहे हैं और ग्रीस जाने की तैयारी में हैं। पुलिस टीम ने जब इलाके में घेराबंदी की, तो दोनों संदिग्ध पुलिसकर्मियों को देखकर अलग-अलग दिशाओं में भागने लगे। सतर्क टीम ने पीछा कर दोनों को मौके पर ही पकड़ लिया।

पूछताछ के दौरान दोनों कोई भी वैध पहचान पत्र या यात्रा दस्तावेज पेश नहीं कर पाए। गहन जांच में सामने आया कि उनके पासपोर्ट और वीजा की अवधि पहले ही समाप्त हो चुकी थी। विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय (एफआरआरओ) के साथ समन्वय कर दोनों को वापस उनके देश भेजने की विधिक प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि दोनों भारत में कब और किस रास्ते से दाखिल हुए थे तथा राजधानी में इतने समय से किन लोगों के संपर्क में रह रहे थे।

# मुख्यमंत्री से प्रधानमंत्री तक 25 साल की सेवा पर दिल्ली में विभिन्न जनकल्याणकारी एवं सेवा कार्यक्रमः सत्या शर्मा

**नई दिल्ली।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के रूप में उनकी 25 वर्षों की सार्वजनिक सेवा यात्रा के अवसर पर स्थायी समिति अध्यक्ष सत्या शर्मा ने दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) मुख्यालय सिविक सेंटर में आशीर्वाद का दीप जलाया। इस अवसर पर उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के स्वस्थ, दीर्घ एवं सफल जीवन की कामना की। स्थायी समिति अध्यक्ष सत्या शर्मा बताया कि इस अवसर पर सिविक सेंटर को तिरंगे के रंगों की रोशनी से सजाया गया।

एमसीडी मुख्यालय की इमारत तिरंगे की रोशनी से जगमगाती नजर आई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 25 वर्षों की सार्वजनिक सेवा यात्रा के अवसर पर दिल्ली में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जाएगा। स्थायी समिति अध्यक्ष ने कहा कि जनसेवा और समाज के प्रति जिम्मेदारी के भाव से

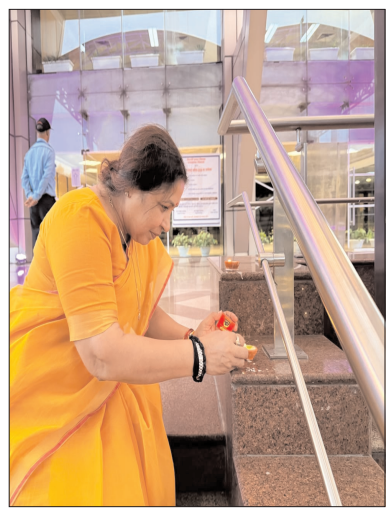

जोड़ते हुए विभिन्न जनभागीदारी कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इनमें 'स्वच्छता ही सेवा' जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से स्वच्छता, सेवा और नागरिक सहभागिता को बढ़ावा दिया जाएगा।

इसके साथ ही विभिन्न क्षेत्रों में जनकल्याण एवं सेवा से जुड़े कार्यक्रमों के माध्यम से अधिक से अधिक लोगों को जोड़ा जाएगा। सत्या शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 25 वर्षों की सार्वजनिक सेवा यात्रा देश के विकास और जनसेवा के प्रति निरंतर समर्पण की यात्रा रही है। उनके जन्मदिवस के अवसर पर दीप जलाकर उनके प्रति सम्मान व्यक्त किया गया और उनके दीर्घ एवं सफल जीवन की कामना की गई। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के जन्मदिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले सेवा एवं जनभागीदारी कार्यक्रमों का उद्देश्य समाज के प्रत्येक वर्ग को सकारात्मक रूप से जोड़ना और सेवा भावना को और मजबूत करना है।

# दिल्ली पुलिस ने नशीली दवाओं की तस्करी करने वाले गिरोह के एक सदस्य को किया गिरफ्तार

**नई दिल्ली,एजेंसी।** दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल (ईस्टर्न रेंज) और गुजरात पुलिस की वडोदरा सिटी क्राइम ब्रांच ने एक संयुक्त अभियान में अंतरराष्ट्रीय नशीले पदार्थों की तस्करी करने वाले गिरोह के एक प्रमुख गुर्गे को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपित के कब्जे से करीब 2 किलो हेरोइन बरामद की है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग 12 करोड़ रुपये आंकी गई है। प्रारंभिक जांच में यह हेरोइन पाकिस्तानी मूल की बताई गई है, जिसे आरोपित ने अपनी कार में विशेष गुप्त तहखाना (कैविटी) बनाकर छिपा रखा था। वडोदरा में दर्ज 10 करोड़ रुपये की कथित रंगदारी के मामले की तफ्तीश के दौरान पुलिस को सूचना मिली थी कि रकम की पहली किस्त दिल्ली में डिलीवर की जानी है। इनपुट के आधार पर संयुक्त टीम ने 12 सितंबर की शाम करीब 5:30 बजे चांदनी चौक के कूचा घासी राम (बीकानेर स्वीट्स के पास) घेराबंदी कर कुलदीप को दबोच लिया। तलाशी में उसके पास से एक करेंसी नोट और कार की चाबी बरामद हुई। जांच में सामने आया कि गिरोह हवाला रकम के कलेक्शन और पहचान के सत्यापन के लिए टेलीग्राम पर करेंसी नोट की तस्वीर भेजता था। कुलदीप की निशानदेही पर पुलिस ने नजफगढ़ के जय विहार फेज-1 में खड़ी उसकी कार की तलाशी ली। कार की डिग्गी में स्पेयर टायर के पास विशेष रूप से तैयार किए गए गुप्त खांचे से 4 पैकेट बरामद किए गए, जिनमें 2 किलो हेरोइन भरी हुई थी। पूछताछ में कुलदीप ने खुलासा किया कि वह महेंद्र डेलाना के निर्देश पर 5 सितंबर को अमृतसर गया था। वहां 6 सितंबर को दो अज्ञात सप्लायरों से हेरोइन की खेप लेकर वह दिल्ली लौटा। वह ड्रग्स तस्करी के साथ-साथ रंगदारी की रकम वसूलने और पहुंचाने का काम भी करता था, जिसके लिए उसे प्रति ट्रिप 15 से 20 हजार रुपये मिलते थे। पुलिस के अनुसार कुलदीप पहले कृषि उपज मंडी में व्यापार करता था लेकिन 2022 में उसे 50 लाख रुपये से अधिक का नुकसान हुआ। भारी कर्ज चुकाने के लिए वह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम के जरिए महेंद्र डेलाना के संपर्क में आया और इस गिरोह का हिस्सा बन गया। स्पेशल सेल थाने में एनडीपीएस एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। पुलिस अब पूरे नशीले पदार्थ सिंडिकेट, हवाला चैनल और विदेश में बैठे नेटवर्क के अन्य लिंक की जांच कर रही है। फरार सरगना महेंद्र डेलाना की तलाश में छापेमारी जारी है।

# एमसीडी ने दिल्लीभर में चलाए गए प्रवर्तन अभियान के दौरान 41 ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की

**शबाना बेगम, सद्भावना टुडे**

**नई दिल्ली।** दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) द्वारा खतरनाक भवनों, अनधिकृत निर्माण तथा मास्टर प्लान ऑफ दिल्ली (एमपीडी) और भवन उपविधियों के उल्लंघन के विरुद्ध शहरभर में चलाया जा रहा प्रवर्तन अभियान लगातार जारी है। भवन मानदंडों का अनुपालन सुनिश्चित करने तथा जनसुरक्षा के मद्देनजर निगम के सभी 12 जोनों में सख्त प्रवर्तन कार्रवाई की जा रही है। आज चलाए गए गहन प्रवर्तन अभियान के तहत एमसीडी के सभी 12 जोनों में 41 ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की गई। इसके अलावा, 10 संपत्तियों को सील किया गया, जबकि लागू भवन मानदंडों एवं विनियमों का उल्लंघन पाए जाने पर 7 ध्वस्तीकरण आदेश जारी किए गए। एमसीडी द्वारा कल भी व्यापक प्रवर्तन अभियान चलाया गया था, जिसके दौरान एमपीडी और भवन उपविधियों के उल्लंघन के कारण 39 संपत्तियों का ध्वस्तीकरण तथा 6 संपत्तियों को सील किया गया।

**प्रमुख ध्वस्तीकरण कार्रवाई**

आज के प्रवर्तन अभियान के दौरान दक्षिण-पश्चिम जोन के वसंत कुंज नॉर्थ; पश्चिमी जोन के मायापुरी डीडीए मार्केट, माया एन्क्लेव, उत्तम नगर और तिलक नगर; मध्य जोन के देव नगर और

करोल बाग; पूर्वी जोन के शकरपुर, शिवपुरी एक्सटेंशन और गणेश नगर-II; उत्तर-पूर्वी जोन के मुस्तफाबाद और सभापुर सहित दिल्ली के अन्य क्षेत्रों में प्रमुख ध्वस्तीकरण कार्रवाई की गई। एमसीडी ने दोहराया है कि निगम क्षेत्राधिकार में किसी भी प्रकार के अनधिकृत निर्माण अथवा भवन मानदंडों के उल्लंघन की अनुमति नहीं दी जाएगी। निगम ने कहा है कि अनधिकृत निर्माण, खतरनाक भवनों तथा जनसुरक्षा के लिए जोखिम उत्पन्न करने वाले अन्य उल्लंघनों के विरुद्ध यह प्रवर्तन अभियान पूरी सख्ती के साथ जारी रहेगा। एमसीडी ने अपने क्षेत्रीय अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे कड़ी निगरानी बनाए रखें तथा एमपीडी, भवन उपविधियों और अन्य संबंधित नियमों के लागू प्रावधानों के अनुसार उल्लंघनों के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करें।

# हाई कोर्ट ने खारिज की कंझावला हिट-एंड-रन मामले में अमित खन्ना की जमानत याचिका

**नई दिल्ली।** दिल्ली उच्च न्यायालय ने कंझावला हिट एंड रन मामले के आरोपी अमित खन्ना की जमानत याचिका खारिज कर दी है। जस्टिस गिरीश कथपलिया की बेंच ने कहा कि जिस गंभीरता और तरीके से इस घटना को अंजाम दिया गया, उसे देखते हुए जमानत नहीं दी जा सकती है। इस मामले में 20 साल की एक लड़की की मौत हो गई थी, जिसे कार के नीचे करीब 13 किलोमीटर तक घसीटा गया। सुनवाई के दौरान जांच अधिकारी ने पांच सीसीटीवी फुटेज दाखिल की थी, जिसमें घटना वाली कार अमित खन्ना ही चला रहा था। उन्होंने कहा कि खन्ना ने आइडेंटिफिकेशन परेड की कार्यवाही में शामिल होने से इनकार कर दिया। सुनवाई के दौरान अमित खन्ना के वकील ने कहा कि आरोपित एक जनवरी, 2023 से हिरासत में है और उसे कथित हत्या से जोड़ने वाला कोई सबूत नहीं है। उन्होंने कथित चश्मदीद गवाह निधि के बयान पर भी सवाल उठाया जो मृतक द्वारा चलाई जा रही स्कूटर पर पीछे बैठी थी। रोहिणी कोर्ट ने 27 जुलाई, 2023 को चार आरोपितों अमित खन्ना, मनोज मित्तल, मिथुन और कृष्णा के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 302, 120क्ष 201, 212 समेत दूसरी धाराओं के तहत आरोप तय करने का आदेश दिया था। रोहिणी कोर्ट ने तीन आरोपियों दीपक खन्ना, अंकुश और आशुतोष के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 201, 212, 182, 34 और 120बी के आरोप तय करने का आदेश दिया था। दिल्ली पुलिस ने एक अप्रैल, 2023 को इस मामले में 800 पन्नों की चार्जशीट दाखिल की थी, जिसमें 120 लोगों को गवाह बनाया गया है। अंकुश खन्ना आरोपित अमित खन्ना का भाई है। आशुतोष भारद्वाज उस कार का मालिक है, जिस कार से घसीटते हुए अंजलि की मौत हुई थी। आशुतोष पर आरोप है कि उसने अन्य आरोपितों को बचाने की कोशिश की। इस मामले का सातवां आरोपित अंकुश खन्ना एक और आरोपित अमित खन्ना का भाई है।

# निवेश का झांसा देकर महिला से 60 लाख की जूलरी और कैश ठगा, गुजरात से आरोपित गिरफ्तार

**नई दिल्ली।** दिल्ली पुलिस ने एक महिला से करीब 60 लाख रुपये की ठगी करने के मामले में गुजरात से एक युवक को गिरफ्तार किया है। उसके पास से चोरी का सामान बरामद किया गया। पुलिस के मुताबिक, शिकायत के अनुसार यश कैलाश बुलचंदानी नाम के आरोपित ने 9 जुलाई को दिल्ली में पीड़ित महिला से मुलाकात की और खुद को निवेश विशेषज्ञ बताया। उसने धीरे-धीरे उसका भरोसा हासिल कर लिया। इसके बाद आरोपित ने निवेश करने के नाम पर महिला से रुपये और जूलरी लेने शुरू किए। वह महिला का मोबाइल फोन, जूलरी और एक बैग लेकर फरार हो गया। बैग में करीब 14 लाख रुपये कैश और एक क्रेडिट कार्ड भी था। इस घटना के बाद पीड़ित महिला ने 17 जुलाई को सफदरजंग एन्क्लेव थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। इस मामले से संबंधित बीएनएस की धारा के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई। इसके बाद पुलिस ने आरोपित की तलाश शुरू की। जांच टीम ने तकनीकी सर्विलांस, सीसीटीवी फुटेज तथा उपलब्ध रिकॉर्ड की जांच के साथ संबंधित एजेंसियों और सर्विस प्रोवाइडरों से जानकारी जुटाई। इन सुरागों का विश्लेषण करने के बाद पुलिस को आरोपी के गुजरात में होने की जानकारी मिली। इसके बाद टीम ने मेहसाणा में छापा मारकर यश को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान आरोपित के पास से करीब 96 ग्राम पिघला हुआ सोना, दो गोल्ड कॉइन, एक गोल्ड चेन, एक डायमंड सेट और एक मोबाइल फोन बरामद हुआ। पुलिस अब बरामद जूलरी की पहचान और पूरे लेनदेन की जांच कर रही है। यह भी पता लगाया जा रहा है कि आरोपी ने ठगी की रकम और जूलरी का इस्तेमाल कहां किया। इस मामले की जांच जारी है।

# माता गुजरी अस्पताल में 13-बेड की NICU का लोकार्पण, मरीजों को मिलेंगी आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएं

**सद्भावना टुडे, संवाददाता**

**नई दिल्ली।** दिल्ली नगर निगम के स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए महापौर प्रवेश वाही ने शुक्रवार को तिलक नगर स्थित माता गुजरी अस्पताल में 13 बिस्तरों वाली नवजात शिशु गहन चिकित्सा इकाई का लोकार्पण किया। इस दौरान उन्होंने अस्पताल में आधुनिक चिकित्सा उपकरणों तथा प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के लाभार्थियों एवं निगम कर्मचारियों के लिए विशेष वार्ड का भी उद्घाटन किया।

नवजात गहन चिकित्सा इकाई में 13 बेड की सुविधा उपलब्ध होने से गंभीर स्थिति वाले नवजात शिशुओं को अस्पताल में ही आवश्यक गहन चिकित्सा एवं निगरानी की सुविधा मिल सकेगी। निगम के अनुसार, इस सुविधा से नवजात शिशुओं के उपचार में सहायता मिलेगी और अस्पताल की चिकित्सा सेवाओं को मजबूती मिलेगी।

महापौर ने चक्षु रोग, अस्थि रोग और अन्य चिकित्सा सेवाओं से संबंधित आधुनिक उपकरणों को भी जनता के लिए समर्पित किया। इनमें कलर डॉप्लर अल्ट्रासाउंड मशीन, अस्थि रोग सर्जरी के लिए सी-आर्म मशीन, आंखों की जांच के लिए ऑप्टिकल कोहेरेन्स टोमोग्राफी (ह्रष्टज्ञ) तथा फेको मशीन शामिल हैं। इन उपकरणों की उपलब्धता से मरीजों को बेहतर जांच एवं उपचार सुविधाएं प्रदान करने

में मदद मिलेगी। विशेष रूप से अस्थि रोग सर्जरी और आंखों से संबंधित रोगों के उपचार में आधुनिक तकनीक का उपयोग बढ़ सकेगा। कार्यक्रम के दौरान महापौर प्रवेश वाही ने प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के लाभार्थियों तथा दिल्ली नगर निगम के कर्मचारियों के लिए विशेष वार्ड का भी लोकार्पण किया। इस पहल का उद्देश्य संबंधित लाभार्थियों और कर्मचारियों को अस्पताल में स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए सुविधाओं का विस्तार करना है। महापौर प्रवेश वाही ने अपने संबोधन में घोषणा की कि निकट भविष्य में माता गुजरी अस्पताल में सीटी स्कैन मशीन भी स्थापित की जाएगी। उन्होंने बताया कि अस्पताल में ई-रजिस्ट्रेशन की सुविधा उपलब्ध है। इसके अलावा, अस्पताल में कलर कोड के आधार पर प्रतिदिन बिस्तरों की चादरें बदली जाती हैं।

उन्होंने कहा कि माता गुजरी अस्पताल में प्रतिदिन लगभग 1600 से अधिक मरीजों की ओपीडी होती है। ऐसे में स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार अस्पताल आने वाले मरीजों और कर्मचारियों के लिए चिकित्सा सेवाओं को अधिक सुलभ एवं व्यवस्थित बनाने में सहायक होगा। महापौर प्रवेश वाही ने कहा कि दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता के दिशा-निर्देश में सेवा संकल्प अभियान की शुरुआत की गई है। दिल्ली नगर निगम का लक्ष्य नागरिकों को बेहतर और आधुनिक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है। अस्पतालों में स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत करना निगम की प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने कहा कि आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं और आवश्यक उपकरणों के विस्तार से नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी तथा चिकित्सा की गुणवत्ता में और सुधार होगा। कार्यक्रम में निगम स्थायी समिति की अध्यक्ष सत्या शर्मा ने कहा कि स्वास्थ्य के क्षेत्र में आधुनिक तकनीक का समावेश वर्तमान समय की आवश्यकता है। इन आधुनिक उपकरणों से अस्पताल की कार्यक्षमता में वृद्धि होगी तथा नागरिकों को इसका भरपूर लाभ मिल सकेगा। लोकार्पण कार्यक्रम में पश्चिमी क्षेत्र वार्ड समिति के अध्यक्ष हरिश ओबरॉय विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता क्षेत्रीय निगम पार्षद अशोक मानु ने की। इस अवसर पर निगम के अतिरिक्त आयुक्त (स्वास्थ्य) पंकज नरेश अग्रवाल, उपायुक्त (पश्चिमी क्षेत्र) कर्नल विनोद अत्री, निदेशक अस्पताल प्रशासन डॉ. अनुज नारायण माथुर तथा माता गुजरी अस्पताल की चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अलका गुप्ता सहित निगम के वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

## एक नजर

### दिल्ली के आरके पुरम में कार ने बाइक को मारी टक्कर, युवक घायल

**नई दिल्ली।** दिल्ली के आरके पुरम स्थित अफ्रीका एवेन्यू रोड पर गुरुवार रात एक तेज रफ्तार कार ने सड़क के किनारे खड़ी बाइक सवार को टक्कर मार दी। इस घटना में बाइक सवार घायल हो गया। कार चालक मौके पर पकड़ा गया। पुलिस के मुताबिक घटना रात करीब 10 बजे अफ्रीका एवेन्यू रोड पर भीकाजी कामा प्लेस से आरके पुरम मेट्रो स्टेशन की तरफ जाने वाली सड़क पर हुई। सड़क किनारे बाइक पर बैठे मुनिरका गांव निवासी तनिष टोकस (21) को तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि युवक बाइक से नीचे गिर गया और उसकी बाइक कार के साथ कुछ दूर तक घिसटती चली गई। उसे गंभीर चोटें नहीं आई। फिलहाल कार को जब्त कर चालक को पकड़ लिया। कार चालक की पहचान वसंत कुंज निवासी वेनुगोपाल (73) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार तनिष को मेडिकल जांच के लिए भेजा गया, जहां उसकी हालत सामान्य मिली और उसे कोई गंभीर चोट नहीं आई। वहीं, कार चालक वेनुगोपाल की भी मेडिकल जांच कराई गई। जांच में शराब का सेवन नहीं पाया गया। इस मामले में आरके पुरम थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई है। बीएनएस की धारा के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। इस मामले की जांच जारी है।

### नगर निगम का कंप्यूटर ऑपरेटर 12 हजार रिश्वत लेते गिरफ्तार

**गुरुग्राम।** भ्रष्टाचार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो गुरुग्राम की टीम ने शुक्रवार को बड़ी कार्रवाई की। टीम ने नगर निगम गुरुग्राम के इंजीनियरिंग ब्रांच में हरियाणा कौशल रोजगार निगम के माध्यम से कार्यरत कंप्यूटर ऑपरेटर पवन कुमार को 12,000 की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। शिकायतकर्ता नगर निगम गुरुग्राम में ठेकेदार के रूप में कार्य करता है। शिकायत के अनुसार उसने लगभग 28 लाख की लागत वाले श्मशान घाट के नवीनीकरण कार्य का करीब 90 प्रतिशत काम पूरा कर लिया था। कार्य पूरा होने के बाद लगभग 23 लाख के बिल को पास करवाने के एवज में आरोपी ने 92,000 की रिश्वत की मांग की। शिकायतकर्ता का आरोप है कि रिश्वत की मांग के तहत उससे पहले ही 80,000 की राशि ली जा चुकी थी और शेष 12,000 की मांग की जा रही थी। परेशान होकर शिकायतकर्ता ने मामले की सूचना राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो को दी। शिकायत मिलते ही ब्यूरो की टीम ने नियमानुसार ट्रैप कार्रवाई की योजना बनाई। ब्यूरो की टीम ने जाल बिछाकर आरोपी पवन कुमार को 12,000 की रिश्वत लेते मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया।

### सेवा संकल्प अभियान का हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ करेगा विरोध : मोहम्मद अरशद

**नूंह।** हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ के जिला प्रधान मोहम्मद अरशद ने कहा कि संघ सरकार के सेवा संकल्प अभियान का विरोध करेगा। संघ के प्रधान एवं सचिव की ओर से जारी बयान में शिक्षा व्यवस्था, शिक्षकों की सेवा शर्तों और कर्मचारियों की लंबित मांगों को लेकर सरकार से समाधान की मांग की गई है। मोहम्मद अरशद ने कहा कि अप्रैल माह से शिक्षक जनगणना, एसआईआर और प्रशिक्षण सहित विभिन्न कार्यों में लगातार लगाए जा रहे हैं। इससे विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित होने की स्थिति बन रही है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब शिक्षकों को गैर-शैक्षणिक कार्यों में लगाया जा रहा है तो घटते नामांकन और स्कूलों के मर्ज होने की जिम्मेदारी शिक्षकों पर क्यों डाली जा रही है। संघ ने 21 वर्षों से कार्यरत अतिथि अध्यापकों को नियमित करने, शिक्षकों एवं कर्मचारियों की पेंशन संबंधी समस्याओं का समाधान करने तथा सेवा नियमों के कारण पदोन्नति और एसीपी लाभ में आ रही दिक्कतों को दूर करने की मांग की। साथ ही लंबे समय से लंबित मांगों का समयबद्ध समाधान करने की आवश्यकता जताई गई। संघ ने संवैधानिक अधिकारों के लिए आंदोलन करने वाले कर्मचारियों की बात सुनने तथा सार्वजनिक उपक्रमों और सेवाओं को मजबूत करने की मांग भी उठाई। संघ ने प्रधानमंत्री से सभी बच्चों को समान, निशुल्क एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने, लंबे समय से कार्यरत शिक्षकों-कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान करने और रिक्त पदों को नियमित भर्ती से भरने की मांग की। इसके अलावा सभी नागरिकों के लिए बेहतर स्वास्थ्य, आवास और अन्य मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित करने तथा सार्वजनिक सेवाओं का विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण करने की मांग की गई।

# एनडीएमसी ने वॉल म्यूरल कार्यशाला का किया आयोजन

**नई दिल्ली,एजेंसी।** 'सेवा संकल्प' अभियान के तहत नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) द्वारा आयोजित वॉल म्यूरल कार्यशाला के दौरान शुक्रवार को पंचकुइयां रोड पर पारंपरिक एवं समकालीन भारतीय वॉल म्यूरल बना रहे वरिष्ठ कलाकारों से नई दिल्ली सांसद बांसुरी स्वराज और एनडीएमसी उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल ने मुलाकात की। उन्होंने कलाकारों के काम को देखा, उनकी सराहना की और उत्साहवर्धन किया। बांसुरी स्वराज ने कहा कि कलाकार चित्रकला के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत ञ्च2047' के संकल्प को साकार करने का प्रयास कर रहे हैं। देश की युवा शक्ति को साथ लेकर इस संकल्प को सिद्धि तक ले जाने का संदेश इन म्यूरल आर्ट और वॉल आर्ट के जरिए बहुत सुंदर तरीके से प्रस्तुत किया जा रहा है। यह पहल पांच अलग-अलग स्थानों पर हो रही है, जिसमें देशभर से 15 कलाकार शामिल हुए हैं। लगभग 4,200 वर्गफुट क्षेत्र में ये कलाकार भारत की विरासत, विकास और भविष्य की तस्वीर उकेर रहे हैं।

उन्होंने बताया कि यह एनडीएमसी की पहल प्रधानमंत्री के जन्मदिवस के अवसर पर चल रहे एक महीने के 'सेवा संकल्प' अभियान का महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह भारत की समृद्ध विरासत और प्रधानमंत्री के

अथक प्रयासों को समर्पित है। कलाकारों को पूरी रचनात्मक स्वतंत्रता दी गई है। चित्रों में एक ओर भारत की समृद्ध विरासत, ऐतिहासिक स्थल और मंदिर की घंटियाँ दिखेंगी, तो दूसरी ओर तेजस और बुलेट ट्रेन जैसे आधुनिक भारत के प्रतीक भी नजर आएंगे। योग को भारत की सॉफ्ट पावर के रूप में प्रस्तुत करने का प्रयास भी इनमें दिखता है। वाराणसी से आए कलाकार बलदाऊ जी ने योग को बहुत सुंदर तरीके से दर्शाया है।

स्वराज ने कहा कि प्रधानमंत्री के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्षों—गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में 13 वर्ष और प्रधानमंत्री के रूप में 12 वर्ष—की यात्रा सेवा, सुशासन और राष्ट्र निर्माण के संकल्प से जुड़ी रही है। यही भाव इन म्यूरल्स में भी दिखाई देता है। दिल्ली और विशेष रूप से नई दिल्ली संसदीय क्षेत्र के लिए यह सौभाग्य की बात है कि एनडीएमसी लगभग 4,200 वर्गफुट क्षेत्र में ऐसी कला विकसित कर रहा है, जो नागरिकों और आने वाली पीढ़ियों के लिए भारत की विरासत, विकास और भविष्य का संदेश देगी। एनडीएमसी उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल ने कहा कि 'सेवा संकल्प' के तहत एनडीएमसी कला और संस्कृति को सार्वजनिक स्थानों से जोड़ने का प्रयास कर रहा है। नई दिल्ली की प्रमुख दीवारों पर भारत की समृद्ध संस्कृति, परंपरा, विरासत और आधुनिक सोच को दर्शाने वाले वॉल म्यूरल बनाए जा रहे हैं। इसका उद्देश्य सामान्य और खाली दीवारों को सुंदर व आकर्षक बनाना तथा लोगों को भारतीय कला-संस्कृति से जोड़ना है। उन्होंने बताया कि यह सात दिवसीय वॉल म्यूरल कार्यशाला 17 से 23 सितंबर 2026 तक सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक चल रही है। इसमें देश के विभिन्न हिस्सों से आए वरिष्ठ कलाकार भाग ले रहे हैं। श्री चहल ने कहा कि यह पहल 'विकसित भारत ञ्च2047' की सोच से जुड़ी है। पुरानी कला और संस्कृति को आधुनिक कला के साथ जोड़कर नई दिल्ली को अलग पहचान देने का प्रयास किया जा रहा है। इन म्यूरल्स के माध्यम से नागरिकों, छात्रों, पर्यटकों और विदेश से आने वाले लोगों को भारत की कला व संस्कृति से जुड़ने का अवसर मिलेगा।

## बैंसला व साथी ने क्लब में शराब पी, फिर महिला बाइकर का पीछा किया

**गुरुग्राम।** गोल्फ कोर्स रोड पर महिला बाइकर शिवानी चौहान उर्फ सिया को कार से टक्कर मारने वाले दोनों आरोपियों कल्याण बैंसला और लवनीश को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। मामले की अगली सुनवाई अब एक अक्टूबर 2026 को होगी। यह जानकारी आरोपी पक्ष के वकील ललित बिंदल ने दी। वहीं इस सनसनीखेज मामले में एसआईटी की जांच में कई चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं।

एसआईटी जांच में पता चला है कि आरोपी कल्याण बैंसला घटना वाली रात रविवार 13 सितंबर को अपने चचेरे भाई लवनीश और दो अन्य दोस्तों के साथ एमजी रोड स्थित एमजीएफ मेट्रोपॉलिटन मॉल के द एम्पायर क्लब में गया था। वहां अरेबियन नाइट्स इवेंट चल रहा था। जांच में सामने आया है कि क्लब में शराब परोसी गई और आरोपी ने वहां डांस किया और एंजॉय किया। जांच के मुताबिक सुबह 06:04 बजे तक बैंसला और उसके साथी क्लब में मौजूद रहे और उसके बाद बाहर निकले। क्लब से निकलते ही कल्याण बैंसला ने मारुति सियाज कार की स्टीयरिंग संभाली, जबकि बगल की पैसेंजर सीट पर उसका भाई लवनीश बैठा था। एसआईटी को पता चला है कि गोल्फ कोर्स रोड पर सेक्टर-53 मेट्रो स्टेशन के पास पहली बार आरोपियों की मुलाकात महिला बाइकर सिया और उसके दोस्तों से हुई। आरोप है कि कार सवार युवकों ने सिया पर फब्तियां कसीं और रुकने का इशारा किया। आरोपियों से पूछताछ में खुलासा हुआ है कि कल्याण बैंसला के साथ बैठे लवनीश ने कल्याण को महिला बाइकर का पीछा करने के लिए उकसाया था। इसके बाद करीब दो किलोमीटर तक बाइक का पीछा किया गया।

## नूंह में सस्ती फॉर्च्यूनर का झांसा देकर 4.30 लाख की लूट, आठ साल से फरार आरोपी गिरफ्तार

**नूंह।** थाना रोजकामेव क्षेत्र में वर्ष 2018 में सस्ती फॉर्च्यूनर कार दिलाने का झांसा देकर करीब 4.30 लाख रुपये की लूट के मामले में नूंह पुलिस ने करीब आठ वर्षों से फरार चल रहे उद्घोषित अपराधी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान सेकुल निवासी गांव भीलमका, थाना डीग, जिला डीग (राजस्थान) के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय की अनुमति के बाद प्रोडक्शन वारंट पर शामिल तफ्तीश कर गिरफ्तार किया। पूछताछ और घटना स्थल की निशानदेही के बाद शुक्रवार को आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

पुलिस प्रवक्ता के अनुसार, मामले में 5 जनवरी 2018 को कर्नाटक निवासी मोहम्मद असरफ की शिकायत पर मुकदमा दर्ज किया गया था। शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया था कि उसके पास फोन कॉल आई थी, जिसमें मात्र सात लाख रुपये में फॉर्च्यूनर गाड़ी बेचने का प्रस्ताव दिया गया। गाड़ी खरीदने के लिए वह अपने साथी के साथ दिल्ली पहुंचा। वहां आरोपियों ने उसे स्कॉर्पियो गाड़ी में बैठाया और फिरोजपुर झिरका ले जाने की बात कहकर अपने साथ ले गए। पुलिस के मुताबिक, रास्ते में सोहना क्षेत्र के नजदीक आरोपियों ने स्कॉर्पियो को रोक लिया। इसी दौरान पहले से मौजूद अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर आरोपियों ने शिकायतकर्ता से करीब 4 लाख 30 हजार रुपये से भरा बैग और उसके साथी का मोबाइल फोन छीन लिया तथा मौके से फरार हो गए। मामले की जांच के दौरान पुलिस ने साइबर सेल की मदद से वारदात में इस्तेमाल स्कॉर्पियो गाड़ी और मोबाइल नंबरों की जांच की। जांच में मुस्तकीम, शमशेर उर्फ दलशेर, राशिद, तैय्यब, मकसूद और सेकुल समेत कई आरोपियों की संलिप्तता सामने आई। पुलिस ने पहले मुस्तकीम और शमशेर को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से लूट की रकम का कुछ हिस्सा और अन्य साक्ष्य बरामद किए थे। जांच आगे बढ़ने पर पुलिस को पता चला कि शिकायतकर्ता से लूटा गया मोबाइल फोन बाद में अलग-अलग लोगों द्वारा इस्तेमाल किया गया। पूछताछ में सामने आया कि उक्त मोबाइल फोन सेकुल ने बेचा था और बाद में उसे वापस भी लिया था। मोबाइल फोन से जुड़े तथ्यों और अन्य जांच के आधार पर पुलिस ने मामले में सेकुल की संलिप्तता की पुष्टि की। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि मामले में फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए न्यायालय से कई बार गिरफ्तारी वारंट जारी करवाए गए तथा उद्घोषणा की कार्रवाई भी की गई थी।

## गाजियाबाद स्टेशन पर यात्रियों की सेहत से खिलवाड़, 247 अवैध वेंडर पकड़े

**अशोक कुमार, सद्भावना टुडे**

**गाजियाबाद।** ज्यादातर ट्रेनों के जनरल कोच यात्रियों की भीड़ से ठसाठस भरे होते हैं। जिस वजह से यात्री अपनी सीट से नीचे आकर खाना-पानी भी नहीं खरीद सकते हैं। भूख लगने पर उन्हें जो मिल जाता है, खरीदकर खा लेते हैं। गाजियाबाद स्टेशन पर इसी मजबूरी का फायदा उठा रहे थे अवैध वेंडर। आरपीएफ ने पिछले 87 दिनों में ऐसे 247 अवैध वेंडरों पर कार्रवाई की। इनमें से 194 के खिलाफ कोर्ट में मुकदमा किया गया है। जांच में पता चला कि ये अवैध वेंडर लाखों यात्रियों की सेहत को नुकसान पहुंचा रहे थे। मिलावटी चीजों से बना खाना बेच रहे थे।

इस्तेमाल करने के बाद फेंकी गई पानी की बोतलों में दोबारा दूषित पानी भरकर यात्रियों को बेच रहे थे। ज्यादातर अवैध वेंडर दो वर्ष से सक्रिय थे। आरपीएफ को जानकारी मिली थी कि अवैध रूप से वेंडर यात्रियों की सेहत से खिलवाड़ कर रहे थे। इसकी जांच की गई तो पता चला कि स्टेशन पर केवल 146 वेंडर ही वैध वेंडर पाए गए। जबकि वेंडरों की संख्या ज्यादा थी। अन्य वेंडर अवैध रूप से खाना बेच रहे थे। आरपीएफ ने 87 दिन तक लगातार कार्रवाई कर 247 वेंडरों को पकड़ा। आरोपितों से 53 अवैध वेंडरों से 1,06,000 का जुर्माना वसूला। जबकि अन्य को रेलवे अधिनियम की

धारा 144(2) के तहत न्यायालय में मुकदमा दर्ज कराया गया। सूत्रों के मुताबिक कई वेंडरों ने बताया कि इस्तेमाल करने के बाद फेंकी गई बोतलों में दोबारा पानी भरकर बेचते हैं और खाने को खराब होने के बाद भी बेच देते थे। कुछ वेंडर मोबाइल छिनैती भी करते थे।

खाना बेचते समय मौका लगने पर चोरी भी कर लेते थे। आरोपित उस दौरान ट्रेनों की खिड़कियों पर खाना-पानी बेचने के लिए सक्रिय हो जाते थे जब ट्रेन चलने वाली होती थी। ट्रेन चलने के बाद यात्री वेंडर को पकड़ भी नहीं सकता था। गाजियाबाद रेलवे स्टेशन दिल्ली-हावड़ा सहित कई रेल मार्गों के बीच स्थित होने के कारण बेहद व्यस्त स्टेशन है। स्टेशन से प्रतिदिन करीब 400 ट्रेनें गुजरती हैं। इनमें करीब 200 ट्रेनों का गाजियाबाद स्टेशन पर ठहराव होता है। स्टेशन पर रोजाना औसतन करीब 80 हजार यात्रियों की आवाजाही रहती है। ऐसे में यहां पर खाना-पीने का सामान ज्यादा बिकता है।

# मेवात इंजीनियरिंग कॉलेज को बंद नहीं होने देंगे: आफताब अहमद

**नूंह,एजेंसी।** मेवात इंजीनियरिंग कॉलेज नूंह की व्यवस्थाओं और कथित बदहाली को लेकर राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। नूंह विधायक आफताब अहमद ने कॉलेज की स्थिति पर चिंता जताते हुए हरियाणा वक्फ बोर्ड के प्रशासक एवं पूर्व विधायक जाकिर हुसैन पर कॉलेज को बंद करने की साजिश रचने का आरोप लगाया है। वहीं जाकिर हुसैन ने विधायक के आरोपों को खारिज करते हुए उन पर मेवात इंजीनियरिंग कॉलेज और वाईएमडी कॉलेज को राजनीतिक षड्यंत्र के तहत बदनाम करने का आरोप लगाया है।

पत्रकारों के सवालों के जवाब में विधायक आफताब अहमद ने कहा कि मेवात इंजीनियरिंग कॉलेज की दुर्दशा की खबर बेहद पीड़ादायक है। उन्होंने कहा कि मेडिकल कॉलेज के बाद हरियाणा वक्फ बोर्ड का देश का एकमात्र इंजीनियरिंग कॉलेज भी कथित तौर पर बदहाली का सामना कर रहा है। कॉलेज में शिक्षकों को चार महीने से अधिक समय से वेतन नहीं मिलने और गेस्ट टीचर्स को हटाए जाने का मामला भी उन्होंने उठाया। आफताब अहमद ने कहा कि नूंह का

है। उनके अनुसार कॉलेज में नियमित शिक्षकों की संख्या बेहद कम है और वर्षों से रिक्त पदों को नहीं भरा गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि अब इसी तर्ज पर मेवात इंजीनियरिंग कॉलेज को भी बर्बाद करने का प्रयास किया जा रहा है। पूर्व विधायक व हरियाणा वक्फ बोर्ड के प्रशासक जाकिर हुसैन पर जानबूझकर कॉलेज को बंद करने का प्रयास करने का आरोप लगाते हुए कहा कि शिक्षकों और विद्यार्थियों को उनके बुनियादी अधिकारों से वंचित रखना उचित नहीं है। नूंह के पूर्व विधायक एवं हरियाणा वक्फ बोर्ड के प्रशासक जाकिर हुसैन ने विधायक आफताब अहमद के आरोपों को खारिज किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस विधायक द्वारा मेवात इंजीनियरिंग कॉलेज और वाईएमडी कॉलेज को एक षड्यंत्र के तहत बदनाम करने की कोशिश की जा रही है। जाकिर हुसैन ने कहा कि हरियाणा वक्फ बोर्ड के खिलाफ किए जा रहे प्रचार में तथ्य नहीं हैं और यह पूरी तरह राजनीतिक रूप से प्रेरित है। उन्होंने कांग्रेस पर वक्फ बोर्ड को कमजोर करने का आरोप लगाते हुए कहा कि वर्ष 2013 में कांग्रेस सरकार द्वारा ऐसा कानून बनाया गया, जिसके कारण वक्फ बोर्ड की स्थिति खराब हुई। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल के प्रयासों से हरियाणा वक्फ बोर्ड ने प्रगति की। जाकिर हुसैन ने दावा किया कि कांग्रेस शासन के दौरान अधिकारियों और इमामों को कई-कई महीनों तक वेतन नहीं मिलता था।

## धमकी देकर महिला से दुष्कर्म करने वाला आरोपित गिरफ्तार

**फरीदाबाद।** अश्लील फोटो-वीडियो के जरिए ब्लैकमेल करने तथा घर में घुसकर महिला से दुष्कर्म करने के मामले में थाना सेक्टर-58 पुलिस ने आरोपित को दिल्ली से गिरफ्तार किया है। आरोपित को शुक्रवार अदालत में पेश कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि एक महिला ने पुलिस को दी शिकायत में आरोप लगाया कि अभिषेक पिछले कई वर्षों से शिकायतकर्ता के अश्लील फोटो-वीडियो वायरल करने तथा जान से मारने की धमकी देकर उसकी इच्छा के विरुद्ध उसके साथ शारीरिक संबंध बनाता रहा। शिकायत के आधार पर थाना सेक्टर-58 में संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। पूछताछ में सामने आया कि आरोपित और महिला की मुलाकात एक राजस्थान के मेले के दौरान हुई थी, जहां दोनों ने आपस में फोन नंबर लिए और बातचीत शुरू हो गई। आरोपित ने महिला की फोटो/वीडियो बना ली और उसे शारीरिक संबंध बनाने के लिए दबाव डालने लगा।

## हर अधिकारी व कर्मचारी को कर्तव्यों, अधिकारों की जानकारी हो: अनिल शर्मा

**गुरुग्राम।** राजकीय कन्या महाविद्यालय सेक्टर-14 में शुक्रवार को ऑडिट संबंधित विषय पर दो दिवसीय ट्रेनिंग कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ डीएचईओ डॉ. अनुपमा यादव, प्राचार्या डॉ. इंदू राव, चीफ अकाउंट ऑफिसर उच्चतर शिक्षा विभाग हरियाणा अनिल शर्मा, अकाउंट ऑफिसर कुलदीप सिंह तथा डॉ. सुनीता ढाका ने दीप प्रज्वलन कर किया। प्रशिक्षण के पहले दिन मुख्य वक्ता चीफ अकाउंट ऑफिसर पंचकूला अनिल शर्मा ने कहा कि हर अधिकारी और कर्मचारी को अपने कर्तव्यों और अधिकारों की जानकारी होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि आजकल अधिकांश लोग आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से जानकारी ले रहे हैं, जो जरूरी नहीं कि सच हो। उन्होंने कई उदाहरण देकर इसे सिद्ध किया। उन्होंने बताया कि हरियाणा सर्विस रूल्स की जानकारी सभी प्राचार्यों, प्राध्यापकों, बर्सर और कार्यालय से जुड़े कर्मचारियों को होनी चाहिए। जानकारी होने पर कार्य सुचारु रूप से समय पर संपन्न होते हैं, जबकि जानकारी के अभाव में गलतियां और देरी होती है। उन्होंने सर्विस से जुड़े जनरल रूल्स, कार्य, अधिकार, कर्तव्य, वेतन, एसीपी, प्रमोशन, महिला संबंधी यौन उत्पीडन् और सजा के प्रावधानों के बारे में विस्तार से समझाया।

उन्होंने कहा कि संविधान के दायरे में रहने से सभी समस्याओं का समाधान हो जाता है। इस ट्रेनिंग में गुरुग्राम जिले के सभी महाविद्यालयों के प्राचार्य, बर्सर, इच्छुक प्राध्यापक और कार्यालय से जुड़े कर्मचारियों ने भाग लिया। प्राचार्या डॉ. इंदू राव ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम हम सबको बहुत कुछ सिखाते हैं और भविष्य में भी ऐसे सार्थक और प्रेरक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। ट्रेनिंग के दूसरे दिन 18 सितंबर को अनिल शर्मा और कुलदीप सिंह ने मेडिकल बिल तथा अवकाश संबंधी नियमों की विस्तृत व्याख्या की। उन्होंने हरियाणा सरकार द्वारा एंपैनल्ड अस्पतालों की सूची देखने का तरीका भी बताया। इस अवसर पर जिला उच्चतर शिक्षा अधिकारी नूंह गीतिका जाखड़ भी विशेष रूप से उपस्थित रहीं।

## गुरुग्राम: अडानी रियल्टी प्रबंधक की हत्या, पूर्व सहकर्मी व साथी गिरफ्तार

**गुरुग्राम।** अडानी रियल्टी कंपनी के मैनेजर युवराज सिंह मनचंदा की हत्या का दिल्ली पुलिस ने पर्दाफाश कर दिया है। पुलिस ने मामले में युवराज की पूर्व सहकर्मी आन्या वत्स और उसके लिव-इन पार्टनर संयम सचदेव को उत्तराखंड से गिरफ्तार किया है। दोनों पर युवराज की गर्दन में दो गोली मारकर हत्या करने और शव को गुरुग्राम के सेक्टर-70 स्थित नाले में फेंकने का आरोप है। दोनों आरोपियों को अदालत में पेश कर पांच दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है।

पुलिस के अनुसार, दिल्ली के सहिता विहार निवासी युवराज सिंह मनचंदा की इसी साल शादी होने वाली थी। बीती छह सितंबर 2026 को अपनी बहन के साथ लाजपत नगर सेंट्रल मार्केट में शादी की खरीदारी करने गया था। इसके बाद दोनों लाजपत नगर-2 के के-ब्लाक स्थित गोल्डन ड्रैगन रेस्टोरेंट पहुंचे। शाम करीब चार बजे युवराज ने बहन से कहा कि गुरुग्राम में उसकी एक मीटिंग है और वह रात करीब 10 बजे तक घर लौट आएगा और वहां से चला आया। देर रात तक युवराज घर नहीं पहुंचा और उसका मोबाइल भी बंद हो गया। परिजनों ने उसके गुम होने की शिकायत दी। पांच दिन तक कोई सुराग नहीं मिलने पर उसकी बहन सिमरन मचंदा ने 11 सितंबर की शाम लाजपत नगर थाने में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई। पुलिस की जांच में युवराज के मोबाइल के सीडीआर और आईपीडीआर रिकॉर्ड खंगाले गए। इसमें सामने आया कि उसने अपनी पूर्व सहकर्मी आन्या वत्स से बातचीत की थी। परिवार ने भी पुलिस को बताया कि युवराज ने गुरुग्राम में आन्या से मिलने जाने की बात कही थी। इसके बाद पुलिस ने आन्या की तलाश शुरू की, लेकिन उसका मोबाइल बंद मिला। पुलिस ने युवराज और आन्या के पूर्व कार्यालय से जुड़े लोगों से पूछताछ की तो पता चला कि आन्या ने नया सिम लिया है। नए नंबर की तकनीकी जांच में उसकी लोकेशन उत्तराखंड मिली। दिल्ली पुलिस की टीम ने वहां पहुंचकर आन्या और उसके साथी संयम को गिरफ्तार कर लिया।

# करंट लगने से 19 साल के युवक की मौत

**फरीदाबाद।** सेक्टर-56 राजीव कालोनी में पालतू कुत्ते को घुमाने के लिए निकले 19 वर्षीय युवक की करंट लगने से मौत हो गई। मृतक अमन सडक़ पर पड़े बिजली के तार की चपेट में आ गया और उसके साथ ही पालतू कुत्ता भी मर गया। घटना के बाद इलाके में हडक़ंप मच गया। परिजनों ने बिजली विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की है। जानकारी के अनुसार राजीव कॉलोनी निवासी 19 वर्षीय अमन चौटाला एक निजी कंपनी में काम करता था।

शुक्रवार सुबह वह रोजाना की तरह सैर करने के लिए घर से निकला था। उसका पालतू कुत्ता भी उसके साथ था। दोनों घर से कुछ दूरी पर पंडित चौक के पास पहुंचे थे। स्थानीय लोगों के मुताबिक पंडित चौक के पास बिजली का एक तार रात के समय ही टूटकर सडक़ पर गिर गया था। सुबह तक यह तार सडक़ पर पड़ा रहा। आरोप है कि बिजली विभाग के कर्मचारियों को इसकी जानकारी नहीं थी या जानकारी होने के बावजूद समय रहते तार को हटाने की कार्रवाई नहीं की गई। बताया जा रहा है कि सैर के दौरान सबसे पहले कुत्ता टूटे हुए बिजली के तार की चपेट में आ गया। कुत्ते को

तड़पता देखकर ओमन उसे बचाने के लिए आगे बढ़ा। इसी दौरान वह भी करंट की चपेट में आ गया। हादसे में दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही सेक्टर-58 थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने युवक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। हादसे के बाद परिवार में मातम छा गया। परिजनों का आरोप है कि यदि बिजली विभाग समय रहते टूटे तार को हटवा देता या आसपास बैरिकेडिंग कर देता तो हादसा टल सकता था। परिजनों ने जिम्मेदार कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

# नशा कारोबार की बड़ी मछलियों पर कसें शिकंजा

**अभय**

फुकेत-दिल्ली फ़्लाइट के पायलट द्वारा कैनबिस (गांजा) इस्तेमाल करने की शुरुआती जांच रिपोर्ट ने भारत में भांग (चरस) के इस्तेमाल और तस्करी पर फिर से ध्यान खींचा है। एक व्यावसायिक पायलट द्वारा ऐसा उपयोग दर्शाता है कि चरस की पहुंच सुरक्षा के लिहाज़ से महत्वपूर्ण पेशे तक भी हो चुकी है। हाल ही में हुई ज़ब्ती की घटनाओं ने इस चुनौती को और उजागर किया है। खबरों के मुताबिक, तमिलनाडु की तांबरम सिटी पुलिस ने 135 किलोग्राम से ज़्यादा गांजा ज़ब्त किया, जिसे ओडिशा से भेजा गया था। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, ओडिशा की सोनपुर और कंधमाल जिला पुलिस ने भी ट्रकों से लगभग 23,000 किलोग्राम गांजा ज़ब्त किया है। असम और त्रिपुरा से भी भारी मात्रा में ज़ब्ती की खबरें आई। मुंबई और दिल्ली हवाई अड्डों पर भी भारी मात्रा में ज़ब्ती की गयी। मुंबई के बोरीवली में हाइड्रोपोनिक तरीके से कैनबिस उगाने का पता चला। हम देखते हैं कि भारत के विभिन्न हिस्सों में विविध प्रकार के चरस उत्पादों की भारी ज़ब्ती हो रही है, और तस्कर इन्हें लाने-ले जाने और वितरण के अलग-अलग ढंग अपना रहे हैं। भारत हर साल टनों के हिसाब से गांजा ज़ब्त करता है और हज़ारों उपयोगकर्ताओं पर कार्रवाई की जाती है। तथापि, आंकड़े बताते हैं कि हम गलत लड़ाई लड़ रहे हैं-एक बड़ी चुनौती, जो वैश्विक व्यापारिक हितों से प्रेरित है, आने वाली है। अब इस पर ध्यान देने का सही समय है।

'विश्व मादक द्रव्य रिपोर्ट-2026' (जिसे सयुंक्त राष्ट्र के तत्वावधान में मादक द्रव्य एवं अपराध विभाग प्रकाशित करता है) कुछ हफ़्ते पहले ही प्रकाशित हुई। इस रिपोर्ट की मुख्य बातें हैं। सर्वप्रथम, आज भी दुनिया में सर्वाधिक इस्तेमाल होने वाला नशीला पदार्थ गांजा है। साल 2024 में 25.6 करोड़ लोग गांजे का उपयोग करते बताए गए हैं, जो किसी भी अन्य नशीले पदार्थ का इस्तेमाल करने वालों से ज़्यादा है; यह संख्या 15 से 64 साल की उम्र के लोगों की वैश्विक आबादी का 4.8 प्रतिशत बनती है। पिछले दशक में गांजे का सेवन करने वालों की संख्या 40 प्रतिशत से ज़्यादा बढ़ी। दूसरा, 'गांजे की खेती दुनिया के लगभग हर देश में होती है'। ज़्यादातर तस्करी क्षेत्रीय स्तर पर होती है। लेकिन अंतर-क्षेत्रीय तस्करी बढ़ रही है। उत्तरी अमेरिका ऐसी तस्करी का बढ़ता हुआ स्रोत है। तीसरा, ज़्यादा असरकारी गांजा उत्पादों की बड़ी रेंज बाज़ार में आ रही है। चौथा, दिसंबर 2025 तक, उरुग्वे, कनाडा और अमेरिका के 28 इलाकों में गैर-मेडिकल कामों के लिए भांग की खेती, उत्पादन, बिक्री और उसे अपने पास रखने की इजाज़त दे दी गई है। चेक गणराज्य, जर्मनी, लक्ज़मबर्ग और माल्टा ने भी कुछ ऐसा ही किया। 'हालांकि, हालिया वर्षों में, नशीले पदार्थों के गैर-मेडिकल इस्तेमाल को नुकसानदेह माना जाने लगा है, जो उत्तरी अमेरिका में लोगों की बदलती सोच में झलकता है'। अंतत: भांग तस्करी और इस्तेमाल वैश्विक चुनौती बना हुआ है।

भारत के नशा नियंत्रण ब्यूरो के आंकड़ों के मुताबिक : पहली बात, 2025 में 1.38 लाख एकड़ में भांग के पौधों को नष्ट किया गया, जो पिछले पांच सालों में सर्वाधिक है। दूसरी बात, गांजे से जुड़े 71,612 मामले दर्ज किए गए, जो पिछले 5 सालों में सबसे ज़्यादा हैं। 628 हजार किलोग्राम गांजा ज़ब्त किया गया, जो 2024 से तो ज़्यादा था लेकिन 2021 और 2022 से कम था। तीसरी बात, 2021-25 के दौरान हशीश के मामलों की क्षेत्रवार संख्या 2,416 से 3,255 के बीच रही। हालांकि, पिछले पांच सालों में हशीश की ज़ब्ती में काफी उतार-चढ़ाव हुआ, इस उतार-चढ़ाव पर नशा नियंत्रण ब्यूरो टिप्पणी यकीन से नहीं कर रहा-'शिनाख्त कम हुई या तस्करी के ढंग में संभावित बदलाव आया'। चौथी बात,हाइड्रोपोनिक गांजे (ज़्यादा असरदार, पोषक तत्वों से भरपूर) की तस्करी से बढ़ी है, खासकर महानगरों में। मामलों और ज़ब्त की गई मात्रा, दोनों बढ़ी हैं; 2025 में 862 किलोग्राम ज़ब्त किया गया और 687 केस दर्ज किए गए, जो बीते चार साल (2021- 24) की कुल ज़ब्ती और मामलों से भी ज़्यादा है। यानी भांग की ज़ब्ती और नष्ट करने की कार्रवाई पहले के मुकाबले अधिक बनी हुई है। मई 2026 में राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो द्वारा प्रकाशित 'क्राइम इन इंडिया-2024' में नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस एक्ट के तहत सभी मामलों का डेटा मौजूद है। जिसके मुताबिक कुल मिलाकर करीब दो-तिहाई केस नशा बरामदगी या उपयोग करने के हैं और एक-तिहाई मामले तस्करी के हैं। नशा संबंधी घरेलू मामलों में आधे से ज़्यादा मामले गांजे के हैं; संस्थागत कार्रवाई की मुख्य नीति कम मात्रा में उपयोग करने वालों पर फोकस करने से प्रेरित लगती है। 'विधि सेंटर फॉर लीगल पॉलिसी' का अध्ययन, 'क्रिमिनलाइज़ेशन लीड्स टू एक्सप्लॉइटेशन' बताता है कि नशे के मामलों में गिरफ्तारी के आंकड़े बढ़ा-चढ़ाकर पेश करने के लिए पुलिस गांजे का प्रयोग करने वाले लोगों को निशाना बनाती है। इसे बदलना होगा। सामाजिक न्याय और आधिकारिता मंत्रालय द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट 'मैग्निट्यूड ऑफ़ सब्सटेंस यूज़ इंडिया' में गांजे और अन्य नशों के उपयोग के बारे में डेटा है। जो ज़्यादातर 2018 का है। आबादी का लगभग 2.8 फीसदी हिस्सा, यानी लगभग 3.1 करोड़ लोगों पिछले 12 महीनों में गांजे का इस्तेमाल करने वाले बताए गए; यह किसी भी किस्म के नशीला पदार्थ सेवनकर्ताओं की सबसे बड़ी संख्या है। गांजा इस्तेमाल वाले वर्तमान 3.1 करोड़ लोगों में से 75 लाख लोग समस्याओं की वजह से उपयोग करते हैं जबकि 25 लाख इसके आदी हैं। सर्वाधिक गांजा उपभोक्ताओं वाले राज्य हैं—सिक्किम, नागालैंड, ओडिशा, अरुणाचल और एनसीटी दिल्ली। गांजे से जुड़ी समस्याओं में सहायता की दरकार वालों लोगों में सर्वाधिक यूपी (28 लाख) में हैं, इसके बाद पंजाब (5.7 लाख), ओडिशा (4.9 लाख) और महाराष्ट्र (4.6 लाख) का नंबर आता है। बड़े पैमाने पर गांजे का इस्तेमाल सार्वजनिक स्वास्थ्य अधिकारियों के लिए चुनौती है। कुल मिलाकर, नशा नियंत्रण कानून प्रवर्तन एजेंसियों को किसी के पास से नशीला पदार्थ बरामदगी या उपयोग करने के मामलों पर ध्यान केंद्रित करने की बजाय तस्करी पर शिकंजा कसना चाहिए। कानून प्रवर्तन एजेंसियां नशा बरामदगी के बजाय आपूर्ति तंत्र ध्वस्त करने पर ध्यान दें। साथ ही, हमें उन राज्यों में इलाज एवं नशा-उन्मूलन सुविधाओं को बेहतर बनाने की ज़रूरत है जहां ये सुविधाएं कम हैं। आजकल उपलब्ध मादक उत्पादों की संख्या तेज़ी से बढ़ी है। भारतीय बाज़ार में भी इन उत्पादों की तस्करी ज्यादा करने की कोशिशें होने की उम्मीद है। इनमें वेप उत्पाद (धुआं रहित सुट्टे वाला नशा), चरस युक्त वाले पेय (जैसे कि सोडा, स्पार्कलिंग वॉटर, चाय, कॉफ़ी, ड्रिंक पाउडर और अल्कोहल रहित कॉकटेल जैसे ड्रिंक्स) और खाने-पीने के रूप में (गमी, चॉकलेट, कुकीज़, मिंट, कैंडी और बेक किए गए उत्पाद) शामिल हो सकते हैं। हम ज़्यादा टीएचसी वाले असरदार और ज़्यादा नशीले प्रभाव वाले उत्पादों की भी उम्मीद कर सकते हैं (टीएचसी भांग में सुरूर पैदा करने वाला मुख्य तत्व है), जिसका दुनिया भर में चलन बन गया है। नशा उपयोग को वैध बनाने के समर्थक उत्तरी अमेरिका में टैक्स से होने वाली कमाई और ब्लैक मार्केट में हिंसा में कमी का हवाला देते हैं, लेकिन वहां तेजी से और बड़े पैमाने पर कॉर्पोरेट कंपनियों की आमद देखकर लगता है कि असली वजह लोगों की सेहत नहीं, बल्कि व्यापारिक फ़ायदा है। नशा उपयोग को वैध बनाए जाने के बाद से उत्तरी अमेरिका के गांजा बाज़ार में बड़े स्तर पर कॉर्पोरेट कंपनियां उतरी हैं और उनके मुंह मुनाफे का खून लग गया है। 'फॉर्च्यून बिज़नेस इनसाइट्स' नामक एक रिपोर्ट के अनुसार : 2025 में उत्तरी अमेरिका के गांजा बाज़ार की कीमत 86.10 बिलियन डॉलर हो सकती है। इसलिए, उत्तरी अमेरिका और यूरोप के कुछ हिस्सों की तर्ज पर कॉर्पोरेट कंपनियां भारत में भी गांजा उपयोग को वैध बनाने, खासकर इसकी व्यावसायिक खेती और उत्पादन करने के वास्ते कार्यरत रहेंगी।

इस सम्मेलन की व्यापकता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस के साथ विश्व स्वास्थ्य संगठन, विश्व बैंक, एशियन इन्फ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट बैंक और न्यू डेवलपमेंट बैंक के प्रतिनिधि भी इसमें शामिल हुए। इस प्रकार दुनिया की लगभग आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करने वाले देशों के नेता और वैश्विक अर्थव्यवस्था से जुड़े प्रमुख संस्थानों के प्रतिनिधि एक ही मंच पर दिखाई दिए। इसलिए भारत में आयोजित ब्रिक्स सम्मेलन केवल एक औपचारिक बैठक नहीं, बल्कि बदलती विश्व व्यवस्था का महत्वपूर्ण संकेतक बन गया। सम्मेलन से सबसे बड़ा संदेश यह निकला कि दुनिया में किसी एक देश या किसी एक शक्तिशाली नेता की मनमानी हमेशा नहीं चल सकती। अंतरराष्ट्रीय संबंधों की बुनियाद परस्पर सम्मान, बराबरी और सहयोग पर होनी चाहिए। किसी भी देश पर राजनीतिक, आर्थिक या सैन्य दबाव डालकर वैश्विक सहमति कायम नहीं की जा सकती। भारत के लिए यह सम्मेलन इसलिए भी महत्वपूर्ण था क्योंकि पिछले कुछ वर्षों में उसकी विदेश नीति को लेकर कई सवाल उठे हैं। भारत की पारंपरिक नीति गुटनिरपेक्षता और रणनीतिक स्वायत्तता पर आधारित रही है। लेकिन हाल के वर्षों में भारत कई मौकों पर अमेरिका के करीब दिखाई दिया। इससे रूस और अन्य पारंपरिक मित्र देशों के साथ भारत के संबंधों को लेकर आशंकाएं पैदा हुईं। ऐसे समय में ब्रिक्स सम्मेलन ने भारत को अपनी स्वतंत्र विदेश नीति और संतुलित कूटनीति का प्रदर्शन करने का अवसर दिया। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और ईरान के राष्ट्रपति डॉ. मसूद पेजेश्कियान की भारत यात्रा सम्मेलन का प्रमुख आकर्षण रही। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अमेरिका और इजरायल के नेताओं के साथ निकटता दिखाते रहे हैं। ऐसे में यह सवाल स्वाभाविक था कि क्या भारत रूस और ईरान के साथ अपनी पुरानी मित्रता को उसी गर्मजोशी से कायम रख पाएगा। चीन के साथ गलवान संघर्ष और सीमा विवाद के बाद दोनों देशों के संबंधों में तनाव रहा है। इसलिए मोदी और शी जिनपिंग की मुलाकात पर पूरी दुनिया की नजर थी। हालांकि दोनों नेताओं की बातचीत से कोई

## विचार

# बदलती दुनिया में ब्रिक्स की चुनौती

**सचिन कुमार गौतम**

बहुत बड़ा ठोस परिणाम सामने नहीं आया, लेकिन संबंधों को सामान्य बनाने की दिशा में इसे एक और कदम जरूर माना जा सकता है। सीमा विवाद, व्यापार असंतुलन और सुरक्षा संबंधी चिंताओं के बावजूद भारत को चीन के साथ संवाद बनाए रखना होगा। साथ ही उसे अपनी सुरक्षा और राष्ट्रीय हितों के मामले में किसी भी तरह की लापरवाही से बचना होगा। 18वें ब्रिक्स सम्मेलन में जारी नई दिल्ली घोषणापत्र 45 पन्नों और 140 बिंदुओं का था। इसमें आतंकवाद के हर रूप की कड़ी आलोचना की गई। आतंकवाद को मिलने वाली आर्थिक मदद, सीमा पार आतंकवाद और आतंकवादियों को सुरक्षित ठिकाना देने के खिलाफ मिलकर कार्रवाई करने की प्रतिबद्धता दोहराई गई।

घोषणापत्र में 22 अप्रैल 2025 को जम्मू-कश्मीर में हुए आतंकवादी हमले की भी निंदा की गई, जिसमें 26 लोगों की मौत हुई थी। भारत इस हमले के लिए पाकिस्तान समर्थित आतंकवादी संगठनों को जिम्मेदार मानता है। लेकिन घोषणापत्र में पाकिस्तान का सीधे तौर पर उल्लेख नहीं किया गया। यही बात भारत के लिए निराशाजनक रही। यह स्पष्ट नहीं है कि पाकिस्तान का नाम शामिल न करने के पीछे अमेरिका का दबाव था या चीन की मौजूदगी को देखते हुए किसी सहमति पर पहुंचने में कठिनाई हुई। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान चीन के पाकिस्तान के साथ खड़े होने और पाकिस्तान के सैन्य नेतृत्व के साथ अमेरिका के बढ़ते संबंधों ने इस पूरे विषय को और संवेदनशील बना दिया है। आतंकवाद के खिलाफ कड़ा संदेश तभी प्रभावी होगा, जब उसके जिम्मेदार देशों और संगठनों का नाम लेने से भी परहेज न किया जाए। घोषणापत्र में कई देशों को प्रभावित करने वाले 'अन्यायपूर्ण और एकतरफा संरक्षणवादी कदमों' पर चिंता जताई गई। इसे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से लगाए गए टैरिफ की अप्रत्यक्ष आलोचना माना जा रहा है। इन टैरिफ ने अंतरराष्ट्रीय व्यापार, आपूर्ति श्रृंखलाओं और निवेश को प्रभावित किया है। दुनिया के कई देशों को अपने निर्यात, उद्योग और रोजगार पर इसके असर की चिंता है। हालांकि अमेरिका या ट्रंप का नाम लिए बिना की गई आलोचना राजनीतिक रूप से सुरक्षित जरूर है, लेकिन इससे समस्या का समाधान कितना होगा, यह सवाल बना हुआ है। यदि ब्रिक्स वास्तव में वैश्विक आर्थिक व्यवस्था में बदलाव चाहता है तो उसे केवल बयान जारी करने के बजाय वैकल्पिक व्यापार व्यवस्था, स्थानीय मुद्राओं में लेनदेन और पारस्परिक आर्थिक सहयोग को मजबूत करना होगा। सम्मेलन में पश्चिम एशिया के संकट पर भी गंभीर चर्चा हुई। पहले फिलीस्तीन और गाजा में जारी मानवीय त्रासदी तथा फिर अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव ने पूरे क्षेत्र को अस्थिर कर दिया है। ब्रिक्स देशों ने अधिकतम संयम और कूटनीतिक प्रयासों के जरिए संकट का समाधान करने की अपील की। घोषणापत्र में गाजा और कब्जे वाले फिलीस्तीनी क्षेत्रों की मानवीय स्थिति पर चिंता व्यक्त की गई। गाजा में युद्धविराम बनाए रखने, बिना किसी बाधा के मानवीय सहायता पहुंचाने और फिलीस्तीनियों के जबरन विस्थापन का विरोध किया गया। यह रुख महत्वपूर्ण है, लेकिन यदि घोषणापत्र में इजरायल के हमलों और उसकी नीतियों की स्पष्ट आलोचना की जाती तो इसका प्रभाव अधिक मजबूत होता। फिलहाल यह पहल औपचारिकता से आगे बढ़ती हुई दिखाई नहीं देती। कुल मिलाकर, ब्रिक्स सम्मेलन ने यह संदेश देने का प्रयास किया कि वैश्विक राजनीतिक और आर्थिक व्यवस्था में बदलाव जरूरी है। अमेरिका या कोई भी महाशक्ति दुनिया के उन देशों को नजरअंदाज नहीं कर सकती, जिन्हें आज ग्लोबल साउथ का हिस्सा माना जाता है। लेकिन केवल घोषणापत्र और कूटनीतिक भाषा से बदलाव नहीं आएगा। इसके लिए सदस्य देशों को आपसी मतभेदों से ऊपर उठकर ठोस आर्थिक, राजनीतिक और सुरक्षा सहयोग विकसित करना होगा। ब्रिक्स की असली परीक्षा अब इसी बात की है कि वह अपने संदेश को व्यवहार में कितना प्रभावी बना पाता है।

# पहली बार भारत को मिली 'ए' रेटिंग

**डॉ. अश्विनी महाजन**

जापानी रेटिंग एजेंसी 'जेसीआर' ने पिछले सप्ताह भारत की संप्रभु साख रेटिंग को बीबीबी (प्लस) से बेहतर करते हुए ए (माइनस) कर दिया है, जिसका मतलब यह है कि एजेंसी के अनुसार भारतीय अर्थव्यवस्था का स्थायी आउटलुक है। किसी भी ग्लोबल रेटिंग एजेंसी ने 35 वर्षों में पहली बार भारत को इस श्रेणी में रखा है। हालांकि शेष अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों द्वारा भारत की रेटिंग का पूर्ण आकलन करना अभी बाकी है, जेसीआर द्वारा भारत की रेटिंग के अभ्युत्थान का खासा महत्व है। रेटिंग में सुधार, दुनिया में भारत के लिए निवेश के माहौल को सकारात्मक बनाता है और कंपनियों द्वारा ऋण लेने को सस्ता और सुगम बनाता है। रेटिंग एजेंसियों का पक्षपात : हालांकि भारत सरकार और उससे जुड़े संस्थान, जेसीआर द्वारा बेहतर रेटिंग का श्रेय भारतीय अर्थव्यवस्था में मजबूती को दे रहे हैं, लेकिन यह भी सही है कि अभी तक भारत के प्रति रेटिंग एजेंसियों का रवैया कुछ पक्षपातपूर्ण रहा है। गौरतलब है कि भारत लंबे समय से दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेजी से बढने वाली अर्थव्यवस्था बना हुआ है। भारत ने आज तक कभी भी अपने ऋणों पर ब्याज या मूल चुकाने में कोताही नहीं की है, भारत के विदेशी मुद्रा भंडार निरंतर उच्च स्तर पर बने हुए हैं, भारत प्रौद्योगिकी क्षेत्र में निरंतर प्रगति करते हुए, प्रतिरक्षा, टेलीकॉम, अंतरिक्ष, डिजिटल भुगतानों सहित डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्रों में नए से नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। कुछ समय पूर्व भारत जापान को पछाड़ते हुए, दुनिया की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था भी बन गया। भारत का बैंकिंग क्षेत्र भी पूर्व की समस्याओं से निजात पाते हुए आगे बढ़ रहा है, जहां क्रेडिट ग्रोथ 20 प्रतिशत से भी अधिक बनी हुई है। भारतीय बैंकों के एनपीए मार्च 2026 तक मात्र 1.73 प्रतिशत पर पहुंच चुके हैं। लेकिन भारत की तमाम उपलब्धियों के बावजूद ग्लोबल एजेंसियों मूडीज, स्टैण्डर्ड एंड पुअर्स, फिच आदि, द्वारा भारत क्रेडिट रेटिंग में मात्र मामूली ही सुधार किया और अभी भी मूडीज द्वारा भारत की रेटिंग बीएए 3 (स्टेबल), स्टैंडर्ड एण्ड पुअर द्वारा बीबीबी (स्टेबल) और फिच द्वारा बीबीबी -(स्टेबल) ही बनी हुई है। पश्चिमी देशों के सुझावों और दबावों से चल रहे तथाकथित आर्थिक सुधारों पर चलने के बावजूद भारत की रेटिंग में लंबे समय तक कोई विशेष सुधार देखने को नहीं मिला। एक ओर जहां 2020 में मूडीज द्वारा कोरोना के कारण भारतीय बैंकों का आउटलुक को स्थायी से गिराकर नकारात्मक कर दिया गया था, जिसके कारण शेयर बाजारों में उथल-पुथल मच गई थी, लेकिन आश्चर्य का विषय यह है कि अमरीकी बैंकों में वित्तीय संकटों के बावजूद इन एजेंसियों ने तमाम जानकारी के बावजूद दुनिया को पता तक नहीं लगने दिया कि उनके निवेश भयंकर संकट में हैं।

दिलचस्प बात यह है कि जहां इन रेटिंग एजेंसियों ने कोरोना महामारी के दौरान दुनिया भर की वित्तीय संस्थानों की रेटिंग को गिरा दिया था, लेकिन अपनी ग्राहक कंपनियों की रेटिंग को उच्च बरकरार रखा था। फाइनेंशियल टाइम्स लिखता है कि 2015 में स्टैंडर्ड एंड पुअर ने स्वयं स्वीकार किया था कि वे बिजनेस पाने के लिए अपने ग्राहक कंपनियों की रेटिंग को ऊंचा रखते हैं, ऐसे में इन कंपनियों की रेटिंग के वास्तव में कोई मायने नहीं हैं। पिछले कई सालों से भारतीय अर्थव्यवस्था के शानदार प्रदर्शन, जिसमें पिछले 5 वर्षों में 52 लाख करोड़ रुपए इंफ्रास्ट्रक्चर पर खर्च हो चुके हैं, भारतीय बैंक संकटों से उबर कर निरंतर प्रगति कर रहे हैं, भारत की जीडीपी पिछले 5 वर्षों में वैश्विक युद्धों, सप्लाई चैन व्यवधानों, अन्य देशों द्वारा करेंसी, वैल्यू चेन, भुगतान प्रणाली आदि के हथियारीकरण के बावजूद औसतन 8 प्रतिशत से ज्यादा तेजी से बढ़ रही है, जहां गरीबी (गरीबी और बहुआयामी गरीबी दोनों) दुनिया में सबसे तेजी से कम हो रही है, अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के कान पर जूं भी नहीं रेंग रही है। शायद यही कारण है कि इस वर्ष स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपने उद्बोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आह्वान किया कि दुनिया की शीर्ष रेटिंग एजेंसियों में भारत की भी अपनी रेटिंग एजेंसी होनी चाहिए। भारतवंशियों ने दरकिनार की रेटिंग : एक और जहां ग्लोबल रेटिंग एजेंसियां भारत की प्रगति को अनदेखा करते हुए अर्थव्यवस्था की रेटिंग को जानबूझकर कमतर आंकती रही हैं, विदेशों में रहने वाले भारतीय मूल के लोगों ने इस रेटिंग को खारिज कर दिया है। जहां ग्लोबल एजेंसियां भारतीय अर्थव्यवस्था को बीबीबी की रेटिंग दे रही हैं, जो लगभग 'जंक' के बराबर है, भारतवंशियों ने 8 जून से 31 अगस्त 2026 के बीच मात्र तीन माह से भी कम समय में 127 अरब डॉलर से भी अधिक विदेशी मुद्रा, विदेशी मुद्रा अनिवासी बैंक जमाओं में भेज दी। जानकारों का मानना है कि ऐसा इसलिए हुआ कि भारतवंशियों ने भारत के केंद्रीय बैंक और व्यावसायिक बैंकों में विश्वास जताया है कि उनकी जमाएं सुरक्षित हैं और उनको ब्याज तथा मूल की अदायगी का कोई खतरा नहीं है।

## एक नजर

### छपरा के सुनारपट्टी में दुकान की तीसरी मंजिल पर लगी आग

**सारण,एजेंसी।** शहर के व्यस्ततम सुनारपट्टी क्षेत्र स्थित राजेश प्रसाद की दुकान की तीसरी मंजिल पर अचानक भीषण आग लग गई। घटना के समय दुकान मालिक नीचे ही मौजूद थे। बताया जा रहा है कि आग ऊपरी मंजिल पर स्थित किचन से शुरू हुई, जिसका प्राथमिक कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है। सूचना मिलते ही अनुमंडल अग्निशमन पदाधिकारी सूरज कुमार के नेतृत्व में फायर ब्रिगेड की दो बड़ी और एक छोटी गाड़ियां तुरंत मौके पर पहुंचीं। अनुमंडल अग्निशमन पदाधिकारी सूरज कुमार ने बताया कि संकरी गली होने के कारण दमकलकर्मियों ने स्थानीय निवासियों के सहयोग से बगल के मकान की छत पर चढ़कर मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पाया। समय रहते तत्परता दिखाने से एक बड़ा हादसा टल गया और कोई हताहत नहीं हुआ। पीड़ित व्यवसायी के अनुसार इस अगलगी में लगभग 2 से 2.5 लाख रुपये की संपत्ति का नुकसान हुआ है। घटना की जानकारी मिलते ही नगर निगम के मेयर लक्ष्मी नारायण गुप्ता, उपमहापौर प्रतिनिधि धर्मनाथ पिंटू और सीए अमित कुमार ने घटनास्थल पर पहुंचकर पीड़ित दुकान मालिक से मुलाकात की और उन्हें ढांढस बंधाया।

### 45.5 किलो गांजा के साथ दो महिला सहित तीन तस्कर गिरफ्तार

**डेहरी-आन-सोन।** रोहतास जिले के डेहरी नगर थाना क्षेत्र के पाली ओवर ब्रीज के पास टेम्पू सवार दो महिला तस्कर समेत तीन को को 45.5 किलो गांजा के साथ गिरफ्तार किया गया है। एसपी राज यह जानकारी शुक्रवार शाम यहां दी। उन्होने बताया कि पुलिस के गुरुवार देर शाम सूचना मिली थी कि डेहरी रेलवे स्टेशन पर दो महिला और एक पुरुष ओडिशा से ट्रेन से गांजा लेकर उतरे हैं और टेम्पो से पाली रोड होते हुए कहीं जाने वाले हैं। सूचना पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी डेहरी-01 संजीव कुमार के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया द्यजिसमें थानाध्यक्ष डेहरी नगर राहुल और डीआईयू टीम को शामिल किया गया। उन्होंने बताया कि गठित टीम ने सत्यापन के लिए डेहरी नगर थाना क्षेत्र के पाली ओवरब्रिज के नीचे रेलवे स्टेशन रोड के पास वाहन चेकिंग लगाई। इसी दौरान एक टेम्पो पर सवार दो महिला और एक पुरुष को ट्रॉली बैग एवं बड़े बैग में ले जा रहे 45.5 किलोग्राम गांजा के साथ पकड़ा गया। एसपी ने बताया कि पकड़े गए व्यक्तियों से पूछताछ में खुलासा हुआ कि वे गांजा का खेप ओडिशा के संबलपुर से ला रहे थे और डेहरी क्षेत्र में किसी को देने वाले थे। पुलिस उनके बैकवर्ड और फॉरवर्ड लिंकेज की जांच कर रही है। गिरफ्तार अभियुक्तों में रीना देवी नावाडीह थाना अकोढ़ीगोला,पिंकी भुएं ग्राम अधारपीसरा थाना बुरला जिला संबलपुर (ओडिशा) व अनस साव ग्राम मिरापुर थाना सोआर जिला रामपुर (ओडिशा) शामिल है द्यइनके पास से गांजा के अलावा दो मोबाइल व नकद 68,000 रुपये बरामद किया गया द्य उन्होने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्तों के अपराधिक इतिहास की जांच की जा रही है। टीम में शामिल सभी सदस्यों को पुरस्कृत किया जा रहा है।

### दो पुलिस पदाधिकारियों को गवाही के लिए अदालत ने दिया अंतिम अवसर

**किशनगंज।** अनन्य विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो) की अदालत ने करीब दस वर्ष पुराने मामले में अभियोजन साक्ष्य के लिए उपस्थित नहीं होने पर दो पुलिस पदाधिकारियों के प्रति सख्त रुख अपनाया है। अदालत ने कुर्लीकोट के तत्कालीन थानाध्यक्ष रहमान अंसारी और ठाकुरगंज अंचल के तत्कालीन पुलिस अधिकारी ललन पाण्डेय को गवाही के लिए उपस्थित होने का अंतिम अवसर दिया है। शुक्रवार को विशेष लोक अभियोजक पॉक्सो मनीष कुमार साहा ने बताया कि 16 सितंबर को विशेष पॉक्सो वाद संख्या 6/2018 एवं ठाकुरगंज थाना कांड संख्या 234/2014 की सुनवाई के दौरान अभियोजन साक्ष्य के लिए दोनों पुलिस पदाधिकारी न्यायालय में उपस्थित नहीं हुए। अदालत ने इसे गंभीरता से लेते हुए दोनों को चेतावनी के साथ गवाही के लिए अंतिम अवसर प्रदान किया। अदालत के निर्देश के अनुसार, दोनों गवाहों को अभियोजन साक्ष्य के लिए पूर्व में भी नोटिस जारी किया जा चुका था। इसके बावजूद उनके न्यायालय में उपस्थित नहीं होने पर अदालत ने कड़ा रुख अपनाया। इससे पहले 22 अगस्त 2026 को न्यायालय द्वारा दोनों संबंधित पुलिस अधिकारियों के विरुद्ध जमानतीय वारंट भी जारी किया जा चुका है। मामला वर्ष 2014 में दर्ज ठाकुरगंज थाना कांड से संबंधित है और वर्तमान में पॉक्सो अदालत में इसकी सुनवाई चल रही है। अदालत ने अभियोजन साक्ष्य की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए दोनों गवाहों को यह अंतिम अवसर दिया है।

# मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सेवा संकल्प एवं कायाकल्प अभियान का किया शुभारंभ

**पटना,एजेंसी।** मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने आज लोक सेवक आवास स्थित 'संकल्प' सभागार में सेवा संकल्प एवं कायाकल्प अभियान का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने 'कायाकल्प' पोर्टल का भी लोकार्पण किया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि आज सेवा संकल्प एवं कायाकल्प अभियान की शुरूआत की गयी है। साथ ही कायाकल्प पोर्टल का भी लोकार्पण किया गया है। इस अभियान का मूल उद्देश्य है- सार्वजनिक सुविधाओं एवं परिसंपतियों को बेहतर एवं स्वच्छ बनाना तथा नई आधारभूत संरचनाओं का निर्माण करना। उन्होंने कहा कि अभियान के दो प्रमुख अवयव हैं। पहला, पूर्व से अवस्थित परिसंपतियों का उन्नयन, सुदृढ़ीकरण एवं मरम्मती, जिसे हर हाल में 30 नवम्बर तक पूर्ण किया जाना है।

हमारा सभी जनप्रतिनिधियों एवं पदाधिकारियों से आग्रह है कि इसे दीपावली के पहले ही पूर्ण कर लें। दूसरा, नई आधारभूत संरचना एवं परिसंपतियों का निर्माण जिसे 31 मार्च 2027 तक पूर्ण किया जायेगा। इस अभियान को सफल बनाने के लिये सभी जनप्रतिनिधियों का सहयोग लें। पंचायती राज संस्थाओं एवं नगर निकायों के प्रतिनिधियों का सहयोग लें। छोटी-छोटी चीजों पर गौर करें और उसका सफल क्रियान्वयन करें। उन्होंने कहा कि पंचायत विकास दिवस के अवसर पर होनेवाले कार्यक्रम में इस अभियान के अवयवों को शामिल कर बेहतर ढंग से कार्यों को संपादित करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्राथमिकता के आधार पर सेवा संकल्प एवं कायाकल्प अभियान के तहत ग्रामीण विकास विभाग, स्वास्थ्य विभाग, समाज कल्याण विभाग, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग, पंचायती राज विभाग, नगर विकास एवं आवास विभाग, शिक्षा विभाग, पिछड़ा वर्ग एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण विभाग से संबंधित योजनाओं की जानकारी 'कायाकल्प' पोर्टल पर उपलब्ध रहेगी। योजनाओं की प्रगति, अब तक हुए कार्य, पूर्ण हो चुकी योजनाओं सहित अन्य आवश्यक जानकारियां पोर्टल पर दर्ज रहेंगी। कायाकल्प पोर्टल के साथ-साथ कायाकल्प मोबाइल ऐप के माध्यम से भी योजनाओं के संबंध में जानकारी मिल सकेगी। कायाकल्प पोर्टल के द्वारा योजनाओं की प्रगति की निगरानी करना आसान होगा तथा लंबित कार्यों में तेजी लाने में मदद मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि छोटी-छोटी योजनाओं के माध्यम से आम लोगों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना अभियान का मकसद है। सेवा संकल्प एवं कायाकल्प अभियान के तहत छोटी-छोटी योजनाओं के माध्यम से समाज को जोड़ना तथा आम लोगों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना है। जहां आम लोगों को दिक्कत हो रही है अथवा इंफ्रास्ट्रक्चर को ठीक करने की आवश्यकता है, वहीं आवश्यकतानुसार कार्य कराना इस अभियान का उद्देश्य है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 30 नवंबर तक किसी भी हाल में पंचायत स्तर पर सभी छोटे-छोटे विकास कार्यों को पूर्ण किया जाए। विद्यालयों की रंगाई-पुताई, जहां आवश्यक हो वहां सामुदायिक भवनों का निर्माण, आंगनबाड़ी केंद्रों का निर्माण सहित अन्य आवश्यक कार्य निर्धारित समय-सीमा के अंदर पूरे किए जाएं। उन्होंने कहा कि अंबेडकर छात्रावास, कर्पूरी ठाकुर छात्रावास सहित अन्य छात्रावासों में आवश्यक सुविधाओं को पूर्ण करें। साथ ही स्वास्थ्य केंद्रों, सामुदायिक भवनों एवं अन्य सार्वजनिक संस्थानों में बचे हुए छोटे-छोटे कार्यों को भी 30 नवंबर तक हर हाल में पूरा करें।

## पत्नी सहित पुत्र को भी जलाकर मारने के आरोप में कोर्ट ने सुनाई आजीवन कारावास

**मधेपुरा।** दहेज के लिए पत्नी और एक साल के पुत्र को जिंदा जलाकर हत्या करने के करीब डेढ़ दशक पुराने मामले में मधेपुरा व्यवहार न्यायालय ने शुक्रवार को महत्वपूर्ण फैसला सुनाया। एडीजे-3 रघुवीर प्रसाद की अदालत ने मामले में दोषी पति रूपेश मेहता को भारतीय दंड संहिता की धारा 304बी के तहत आजीवन कारावास और 40 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। वहीं धारा 304ए के तहत भी 10 वर्ष के कारावास की सजा सुनाई गई है। अर्थदंड की राशि जमा नहीं करने पर छह माह के साधारण कारावास का भी प्रावधान किया गया है। मामले में अन्य आरोपियों महानंद मेहता, मनोज मेहता और प्रदीप मेहता को भी अदालत ने दोषी करार देते हुए तीन-तीन वर्ष के कारावास और 10-10 हजार रुपये आर्थिक दंड की सजा सुनाई। मामला वर्ष 2010 में मधेपुरा जिले के श्रीनगर थाना में दर्ज किया गया था। मृतका कारी देवी के पिता सत्यनारायण मेहता ने पुलिस को दिए आवेदन में बताया था कि उनकी बेटी की शादी वर्ष 2005 में रूपेश मेहता के साथ हुई थी। शादी के शुरुआती दिनों में दांपत्य जीवन सामान्य रहा, लेकिन बाद में दहेज में विभिन्न सामान की मांग को लेकर कारी देवी को कथित रूप से प्रताड़ित किया जाने लगा। आवेदन के अनुसार, दहेज की मांग पूरी नहीं होने पर मामला गंभीर होता गया और अंततः कारी देवी पर किरासन तेल डालकर आग के हवाले कर दिया गया मौत के बाद शव को जलाया गया और उसी चिता पर एक वर्षीय पुत्र को भी जला दिया।

इस मामले में पूर्व में ही तीन आरोपितों को सजा सुनाई जा चुकी है। शुक्रवार को पति रूपेश मेहता सहित अन्य आरोपितों के संबंध में अदालत ने सजा सुनाई। लंबे समय से चल रहे इस मामले में फैसला आने के बाद मृतका के परिजन को न्याय मिलने की उम्मीद को मजबूती मिली है। मामले की जानकारी देते हुए अपर लोक अभियोजक रमेश मेहता ने बताया कि अदालत ने उपलब्ध साक्ष्यों और मामले की सुनवाई के बाद दोषियों को सजा सुनाई है। उन्होंने बताया कि दहेज हत्या जैसे गंभीर मामले में न्यायालय द्वारा कठोर सजा दिया जाना महत्वपूर्ण है। फैसला सुनाए जाने के बाद मधेपुरा व्यवहार न्यायालय परिसर में भी इस मामले की चर्चा होती रही। लंबे समय बाद आए इस फैसले को दहेज प्रथा के खिलाफ एक महत्वपूर्ण न्यायिक कार्रवाई के रूप में देखा जा रहा है।

## भू-अर्जन में लापरवाही बर्दाश्त नहीं, विकास की रफ्तार रोकने वालों की तय होगी जवाबदेही : डॉ. दिलीप जायसवाल

**पटना,एजेंसी।** राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप कुमार जायसवाल ने शुक्रवार को राजस्व (सर्वे) प्रशिक्षण संस्थान, शास्त्रीनगर, पटना में राज्य में चल रही भू-अर्जन परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की।

समीक्षा के दौरान रेलवे के कोई स्थानीय अधिकारी के उपस्थित नहीं रहने पर मंत्री ने कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि रेलवे के अधिकारी भू-अर्जन के मामलों को लेकर गंभीर नहीं हैं, जो दुखद है। मंत्री ने भू-अर्जन निदेशक को स्थानीय महाप्रबंधक और रेलवे बोर्ड को इस संबंध में सख्त पत्र भेजने का निर्देश दिया। मंत्री ने जिलावार एक-एक परियोजना की स्थिति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को भू-अर्जन की प्रक्रिया में तेजी लाने और अनावश्यक देरी रोकने का निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि नोटिस तामिला के 14 दिन बाद संबंधित पक्ष को रिमाइंडर जरूर भेजा जाए, ताकि कार्रवाई में अनावश्यक विलंब न हो। न्यायालय में विचाराधीन मामलों की प्रत्येक स्थिति से निदेशालय को अवगत कराने और लीगल सेल से उनका अध्ययन कराकर आवश्यक दिशा-निर्देश जारी करने को भी कहा। डॉ. जायसवाल ने कहा कि भू-अर्जन का कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण है। अधिकारियों की सक्रियता से ही राज्य के विकास की गति तय होती है। इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास का रास्ता तैयार करने की जिम्मेदारी भू-अर्जन अधिकारियों की है। इस प्रक्रिया में लापरवाही सीधे विकास कार्यों को प्रभावित करती है। इसलिए सभी अधिकारी अपनी जिम्मेदारी गंभीरता से निभाएं। समीक्षा बैठक में विभागीय सचिव जय सिंह ने परियोजनाओं की श्रेणीवार समीक्षा की। पीएमजी के अंतर्गत सारण, सिवान, पूर्वी चंपारण, पश्चिमी चंपारण और भोजपुर की परियोजनाओं की स्थिति की जानकारी लेकर आवश्यक निर्देश दिए। इसके बाद रेलवे और एनएचएआई की परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। उद्योग विभाग की ओर से 24 जिलों में प्रस्तावित औद्योगिक क्षेत्रों के लिए भू-अर्जन की कार्रवाई की भी जिलावार समीक्षा हुई। सचिव ने अधिकारियों को भू-अर्जन के दौरान सभी रैयतों को अपनी जमाबंदी अद्यतन कराने के लिए प्रोत्साहित करने का निर्देश दिया, ताकि भूमि अभिलेख अधिक दुरुस्त और त्रुटिरहित हो सकें।

## टीएनबी कॉलेज में जर्जर छत को लेकर फूटा छात्रों का गुस्सा, प्राचार्य कार्यालय का किया घेराव

**भागलपुर,एजेंसी।** टी.एन.बी. महाविद्यालय के पूर्वी छात्रावास की बदहाल और जर्जर स्थिति को लेकर शुक्रवार को छात्रों का आक्रोश फूट पड़ा। हॉस्टल की छत का मलबा गिरने की हालिया घटना और लंबे समय से लंबित समस्याओं के विरोध में बड़ी संख्या में छात्रों ने कॉलेज प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया और प्राचार्य कार्यालय का घेराव कर जोरदार प्रदर्शन किया।

आक्रोशित छात्र एकजुट होकर प्राचार्य कार्यालय पहुंचे और जमकर नारेबाजी की। छात्रों का आरोप है कि पूर्वी छात्रावास की छत लंबे समय से अत्यंत जर्जर स्थिति में है, जिससे आए दिन मलबे और प्लास्टर के बड़े-बड़े टुकड़े नीचे गिरते रहते हैं। हाल ही में एक ऐसी ही घटना में छत का मलबा सीधे छात्रों के ऊपर गिर गया, जिसमें वे बाल-बाल बचे। इस घटना के बाद से छात्रावास में रह रहे छात्र अपनी सुरक्षा को लेकर गहरे खौफ में हैं। छात्रों ने साफ कहा कि अगर सिर के ऊपर की छत ही सुरक्षित नहीं है, तो कभी भी कोई बड़ी अनहोनी हो सकती है। प्रदर्शनकारी छात्रों ने कॉलेज प्रशासन पर उदासीनता का आरोप लगाते हुए कहा कि वे छात्रावास की इस गंभीर स्थिति से प्राचार्य को कई बार लिखित और मौखिक रूप से अवगत करा चुके हैं। इसके बावजूद समय रहते कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया, जिससे छात्रों में असंतोष बढ़ता गया और अंततः उन्हें घेराव करने के लिए मजबूर होना पड़ा। छात्रों की मुख्य मांग है कि छात्रावास की छत की तत्काल प्रभाव से मरम्मत कराई जाए और उनके रहने के लिए एक सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित किया जाए। मामले की गंभीरता को देखते हुए टी.एन.बी. महाविद्यालय के प्राचार्य ने आंदोलन कर रहे छात्रों से वार्ता की और उन्हें शांत कराया। प्राचार्य ने छात्रों को आश्वस्त किया कि उनकी समस्याओं को गंभीरता से लिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि छात्रावास की जर्जर स्थिति को देखते हुए जल्द ही मरम्मत का कार्य शुरू कराया जाएगा, ताकि छात्रों को रहने में किसी भी प्रकार की असुविधा या खतरे का सामना न करना पड़े। प्राचार्य के इस सकारात्मक आश्वासन के बाद छात्रों ने अपना विरोध प्रदर्शन समाप्त किया।

## जदयू के प्रबोधन कार्यक्रम में निशांत को नेतृत्व सौंपने की मांग, पार्टी के नाम पर भी चर्चा

### विधायकों और विधान पार्षदों ने कहा- निशांत में नेतृत्व क्षमता, भविष्य में करेंगे बिहार का नेतृत्व

**पटना,एजेंसी।** जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के प्रदेश कार्यालय स्थित कर्पूरी सभागार में शुक्रवार को पूर्व मुख्यमंत्री एवं जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार की अध्यक्षता में पार्टी के विधायकों और विधान पार्षदों का एकदिवसीय प्रबोधन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विधायी कार्यों, सदन की कार्यप्रणाली और जनहित से जुड़े विषयों को प्रभावी तरीके से उठाने से संबंधित जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान पार्टी के कई नेताओं ने स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार को भविष्य में बिहार का नेतृत्व सौंपे जाने की इच्छा सार्वजनिक रूप से जाहिर की। कार्यक्रम की शुरुआत नीतीश कुमार ने की और स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार भी उनके साथ मंच पर मौजूद रहे।

कार्यक्रम के बाद दरभंगा जिले के बेनीपुर से जदयू विधायक विनय चौधरी ने पत्रकारों से बातचीत में निशांत कुमार के नाम की खुलकर पैरवी की। उन्होंने कहा कि निशांत कुमार में नेतृत्व क्षमता है और वह एक दिन निश्चित रूप से बिहार का नेतृत्व करेंगे। मंत्री लेसी सिंह ने भी निशांत कुमार को नेतृत्व के लिए योग्य बताते हुए कहा कि पार्टी का नेतृत्व वह कर ही रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री पद के लिए उनकी योग्यता पर सवाल नहीं है, बल्कि वह इसके लिए पूरी तरह सक्षम हैं। पार्टी के नेता लंबे समय से यह बात कहते रहे हैं कि निशांत कुमार भविष्य में बिहार का नेतृत्व करेंगे। बरौली से जदयू विधायक मंजीत कुमार सिंह ने भी निशांत कुमार को पार्टी का भविष्य बताया। उन्होंने कहा कि पार्टी के कार्यकर्ताओं की इच्छा है कि निशांत कुमार आगे चलकर बिहार का नेतृत्व करें। उनके अनुसार, निशांत कुमार में नेतृत्व करने की क्षमता है और जदयू का प्रत्येक कार्यकर्ता चाहता है कि वह भविष्य में बिहार का नेतृत्व करें। जदयू के मुख्य प्रवक्ता एवं विधान पार्षद नीरज कुमार ने मुख्यमंत्री पद को लेकर पूछे गए सवाल पर कहा कि निशांत कुमार में नेतृत्व क्षमता है और पार्टी का नेतृत्व भी वह कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान में राज्य में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकार है और श्रवण कुमार जदयू विधायक दल के नेता हैं।

नीरज कुमार ने कहा कि निशांत कुमार पार्टी के सर्वमान्य नेता के रूप में स्वीकार किए जा चुके हैं। हालांकि, उन्होंने मुख्यमंत्री पद को लेकर कोई औपचारिक घोषणा नहीं की। कार्यक्रम के दौरान जदयू के नाम में बदलाव के प्रस्ताव को लेकर भी नेताओं से सवाल किए गए। कई विधायकों और विधान पार्षदों ने कहा कि नीतीश कुमार और जदयू की पहचान एक-दूसरे से जुड़ी हुई है। ऐसे में यदि पार्टी का नाम नीतीश कुमार के नाम पर रखा जाता है तो यह उनके लिए सम्मान की बात होगी। दरअसल, जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय कुमार झा ने जनता दल यूनाइटेड का नाम बदलकर 'जनता दल नीतीश' करने का सुझाव दिया है। इस प्रस्ताव पर अंतिम निर्णय पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी और राष्ट्रीय परिषद की बैठकों में विचार-विमर्श के बाद होने की बात कही गई है। करीब तीन घंटे चले कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री ललन सिंह और विधायक अनंत सिंह समेत कुछ प्रमुख नेताओं की गैरमौजूदगी को लेकर भी सवाल उठे। नचिकेता मंडल, पंकज कुमार, मंजीत सिंह और शालिनी मिश्रा सहित कुछ विधायकों ने इस पर सवाल किए। हालांकि, जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय कुमार झा ने इसे लेकर किसी तरह की नाराजगी से इनकार किया। संजय झा ने कहा कि यह जदयू विधानमंडल दल का प्रबोधन कार्यक्रम था। इसलिए इसमें केवल विधायक और विधान पार्षद शामिल हुए। उन्होंने स्पष्ट किया कि बैठक का स्वरूप विधायी प्रशिक्षण और सदन की कार्यप्रणाली से संबंधित था। पार्टी की ओर से भी पहले बताया गया था कि कार्यक्रम का उद्देश्य विधायकों और विधान पार्षदों को उनकी विधायी जिम्मेदारियों तथा सदन में प्रभावी भूमिका निभाने के तौर-तरीकों से अवगत कराना था।

## एक नजर

### एशियाई खेल : क्विम्सी-अनस की जोड़ी कांस्य पदक मुकाबले में पहुंची, क्विम्सी महिला एकल सेमीफाइनल में

**नागोया,एजेंसी।** एशियाई खेलों में पदार्पण कर रहे टैकबॉल में भारत की क्विम्सी डिसूजा ने महिला एकल के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। क्विम्सी और अनस बेग की मिश्रित युगल जोड़ी भी कांस्य पदक के मुकाबले में पहुंच गई है। मुकाबले जापान के नागोया सिटी हिगाशी स्पोर्ट्स सेंटर में खेले जा रहे हैं। 24 वर्षीय क्विम्सी ने ग्रुप बी के अपने पहले मुकाबले में जापान की यूइना सकामोटो को 43 मिनट में 2-1 से हराया। क्विम्सी ने पहला गेम 10-12 से गंवाने के बाद शानदार वापसी करते हुए अगले दोनों गेम 12-11, 13-11 से जीत लिए। इसके बाद उन्होंने 24 मिनट में कोएम्येन डी को 2-0 से हराया। उन्होंने यह मुकाबला 12-9, 12-7 से अपने नाम किया। ग्रुप में शीर्ष पर रहने के कारण क्विम्सी को क्वार्टर फाइनल में बाई मिली। अब क्विम्सी के पास टैकबॉल में भारत के लिए ऐतिहासिक पदक जीतने के दो मौके हैं। शनिवार को सेमीफाइनल में उनका सामना इंडोनेशिया की सुमाया से होगा। इस मुकाबले में जीत हासिल करते ही क्विम्सी का पदक पक्का हो जाएगा। अगर क्विम्सी सेमीफाइनल में हारती हैं, तो रविवार को कांस्य पदक के मुकाबले में उनका सामना म्यांमार की वाई खिन हिन और लेबनान की कमर डंडाल के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल के हारने वाले खिलाड़ी से होगा। मिश्रित युगल में क्विम्सी और अनस बेग को क्वार्टर फाइनल में वियतनाम की जिया न्गी त्रिन्ह और होआंग मिन्ह तान न्गुएन की जोड़ी से 0-2 से हार मिली। वियतनामी जोड़ी ने मुकाबला 12-7, 12-10 से जीता। हालांकि, भारतीय जोड़ी ने रेपेचेज मुकाबले में फिलीपींस की जोहाना अबुलेंसिया और प्रिंस अगस्टिन की जोड़ी को 2-0 से हराकर रविवार को होने वाले दो कांस्य पदक मुकाबलों में से एक में जगह बना ली। भारतीय जोड़ी ने यह मुकाबला 12-3, 12-6 से जीता। कांस्य पदक मुकाबले में उनका सामना सेमीफाइनल में हारने वाली दो जोड़ियों में से किसी एक से होगा।

### डेविस कप क्वालीफायर: भारत पहले दिन दक्षिण कोरिया से 0-2 से पीछे, धाकिनेश्वर और नागल हारे

**सियोल,एजेंसी।** डेविस कप क्वालीफायर के दूसरे दौर के मुकाबले में भारत पहले दिन मेजबान दक्षिण कोरिया से 0-2 से पीछे हो गया। सियोल ओलंपिक पार्क टेनिस सेंटर में शुक्रवार को धाकिनेश्वर सुरेश और सुमित नागल दोनों को तीन सेट के मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा। दुनिया के 157वें नंबर के खिलाड़ी सूनवू क्वोन ने धीमी शुरुआत से उबरते हुए पहले एकल मुकाबले में दुनिया के 367वें नंबर के धाकिनेश्वर को 3-6, 6-3, 6-4 से हराया। यह धाकिनेश्वर की डेविस कप में पहली हार है। 26 वर्षीय भारतीय खिलाड़ी ने पिछले साल स्विट्जरलैंड के खिलाफ पदार्पण करने के बाद डेविस कप में तीन एकल और एक युगल मुकाबला जीता था। इसके बाद सुमित नागल को भी तीन घंटे छह मिनट तक चले मुकाबले में ह्योन चुंग के खिलाफ 2-6, 6-4, 7-5 से हार मिली। नागल ने पहला सेट जीतने के अलावा दूसरे सेट में एक ब्रेक की बढ़त भी हासिल की थी, लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा सके। 2018 ऑस्ट्रेलियन ओपन के सेमीफाइनल में पहुंच चुके चुंग फिलहाल विश्व रैंकिंग में 549वें स्थान पर हैं और चोटों के कारण उनका करियर प्रभावित रहा है। नागल उनसे 300 से अधिक स्थान ऊपर हैं। शनिवार को एन. श्रीराम बालाजी और निकी पूनाचा की जोड़ी युगल मुकाबले में जिसुंग नाम और उइसुंग पार्क की जोड़ी से भिड़ेगी। इसके बाद रिवर्स एकल मुकाबले खेले जाएंगे। भारत को क्वार्टर फाइनल में पहुंचने के लिए शनिवार को अपने तीनों मुकाबले जीतने होंगे। भारत 1996 के बाद पहली बार डेविस कप क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने की कोशिश कर रहा है। डेविस कप इतिहास में भारत केवल दो बार 0-2 से पिछड़ने के बाद मुकाबला जीतने में सफल रहा है। भारत ने 2010 में चेन्नई में ब्राजील और 2018 में तियानजिन में चीन के खिलाफ ऐसी वापसी की थी।

### एशियाई खेल: विदेशी अनुभव के दम पर पदक के सूखे को खत्म करने उतरेगी भारतीय सॉफ्ट टेनिस टीम

**नई दिल्ली।** पिछले पांच-छह महीनों में अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं और जापान तथा कोरिया में प्रशिक्षण से मिले अनुभव के दम पर भारत के सॉफ्ट टेनिस खिलाड़ी जय मीणा और आध्या तिवारी आगामी एशियाई खेलों में पदक जीतने के लक्ष्य के साथ उतरेंगे। दोनों खिलाड़ियों का यह तीसरा एशियाई खेल है। जय और आध्या की जोड़ी ने 2024 विश्व सॉफ्ट टेनिस चैंपियनशिप में मिश्रित युगल में कांस्य पदक जीतकर इतिहास रचा था। छह सदस्यीय भारतीय सॉफ्ट टेनिस टीम की अगुवाई जय और आध्या कर रहे हैं। जय पुरुष एकल, पुरुष टीम और मिश्रित युगल में हिस्सा लेंगे, जबकि आध्या महिला एकल और मिश्रित युगल में चुनौती पेश करेंगी। टीम के अन्य सदस्य योगेश चौधरी, ओम यादव, अनिकेत चिराग पटेल और आर्यन ठाकुर हैं। टीम के साथ कोच देवांशी हरेशभाई पटेल और फिजियोथेरेपिस्ट उत्सव कुमार दुबे भी हैं। भारत ने एशियाई खेलों में पुरुष टीम स्पर्धा के साथ अभियान की शुरुआत की और क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। भारत ने ग्रुप सी के पहले मुकाबले में लाओस को 3-0 से हराया, लेकिन दूसरे मैच में चीनी ताइपे के खिलाफ 0-3 से हार गया। इसके बाद भारत ने मंगोलिया को 3-0 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया, जिसका मुकाबला शनिवार को होगा। मध्य प्रदेश के देवास के रहने वाले जय मीणा की सॉफ्ट टेनिस में शुरुआत संयोग से हुई। बचपन में उनकी रुचि क्रिकेट में थी और वह क्रिकेटर बनना चाहते थे। स्कूल के पास सॉफ्ट टेनिस कोर्ट पर कुछ लड़कों को खेलते देखकर उनकी इस खेल में रुचि जगी। 14 साल की उम्र तक वह अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भारत का प्रतिनिधित्व करने लगे थे। जय ने 2018 जकार्ता-पालेमबांग एशियाई खेलों में भी हिस्सा लिया। इसके बाद उन्होंने गुजरात में आयोजित 36वें राष्ट्रीय खेलों में पुरुष एकल का स्वर्ण पदक जीता।

# एशियाई खेल: भारतीय महिला कबड्डी टीम जापान रवाना

**गांधीनगर,एजेंसी।** भारतीय महिला कबड्डी टीम ने 2026 एशियाई खेलों से पहले अपना अंतिम प्रशिक्षण शिविर पूरा कर लिया है और शुक्रवार को जापान के लिए रवाना हो गई है। टीम ने भारतीय एमेच्योर कबड्डी महासंघ के मार्गदर्शन में कई महीनों तक चरणबद्ध तरीके से तैयारी की।

भारतीय टीम हांगझोउ एशियाई खेलों में जीते स्वर्ण पदक का बचाव करने उतरेगी, जहां उसने फाइनल में चीनी ताइपे को 26-25 से हराया था। महिला कबड्डी में यह भारत का चौथा स्वर्ण होगा। कबड्डी को एशियाई खेलों में शामिल किए जाने के बाद भारत अब तक इस खेल में कुल 11 स्वर्ण पदक जीत चुका है। मुख्य कोच नीता डाडवे ने बताया कि यह टीम का चौथा और अंतिम प्रशिक्षण शिविर था। उन्होंने कहा कि इससे पहले 15 दिन और एक महीने के दो शिविरों के अलावा तीसरा शिविर भी आयोजित किया गया था। तैयारी की शुरुआत 42 खिलाड़ियों के साथ हुई और चरणबद्ध तरीके से टीम को छोटा किया गया। इस दौरान अनुभवी और युवा खिलाड़ियों का संतुलन बनाए रखा गया। उन्होंने कहा, 'हम कोई दबाव नहीं लेना चाहते। हम सिर्फ खुलकर खेलना चाहते हैं।

कोच ममता पूजारी ने टीम की तैयारी के अलग-अलग चरणों की जानकारी देते हुए बताया कि प्रो कबड्डी लीग के आयोजक मशाल स्पोर्ट्स के साथ मिलकर स्ट्रेंथ एवं कंडीशनिंग कार्यक्रम भी चलाया गया। उन्होंने कहा, 'यह लगभग छह महीने से एक साल तक चलने वाली प्रक्रिया है। पहले शिविर में पूरी तरह फिटनेस, गति, सहनशक्ति, वजन प्रशिक्षण और रिकवरी पर ध्यान दिया जाता है। अगले शिविर में कौशल और मैच अभ्यास पर जोर बढ़ता है। तीसरे शिविर तक ज्यादातर समय मैट पर बिताया जाता है। अंतिम शिविर में सब कुछ एक साथ आता है और वीडियो के जरिए विपक्षी टीमों के खेल का अध्ययन भी किया जाता है।' खिलाड़ी सोनाली शिंगाटे के लिए यह एशियाई खेल विशेष महत्व रखते हैं। 2018 एशियाई खेलों में हिस्सा ले चुकी सोनाली 2023 के हांगझोउ एशियाई खेलों के लिए टीम में थीं, लेकिन चोट के कारण अंतिम समय में उन्हें सर्जरी और पुनर्वास से गुजरना पड़ा था।

उन्होंने कहा, 'मैंने 2018 में एशियाई खेल खेले थे और 2023 में टीम में थी, लेकिन आखिरी समय में चोट लग गई और मुझे सर्जरी तथा रिहैबिलिटेशन के लिए जाना पड़ा। यह मेरा तीसरा मौका है।' उन्होंने कहा, 'हर खिलाड़ी का सपना एशियाई खेलों में खेलना होता है। कबड्डी ऐसा खेल है, जिसमें कभी भी चोट लग सकती है, इसलिए हर किसी को इतने मौके नहीं मिलते।' सोनाली ने टीम के माहौल को भी सकारात्मक बताया। उन्होंने कहा कि कोच खिलाड़ियों का अच्छी तरह ध्यान रख रहे हैं और नए खिलाड़ियों को वरिष्ठ खिलाड़ियों का सहयोग मिल रहा है। उन्होंने कहा, 'कोई भी व्यक्तिगत अंक के बारे में नहीं सोचता। हम एक टीम के रूप में खेलते हैं।'

विपक्षी टीमों के बारे में ममता पूजारी ने कहा कि ईरान और चीनी ताइपे पर विशेष नजर है। उन्होंने बताया कि ईरान शुरुआत से अंत तक आक्रामक खेलता है, जबकि चीनी ताइपे अधिक शांत और कौशल आधारित खेल पर निर्भर करता है। टीम ने बांग्लादेश, जापान और दक्षिण कोरिया के खेल का भी वीडियो अध्ययन किया है। नई प्रतिभाओं के बारे में दोनों कोचों ने निकिता कुमारी का विशेष रूप से उल्लेख किया। ममता ने बताया कि निकिता पिछली जूनियर अंडर-18 भारतीय टीम की कप्तान थीं और यदि वह अपने खेल तथा फिटनेस पर ध्यान बनाए रखती हैं तो उनका भविष्य अच्छा है। नीता डाडवे ने कहा कि निकिता में ताकत है और वह बाएं विंग पर खेलती हैं, जिससे वह टीम के लिए उपयोगी साबित हो सकती हैं। महिला कबड्डी के भविष्य के लिए दोनों कोचों ने पेशेवर लीग की जरूरत पर जोर दिया। सोनाली ने कहा कि लीग शुरू होने से खिलाड़ियों को आर्थिक सहायता के साथ वैज्ञानिक प्रशिक्षण भी मिलेगा। उन्होंने कहा कि पुलिस सेवाओं को छोड़कर लड़कियों के लिए पेशेवर टीमों के अवसर अभी बहुत सीमित हैं और लीग इस स्थिति को बदल सकती है। ममता ने कहा कि देशभर में कई प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को अवसर नहीं मिल पाता, जबकि लीग उन्हें अपनी प्रतिभा दिखाने का मंच दे सकती है। सोनाली ने भारतीय प्रशंसकों से महिला कबड्डी का समर्थन जारी रखने की अपील करते हुए कहा, 'महिला कबड्डी का समर्थन करने के लिए सभी भारतीय प्रशंसकों का धन्यवाद। आप जो कर रहे हैं, उसे जारी रखें—हम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे।'

2026 एशियाई खेलों के लिए भारतीय महिला कबड्डी टीम:

पुष्पा राणा (कप्तान), रितु नेगी, सोनाली शिंगाटे, संजू देवी, पूजा काजला, रितु श्योराण, ज्योति ठाकुर, पिंकी रॉय, मनीषा कुमारी, भावना ठाकुर, राज रानी और निकिता कुमारी।

### नए कोच जॉर्ज जीसस की पहली पुर्तगाल टीम में शामिल हुए क्रिस्टियानो रोनाल्डो

**लिस्बन।** क्रिस्टियानो रोनाल्डो को नए मुख्य कोच जॉर्ज जीसस के नेतृत्व में पुर्तगाल की पहली टीम में शामिल किया गया है। 41 वर्षीय रोनाल्डो आगामी यूईएफए नेशंस लीग मुकाबलों के लिए टीम में जगह बनाने में सफल रहे हैं और कप्तान की भूमिका में बने रहेंगे।

रोनाल्डो ने इस गर्मी में होने वाले फीफा विश्व कप को अपना आखिरी विश्व कप बताया था, लेकिन उन्होंने अभी अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास लेने की तारीख स्पष्ट नहीं की है। 2028 यूरोपीय चैंपियनशिप के दौरान उनकी उम्र 43 वर्ष होगी। जॉर्ज जीसस के पुर्तगाल का मुख्य कोच बनने के बाद घोषित यह पहली टीम है। जीसस ने रॉबर्टो मार्टिनेज के पद छोड़ने के बाद जिम्मेदारी संभाली है। 2026 फीफा विश्व कप के अंतिम-16 मुकाबले में स्पेन के हाथों पुर्तगाल की 0-1 की हार के बाद मार्टिनेज ने पद छोड़ दिया था। जीसस इससे पहले सऊदी अरब के क्लब अल-नस्र में रोनाल्डो को कोच कर चुके हैं। दोनों ने पिछले सत्र में क्लब के साथ लीग खिताब जीता था। 72 वर्षीय जीसस को पुर्तगाल में लंबे कोचिंग अनुभव के लिए जाना जाता है। वह इससे पहले बेनफिका और स्पोर्टिंग लिस्बन जैसे क्लबों की कमान संभाल चुके हैं। पांच बार के बैलन डी'ओर विजेता रोनाल्डो पुरुष अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में 146 गोल के साथ सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने 2016 में पुर्तगाल को यूरोपीय चैंपियनशिप का खिताब दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी और इसके बाद भी वह राष्ट्रीय टीम के प्रमुख खिलाड़ियों में बने हुए हैं। पुर्तगाल अपने नेशंस लीग अभियान की शुरुआत 24 सितंबर को घरेलू मैदान पर वेल्स के खिलाफ करेगा। इसके तीन दिन बाद टीम नॉर्वे के खिलाफ उसके मैदान पर उतरेगी। इसके बाद पुर्तगाल 1 अक्टूबर को डेनमार्क के खिलाफ उसके घरेलू मैदान पर खेलेगा, जबकि 4 अक्टूबर को नॉर्वे की मेजबानी करेगा।

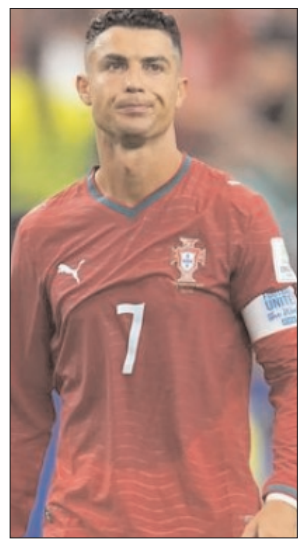

### भारतीय अंडर-19 टीम ने ऑस्ट्रेलिया को सात रन से हराया, चौहान और अनवय द्रविड़ चमके

**राजकोट,एजेंसी।** यशवर्धन चौहान के हरफनमौला प्रदर्शन और अनवय द्रविड़ की तूफानी पारी की बदौलत भारतीय अंडर-19 टीम ने बारिश से प्रभावित पहले युवा एकदिवसीय मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 को सात रन से हरा दिया और तीन मैचों की श्रृंखला में 1-0 की बढ़त बना ली है। बारिश के कारण मुकाबला 20-20 ओवर का कर दिया गया। पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने छह विकेट पर 182 रन बनाए। यशवर्धन चौहान ने 34 गेंदों पर पांच चौकों और दो छक्कों की मदद से 54 रन बनाए। वहीं, छठे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे अनवय द्रविड़ ने केवल 18 गेंदों में 38 रन ठोके, जिसमें दो चौके और तीन छक्के शामिल रहे। उनका स्ट्राइक रेट 211.11 रहा।

भारत ने 12वें ओवर में 88 रन पर चार विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद चौहान और अनवय ने पांचवें विकेट के लिए 69 रन की साझेदारी कर पारी को संभाला और टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया। ऑस्ट्रेलिया की ओर से ऑफ स्पिनर एली ब्रेन ने चार ओवर में 29 रन देकर दो विकेट लिए। ऑस्ट्रेलिया ने लक्ष्य का पीछा करते हुए शानदार शुरुआत की। उसके शीर्ष चार बल्लेबाजों में से तीन ने 40 या उससे अधिक रन बनाए। कप्तान जैक कोजनेक ने 27 गेंदों पर छह चौकों और तीन छक्कों की मदद से 55 रन बनाकर मुकाबले को रोमांचक बना दिया। ऑस्ट्रेलिया को आखिरी 11 गेंदों में 24 रन की जरूरत थी। कोजनेक ने लगातार तीन गेंदों पर चौके लगाए और 25 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया, लेकिन अगली ही गेंद पर आउट हो गए। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया को अंतिम ओवर में 11 रन चाहिए थे, लेकिन दाएं हाथ के तेज गेंदबाज मोहित उलवा ने केवल तीन रन दिए और भारत को जीत दिला दी। चौहान ने गेंदबाजी में भी अहम योगदान दिया। ऑफ स्पिनर ने ऑस्ट्रेलिया के दो प्रमुख बल्लेबाजों हेडन बारबुलोविच को 24 गेंदों पर 40 और नील पटेल को 21 गेंदों पर 45 रन के स्कोर पर आउट किया। मुकाबले में पूर्व भारतीय खिलाड़ियों राहुल द्रविड़ और वीरेंद्र सहवाग के बेटे भी आमने-सामने थे। अनवय द्रविड़ ने आक्रामक अंदाज में 38 रन बनाए, जबकि ऑस्ट्रेलिया की पारी की शुरुआत करने वाले आर्यवीर सहवाग ने 26 गेंदों पर पांच चौकों की मदद से 28 रन बनाए।

संक्षिप्त स्कोर:

भारत अंडर-19: 20 ओवर में 182/6 (यशवर्धन चौहान 54, अनवय द्रविड़ 38; एली ब्रेन 2/29)

ऑस्ट्रेलिया अंडर-19: 20 ओवर में 175/7 (जैक कोजनेक 55, नील पटेल 45, हेडन बारबुलोविच 40; यशवर्धन चौहान 2/28)

परिणाम: भारत अंडर-19 सात रन से विजयी।

### ड्यूटी के बाद जिम में पसीना बहाकर 150 किलो वजन उठाया, हावड़ा की 'लेडी हरक्यूलिस' सारनी ने जीता गोल्ड

**कोलकाता।** हावड़ा जिलान्तर्गत बागनान के चंद्रभाग गांव की युवती सारनी चटर्जी ने अपनी मेहनत और हौसले के दम पर मिसाल कायम की है। सुबह से अपने बच्चे की देखभाल करने के बाद घर से करीब पांच किलोमीटर दूर एक निजी इलेक्ट्रॉनिक्स मॉल में रात आठ बजे तक ड्यूटी करने वाली सारनी नौकरी खत्म होने के बाद सीधे जिम पहुंचती हैं। ड्यूटी पूरी करने के बाद सारनी नियमित रूप से बागनान के एक जिम सेंटर में प्रशिक्षण लेती हैं। इसी क्रम में शुक्रवार सुबह उन्होंने 150 किलोग्राम वजन उठाकर शानदार प्रदर्शन किया।

नियमित अभ्यास और कड़ी मेहनत के बाद उन्होंने गुरूवार को कोलकाता में हुए एक प्रतियोगिता में पावर लिफ्टिंग के महिला वर्ग में कर गोल्ड मेडल अपने नाम कर चुकी हैं। सारनी की इस उपलब्धि पर हावड़ा जिले के बागनान के लोग उन्हें सलाम कर रहे हैं।

उनके पिता, दिवंगत नृत्य कलाकार सौमित्र चटर्जी ने बचपन से ही बेटी को कभी हार न मानने का जज्बा सिखाया था। घर में लंबे समय से पैरों की समस्या से जूझ रही मां की जिम्मेदारी भी है और सारनी अपने बच्चे को पालते हुए परिवार संभाल रही हैं। रोजी-रोटी के लिए उन्होंने इलेक्ट्रॉनिक्स मॉल में सेल्स की नौकरी को अपना पेशा बनाया है। सारनी के कोच मोरशेद मीर शुरुआत से ही उन्हें लगातार सहयोग और मार्गदर्शन दे रहे हैं। वह सारनी की ट्रेनिंग, शारीरिक क्षमता और अन्य जरूरतों पर लगातार नजर रखते हैं, ताकि किसी भी परेशानी का असर उनकी तैयारी पर न पड़े। 16 नंबर राष्ट्रीय राजमार्ग से कोलकाता की ओर बागनान लाइब्रेरी मोड़ के लिंक रोड के किनारे स्थित जिम में सारनी ने अपनी मेहनत को मुकाम तक पहुंचाया है। इलाके के लोग अब उन्हें प्यार से 'लेडी हरक्यूलिस' कहकर बधाई दे रहे हैं। कोच मोरशेद मीर का कहना है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सफलता हासिल करने के लिए आगे आर्थिक सहयोग एक बड़ी चुनौती हो सकती है, लेकिन वह इसके बावजूद आशावादी हैं। फिलहाल सारनी के सामने अंतरराष्ट्रीय सफलता हासिल करने का लक्ष्य है और उसी को उन्होंने अपनी तैयारी का केंद्र बना लिया है।

### एशियाई खेल में भारतीय कबड्डी टीम स्वर्णिम विरासत आगे बढ़ाने को तैयार : सुनील कुमार

**नई दिल्ली,एजेंसी।** भारतीय पुरुष कबड्डी टीम के कप्तान सुनील कुमार का मानना है कि एशियाई खेलों के लिए टीम की लंबे समय से तैयारी चल रही है। भारत की टीम अनुभवी खिलाड़ियों, स्थापित सितारों और युवा प्रतिभाओं के मिश्रण के साथ प्रतियोगिता में उतरेगी। हांगझोउ एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रहे 27 वर्षीय डिफेंडर सुनील कुमार को टीम की कप्तानी सौंपी गई है। 12 सदस्यीय टीम में हांगझोउ स्वर्ण पदक विजेता टीम के चार खिलाड़ी सुनील, अर्जुन देशवाल, असलम इनामदार और पवन सहरावत शामिल हैं। टीम में प्रो कबड्डी लीग के 12वें सत्र के कई अनुभवी कप्तान और उपकप्तान भी हैं। इनमें आशु मलिक, जयदीप दहिया, देवांक दलाल और राहुल सेठपाल शामिल हैं, जबकि अयान लोहचब जैसे युवा खिलाड़ियों को भी टीम में जगह मिली है। टीम के 12 में से आठ खिलाड़ी अपने-अपने प्रो कबड्डी लीग टीमों के मौजूदा कप्तान या उपकप्तान हैं।

सुनील ने बताया कि भारतीय खेल प्राधिकरण और कबड्डी महासंघ ने एशियाई खेलों से छह से आठ महीने पहले ही टीम का शिविर शुरू कर दिया था। इससे खिलाड़ियों को टीम संयोजन, रणनीति और व्यक्तिगत कौशल पर पर्याप्त समय तक काम करने का अवसर मिला। उन्होंने साई मीडिया से बातचीत में कहा, 'तैयारी बहुत अच्छी रही है, क्योंकि हमारे महासंघ और भारतीय खेल प्राधिकरण ने छह से आठ महीने पहले ही शिविर शुरू कर दिया था। हमने टीम संयोजन और रणनीति अच्छी तरह तैयार की है। हमने पहले भारतीय खेल प्राधिकरण बेंगलुरु में अभ्यास किया, फिर बेल्लारी गए और अब हमारा शिविर भारतीय खेल प्राधिकरण गांधीनगर में चल रहा है। लंबी तैयारी के कारण टीम के खिलाड़ी अंतिम समय में संयोजन और भूमिकाएं तय करने के बजाय अपनी जिम्मेदारियों और रणनीति को लेकर अधिक स्पष्टता के साथ एशियाई खेलों में उतरेंगे। सुनील ने कहा कि टीम ने रणनीति, संयोजन, फिटनेस और व्यक्तिगत कौशल सहित खेल के हर पहलू पर काम किया है। उन्होंने कहा, 'सिर्फ एक खिलाड़ी के प्रयास से आप जीत नहीं सकते। इस बार हमारी रेडिंग और डिफेंस दोनों इकाइयां काफी मजबूत हैं। अगर आप रेडर्स या डिफेंडर्स को देखें तो हमारी टीम में काफी हद तक कबड्डी के शीर्ष खिलाड़ी मौजूद हैं।' सुनील ने कहा, 'हमने पूरी तैयारी की है। हमने अपनी रणनीति, टीम संयोजन, फिटनेस और व्यक्तिगत कौशल पर काम किया है। अब प्रतियोगिता शुरू होने पर हमें इन सभी चीजों को सही तरीके से मैदान पर उतारना होगा। एक खिलाड़ी का प्रयास पर्याप्त नहीं होगा। सभी को योगदान देना होगा। हमारे रेडर्स, डिफेंडर्स और ऑलराउंडर्स को एक टीम के रूप में मिलकर खेलना होगा। भारत एशियाई खेलों में पुरुष कबड्डी की अपनी स्वर्णिम परंपरा को आगे बढ़ाने के लक्ष्य के साथ उतरेगा। हांगझोउ में स्वर्ण जीतने वाली टीम का हिस्सा रहे सुनील ने कहा कि वह अपने वरिष्ठ खिलाड़ियों द्वारा बनाई गई विरासत को आगे बढ़ाना चाहते हैं। उन्होंने कहा, 'हमारे वरिष्ठ खिलाड़ियों ने टीम को एक अलग पहचान दी और भारत के लिए कई स्वर्ण पदक जीते।

## एक नजर

### नेपाली सेना प्रमुख सिग्देल ने चीनी रक्षा मंत्री डोंग जुन से की शिष्टाचार मुलाकात

**काठमांडू।** चीन की औपचारिक यात्रा पर रहे नेपाल के प्रधान सेनापति जनरल अशोकराज सिग्देल ने चीनी रक्षा मंत्री एडमिरल डोंग जुन से शिष्टाचार मुलाकात की। मुलाकात के दौरान दोनों पक्षों के बीच आपसी हित और सैन्य संबंधों से जुड़े विषयों पर चर्चा हुई। इसकी जानकारी नेपाल सेना के सैनिक जनसंपर्क तथा सूचना निदेशालय ने दी। प्रधान सेनापति सिग्देल ने शुक्रवार को चीन के राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय का निरीक्षण दौरा भी किया। इसके अलावा उन्होंने बीजिंग में आयोजित 13वें बीजिंग श्यांगशान फोरम के उद्घाटन सत्र में भाग लिया।

### जनकपुरधाम का जानकी मंदिर संरक्षित स्मारक क्षेत्र घोषित, विश्व धरोहर सूची में शामिल कराने की तैयारी

**काठमांडू।** नेपाल सरकार ने जनकपुरधाम के प्रसिद्ध जानकी मंदिर को संरक्षित स्मारक क्षेत्र घोषित किया है। नेपाल सरकार का लक्ष्य जानकी मंदिर को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल कराना है। इसके लिए संबंधित सांस्कृतिक विरासत क्षेत्र को संरक्षित स्मारक क्षेत्र घोषित करना आवश्यक प्रक्रिया का हिस्सा है। संस्कृति, पर्यटन तथा नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने राजपत्र में सूचना प्रकाशित कर इस निर्णय की जानकारी दी है। मंत्रालय के अनुसार मंत्रिपरिषद की बैठक ने प्राचीन स्मारक संरक्षण ऐन, 2013 के तहत मंदिर क्षेत्र को संरक्षित स्मारक क्षेत्र घोषित करने का निर्णय लिया है। संरक्षित स्मारक क्षेत्र घोषित होने के बाद अब मंदिर के आसपास भवन निर्माण समेत अन्य गतिविधियों पर निर्धारित मापदंड लागू होंगे। सरकार ने चालू वित्त वर्ष के बजट में भी जानकी मंदिर को विश्व धरोहर सूची में शामिल कराने के लक्ष्य को शामिल किया है। मंत्रालय के सचिव मुकुंद प्रसाद निरौला के अनुसार चारों दिशाओं की सीमाएं निर्धारित कर इस क्षेत्र को संरक्षित स्मारक क्षेत्र घोषित किया गया है।पूर्वी सीमा में जनकपुर के भानु चौक, कदम चौक, जिला प्रशासन कार्यालय और मालपोत कार्यालय होते हुए दक्षिण दिशा में जाने वाली परिक्रमा पथ की सड़क को शामिल किया गया है। पश्चिमी सीमा में भमरापुरा चौक से पश्चिम की ओर जाने वाली सड़क, याज्ञवल्क्य संस्कृत माध्यमिक विद्यालय, ज्ञानकूप और हनुमान मंदिर होते हुए उत्तर दिशा में जाने वाले परिक्रमा पथ को निर्धारित किया गया है। उत्तरी सीमा में हनुमान मंदिर, पिडारी चौक स्थित राजा जनक स्मारक, मधेस प्रदेश भवन और मिल्स एरिया होते हुए भानु चौक तक के परिक्रमा पथ की सड़क को शामिल किया गया है। इसी तरह दक्षिणी सीमा में जनकपुरधाम के मुरली चौक स्थित विद्यापति स्मारक से भमरापुरा चौक तक जाने वाले परिक्रमा पथ की सड़क को निर्धारित किया गया है।

### अपर त्रिशूली-1 हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट के टनल से 6 शव बरामद, 492 लोग अब भी लापता

**काठमांडू।** नेपाल के भोटेकोसी नदी में आई विनाशकारी बाढ़ के बाद ऊपरी त्रिशूली-1 जलविद्युत परियोजना के टनल से छह शव बरामद किए गए हैं। परियोजना से 492 लोग अब भी लापता हैं, जबकि 936 लोग संपर्क में आ चुके हैं। नेपाली सेना के अनुसार 26 अगस्त को भोटेकोसी में आई बाढ़ के बाद परियोजना से संपर्कविहीन लोगों की तलाश के दौरान ये शव मिले। संयुक्त बचाव दल ने ऑडिट-3 टनल में तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान टनल में कंक्रीट ढलाई के लिए तैयार की गई लोहे की छड़ों की जाली के अंदर फंसी अवस्था में छह शव मिले। सेना के अनुसार ग्राइंडर, गैस कटर और रोटरी रेस्क्यू उपकरणों की मदद से शवों को बाहर निकाला गया। टनल के अंदर कीचड़ में ढकी हुई कुछ अन्य आकृतियां भी शव जैसी दिखाई दी हैं, जिसके बाद उस इलाके में तलाशी अभियान जारी है। बाढ़ के बाद अपर त्रिशूली-1 जलविद्युत परियोजना से सबसे अधिक लोग संपर्कविहीन हुए हैं। शुक्रवार तक के आंकड़ों के अनुसार, परियोजना से 492 लोग अब भी संपर्कविहीन हैं, जबकि 936 लोग संपर्क में आ चुके हैं। बाढ़ आने के समय इस परियोजना में कुल 1,433 कर्मचारी और श्रमिक कार्यरत थे। यह जलविद्युत परियोजना दक्षिण कोरियाई निवेश से निर्माणाधीन है।

### भारत-नेपाल के बीच व्यापार और पारगमन सहयोग मजबूत करने पर जोर

**काठमांडू।** भारत और नेपाल के बीच व्यापार, पारगमन और अनधिकृत व्यापार पर नियंत्रण को लेकर अंतर-सरकारी उपसमिति की बैठक में दोनों देशों के अधिकारियों ने द्विपक्षीय व्यापार और आर्थिक सहयोग से जुड़े कई अहम मुद्दों पर चर्चा की। नेपाल के वाणिज्य विभाग के मुताबिक 16 और 17 सितंबर को नई दिल्ली में हुई बैठक के दौरान बाजार पहुंच, व्यापार सुविधा, सीमा शुल्क सहयोग, उत्पाद मानक, स्वच्छता एवं पादप स्वच्छता (SPS) उपाय, फार्मास्यूटिकल्स और आयुष उत्पादों से जुड़े विषयों पर विचार-विमर्श हुआ। इसके अलावा सीमा अवसंरचना, कनेक्टिविटी और पारगमन व्यापार को लेकर भी चर्चा की गई। इस बयान में कहा गया है कि दोनों पक्षों ने संस्थागत स्तर पर लगातार संवाद जारी रखते हुए द्विपक्षीय व्यापार, पारगमन कनेक्टिविटी और आर्थिक सहयोग को और मजबूत करने की प्रतिबद्धता दोहराई। वाणिज्य विभाग के अधिकारी ने कहा कि बैठक का उद्देश्य भारत और नेपाल के बीच व्यापारिक गतिविधियों को सुगम बनाने तथा दोनों देशों के बीच आर्थिक संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए सहयोग को मजबूत करना रहा।

# नेपाल की बाढ़ में 102 बच्चों ने खोए माता-पिता, 17 हजार बच्चों को संरक्षण की जरूरत

**काठमांडू,एजेंसी।** नेपाल में आई विनाशकारी बाढ़ के बाद बच्चों पर संकट और गहरा गया है। राष्ट्रीय बाल अधिकार परिषद की त्वरित आकलन रिपोर्ट के अनुसार, बाढ़ में 102 बच्चों के माता-पिता दोनों लापता हैं। इनमें 49 लड़कियां और 53 लड़के शामिल हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, रसुवा, नुवाकोट और धादिङ जिलों में ही कम-से-कम 17 हजार बच्चों को संरक्षण की आवश्यकता है। बाढ़ के कारण बड़ी संख्या में बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हुई है। परिवार से अलग हुए और अभिभावकीय देखभाल से वंचित बच्चों के सामने जोखिम भी बढ़ गया है।

अध्ययन के अनुसार, 439 बच्चे अपने माता-पिता से बिछड़ गए हैं, जिनमें 222 लड़कियां और 217 लड़के हैं। वहीं, 692 प्रभावित बच्चे अपने माता-पिता या अन्य अभिभावकों के साथ हैं। इनमें 361 लड़कियां और 331 लड़के शामिल हैं। प्रभावित बच्चों में 21 दिव्यांग बच्चे भी हैं। बाढ़ से प्रभावित 32 स्कूलों में से 19 पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए हैं। इन स्कूलों में करीब 9,400 विद्यार्थी नामांकित थे, जिनमें 3,928 विद्यार्थी प्रभावित हुए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक 488 विद्यार्थी अब भी लापता हैं, जबकि पांच विद्यार्थियों की मौत हो चुकी है। राष्ट्रीय बाल अधिकार परिषद ने इसे केवल तत्काल राहत का विषय नहीं बल्कि बाल अधिकार, संरक्षण, शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, पारिवारिक देखभाल, सामाजिक सुरक्षा और दीर्घकालीन विकास से जुड़ा बहुआयामी मानवीय संकट बताया है। रिपोर्ट में प्रभावित बच्चों की पहचान, परिवार की तलाश और पुनर्मिलन, सुरक्षित अस्थायी आश्रय, शिक्षा जारी रखने, स्वास्थ्य-पोषण और मनोसामाजिक

सहायता को तत्काल प्राथमिकता देने की आवश्यकता बताई गई है। परिषद की टीम ने 1-5 सितंबर के बीच रसुवा, नुवाकोट, धादिङ, गोरखा, तनहुँ और चितवन के प्रभावित क्षेत्रों, अस्थायी आश्रय स्थलों और होल्डिंग सेंटरों का अध्ययन किया। 5 सितंबर तक बाढ़ प्रभावित जिलों के होल्डिंग सेंटरों में 1,233 बच्चे मौजूद थे, जिनमें 632 लड़कियां और 601 लड़के थे। प्रभावित बच्चों की व्यवस्था के लिए स्थानीय स्तर पर बाल अधिकार समितियों के माध्यम से प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा रही है। माता-पिता के लापता होने की स्थिति में पहले परिवार के अन्य सदस्यों या रिश्तेदारों के साथ बच्चों को रखने का प्रयास किया जाएगा। यदि ऐसा संभव नहीं हुआ तो कानूनी प्रक्रिया के तहत परिवार-आधारित देखभाल या बाल गृह की व्यवस्था की जाएगी। ललितपुर के गोदावरी में प्रभावित बच्चों के लिए अस्थायी संरक्षण केंद्र भी तैयार किया गया है। यहां करीब 50 बच्चों को रखने की क्षमता है और उपचार, मनोसामाजिक परामर्श तथा शिक्षा की व्यवस्था की जा रही है। इसी बीच, काठमांडू के डल्लु स्थित गीतामाता माध्यमिक विद्यालय में भोटेकोशी बाढ़ से प्रभावित 70 बच्चों की पढ़ाई शुरू कराई गई है। इन बच्चों को पढ़ाई के साथ मनोसामाजिक परामर्श, स्वास्थ्य जांच और खेलकूद की सुविधाएं भी दी जा रही हैं।

# ईरान के साथ हम अच्छी डील करेंगे या कोई समझौता नहीं, ट्रंप का तेहरान को संदेश

**वॉशिंगटन।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का दावा है कि ईरान समझौता तो करना चाहता है लेकिन उनकी निजी राय में तेहरान इसके लिए अभी पूरी तरह तैयार नहीं है।उन्होंने कहा कि वे अमेरिकी हितों वाली अच्छी डील करेंगे या कोई समझौता नहीं करेंगे।

मीडिया संस्थान ईरान इंटरनेशनल ने अमेरिकी राष्ट्रपति की तरफ से गुरुवार को फॉक्स न्यूज को दिए गए साक्षात्कार का हवाला देते हुए बताया है कि अमेरिका के साथ ईरान डील करना चाहता है लेकिन वह इसके लिए पूरी तरह तैयार नहीं है। ट्रंप ने संकेत दिया कि कोई भी समझौता अमेरिकी उम्मीदों के मुताबिक ही होगा। ट्रंप का यह बयान ऐसे समय आया है, जब अगले सप्ताह न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान ट्रंप की खाड़ी सहयोग परिषद यानी जीसीसी के सदस्य देशों के नेताओं से मुलाकात की उम्मीद है। ट्रंप ने दावा किया कि बी-2 बॉम्बर इस्तेमाल से अमेरिकी हमलों ने ईरान की परमाणु हथियार बनाने की क्षमता को खत्म कर दिया। उन्होंने कहा कि अगर ऐसा न होता तो तेहरान के पास अबतक परमाणु हथियार होता। उन्होंने ईरान को बहुत कमजोर स्थिति में बताते हुए दावा किया कि उसकी अर्थव्यवस्था सबसे खराब स्तर पर है। उन्होंने 300 प्रतिशत से ज्यादा महंगाई का जिक्र करते हुए कहा कि सैन्य और पुलिसकर्मियों को वेतन नहीं मिल रहा है। ट्रंप ने होर्मुज जलडमरूमध्य को नियंत्रित करने का दावा करते हुए कहा कि 'मुझे लगता है कि आखिर में हमारी ही जीत होगी। मुझे नहीं पता कि यह किसी समझौते से होगा या नहीं लेकिन हम पहले से जीत रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति के दावों बरअक्स पेंटागन के एक पूर्व अधिकारी का दावा है कि ईरान के साथ युद्ध इसी साल नवंबर माह तक खत्म हो सकता है। ईरान इंटरनेशनल ने पेंटागन के एक पूर्व अधिकारी ब्रेंट सैडलर के बयान का उल्लेख करते हुए बताया है कि ईरान युद्ध नवंबर तक खत्म हो सकता है, क्योंकि तेहरान पर अमेरिकी नौसेना की नाकेबंदी और आर्थिक दबाव का असर हो रहा है। सैडलर ने कहा, 'वित्तीय और मौद्रिक नजरिए से देखें तो आंकड़े निश्चित रूप से इसी नतीजे की ओर इशारा करते हैं।' उन्होंने कहा कि यह संघर्ष साल के अंत से पहले या नवंबर में होने वाले चुनाव के समय ही खत्म हो सकता है।

### भारत दौरे के दूसरे दिन विदेश मंत्री जयशंकर से मिलेंगे नेपाली वित्त मंत्री वाग्ले

**काठमांडू।** नेपाल के वित्त मंत्री डॉ. स्वर्णिम वाग्ले भारत की तीन दिवसीय यात्रा के दूसरे दिन शुक्रवार को कई महत्वपूर्ण कूटनीतिक और द्विपक्षीय मुलाकातों में शामिल होंगे। इससे पहले गुरुवार को भारत दौरे पर पहुंचे वित्त मंत्री वाग्ले ने उसी शाम अपनी भारतीय समकक्ष निर्मला सीतारमण के साथ द्विपक्षीय मुलाकात की। यात्रा के दूसरे दिन आज सुबह वित्त मंत्री वाग्ले पूर्व भारतीय विदेश सचिव श्याम शरण द्वारा आयोजित उच्चस्तरीय कूटनीतिक संवाद कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। नई दिल्ली स्थित इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित इस कार्यक्रम में वह अपने विचार रखेंगे।

आज शाम 5 बजे वित्त मंत्री वाग्ले की भारतीय विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर के साथ मुलाकात निर्धारित है। दोनों के बीच द्विपक्षीय संबंधों और आपसी हित के मुद्दों पर चर्चा होने की संभावना है। वित्त मंत्री वाग्ले भारत व्यापार संवर्धन संगठन के अध्यक्ष जावेद अशरफ द्वारा आयोजित एक व्यापक बैठक में भी शामिल होंगे। भारत मंडपम में होने वाले इस कार्यक्रम में नेपाल-भारत आर्थिक सहयोग के विभिन्न पहलुओं पर उच्चस्तरीय चर्चा होगी। वित्त मंत्री वाग्ले के नेतृत्व वाले नेपाली प्रतिनिधिमंडल में अर्थ मंत्रालय के सहसचिव अमृत लम्साल, विदेश मंत्रालय के सहसचिव गेहेन्द्र राजभण्डारी, नई दिल्ली स्थित नेपाली दूतावास के उपनियोग प्रमुख डॉ. सुरेन्द्र थापा, इकोनोमिक मिनिस्टर तारानाथ अधिकारी और वित्त मंत्री के निजी उपसचिव कञ्चन बस्नेत शामिल हैं। यात्रा के तीसरे और अंतिम दिन शनिवार को वित्त मंत्री वाग्ले निजी क्षेत्र के प्रतिनिधियों के साथ-साथ अन्य उच्चस्तरीय मुलाकात करेंगे। इसके बाद नेपाली प्रतिनिधिमंडल के स्वदेश लौटने का कार्यक्रम है।

# संयुक्त राष्ट्र महासभा में नेपाल के पीएम की सिर्फ गुटेरेस से होगी मुलाकात, जलवायु न्याय पर देंगे जोर

**काठमांडू,एजेंसी।** नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह संयुक्त राष्ट्र महासभा के 81वें सत्र में हिस्सा लेने के लिए न्यूयॉर्क जा रहे हैं। पांच दिवसीय यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री शाह की केवल संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस के साथ द्विपक्षीय मुलाकात तय हुई है। प्रधानमंत्री शाह 22 सितंबर को न्यूयॉर्क के लिए रवाना होंगे और 25 सितंबर की सुबह संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित करेंगे। 26 सितंबर को उनके स्वदेश लौटने का कार्यक्रम है। वह न्यूयॉर्क में तीन दिन रहेंगे। विदेश सचिव अमृत बहादुर राई ने बताया कि प्रधानमंत्री शाह और संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस के बीच मुलाकात होगी। विदेश मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक, महासचिव गुटेरेस से मुलाकात और महासभा को संबोधन के अलावा प्रधानमंत्री का कोई अन्य उच्चस्तरीय द्विपक्षीय कार्यक्रम तय नहीं है।

प्रधानमंत्री शाह ने अन्य नेताओं के साथ मुलाकातों में रुचि नहीं दिखाई है। सभी द्विपक्षीय बैठकों की जिम्मेदारी उन्होंने विदेश मंत्री शिशिर खनाल को दी है। महासभा के दौरान नेपाल द्वारा आयोजित किए जाने वाले 'सगरमाथा से समुद्र तक: जलवायु लचीले भविष्य के लिए आह्वान' बैठक में भी प्रधानमंत्री शाह शामिल नहीं होंगे। इस बैठक की अध्यक्षता विदेश मंत्री खनाल करेंगे। बैठक में वैश्विक जलवायु परिवर्तन के कारण खासकर हिमालयी क्षेत्रों पर पड़ रहे नकारात्मक प्रभाव और उससे पैदा हो रहे विनाशकारी परिणामों पर चर्चा की जाएगी। नेपाल का उद्देश्य इस मुद्दे की ओर अंतरराष्ट्रीय समुदाय का ध्यान आकर्षित करना है। विदेश मंत्री शिशिर खनाल के नेतृत्व

वाला नेपाली प्रतिनिधिमंडल करीब 10 दिन न्यूयॉर्क में रहेगा और विभिन्न उच्चस्तरीय बैठकों में हिस्सा लेगा। खनाल शनिवार को न्यूयॉर्क रवाना होंगे। वह संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना मिशन, स्वास्थ्य, जलवायु परिवर्तन और अल्प विकसित देशों से संबंधित उच्चस्तरीय बैठकों में भाग लेंगे और नेपाल की ओर से संबोधन भी करेंगे। विदेश मंत्री खनाल की भारतीय विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर और चीन के कम्युनिस्ट पार्टी के पोलित ब्यूरो सदस्य तथा उपराष्ट्रपति हान झेंग के साथ मुलाकात की तैयारी है।

विदेश सचिव राई के अनुसार, प्रधानमंत्री शाह जलवायु परिवर्तन और उससे पैदा होने वाली आपदाओं के कारण नेपाल को बार-बार होने वाले बड़े पैमाने पर जनधन के नुकसान की ओर विश्व समुदाय का ध्यान आकर्षित करेंगे। वह यह मुद्दा भी उठाएंगे कि नेपाल का कार्बन उत्सर्जन बहुत कम होने के बावजूद उसे जलवायु परिवर्तन के गंभीर दुष्प्रभावों का सामना करना पड़ रहा है। भोटेकोशी में आई विनाशकारी बाढ़ के बाद प्रधानमंत्री शाह की यह यात्रा हो रही है। ऐसे में उनके संबोधन का मुख्य मुद्दा जलवायु न्याय रहने की संभावना है। प्रधानमंत्री शाह के महासभा संबोधन के मसौदे पर फिलहाल चर्चा चल रही है। प्रधानमंत्री कार्यालय के अधिकारी भाषण को अंतिम रूप देने में जुटे हैं। अधिकारियों के अनुसार, विशेषज्ञों और सोशल मीडिया के माध्यम से मिले सुझावों को भी संबोधन में शामिल किया जा रहा है।

प्रधानमंत्री शाह अंतरराष्ट्रीय मंच से नेपाल के लिए जलवायु परिवर्तन से हुए नुकसान का तत्काल और उचित मुआवजा देने की मांग करेंगे। विदेश मंत्रालय के अनुसार, वह विकसित और समृद्ध देशों से नेपाल में जलवायु-अनुकूल बुनियादी ढांचे के निर्माण, जलवायु-स्मार्ट कृषि को बढ़ावा देने तथा संबंधित पक्षों की क्षमता विकास के लिए आवश्यक तकनीक और जलवायु वित्त आसानी से और रियायती शर्तों पर उपलब्ध कराने की अपील करेंगे। नेपाल प्रकृति-अनुकूल जीवनशैली, 46 प्रतिशत से अधिक वन क्षेत्र, विशाल हिमालयी क्षेत्र और व्यापक नदी प्रणाली के जरिए वैश्विक पर्यावरण संरक्षण में अपने योगदान को भी अंतरराष्ट्रीय समुदाय के सामने रखेगा। प्रधानमंत्री कार्यालय के एक अधिकारी ने कहा कि प्रधानमंत्री के संबोधन के तुरंत बाद नेपाल को मुआवजे की राशि मिलना संभव नहीं है। प्रधानमंत्री इस मुद्दे को राजनीतिक एजेंडे के रूप में विश्व समुदाय के सामने रखेंगे और इसके बाद सरकारी तंत्र इसे आगे बढ़ाने का काम करेगा।

# सऊदी अरब की एयरलाइंस के लिए पोखरा और भैरहवा एयरपोर्ट से उड़ान का रास्ता साफ

**काठमांडू।** नेपाल ने सऊदी अरब की एयरलाइंस के लिए पोखरा और भैरहवा स्थित नवनिर्मित अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों से उड़ान संचालन का रास्ता खोल दिया है। दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय हवाई सेवा समझौते पर अंतिम हस्ताक्षर होने के बाद यह कानूनी आधार तैयार हुआ है।नेपाल और सऊदी अरब के बीच द्विपक्षीय हवाई सेवा समझौते पर अंतिम हस्ताक्षर किए हैं।

संस्कृति, पर्यटन तथा नागरिक उड्डयन मंत्रालय के संयुक्त सचिव एवं प्रवक्ता जयनारायण आचार्य के अनुसार समझौते के तहत सऊदी अरब की एयरलाइंस पोखरा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे और भैरहवा के गौतम बुद्ध अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ानें संचालित कर सकती हैं। आचार्य ने कहा कि नेपाल के पास पर्याप्त विमान नहीं हैं, जबकि सऊदी अरब के पास विमान उपलब्ध हैं। यदि सऊदी एयरलाइंस इन दोनों हवाई अड्डों से उड़ानें संचालित करना चाहती हैं, तो नया समझौता इसके लिए आवश्यक सुविधा प्रदान करता है। नेपाल और सऊदी अरब ने इससे पहले वर्ष 1999 में द्विपक्षीय हवाई सेवा समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। उस समझौते के तहत दोनों देशों की एयरलाइंस को प्रति सप्ताह 5,600 सीट और सालाना 2,91,200 सीट के बराबर हवाई सेवा संचालित करने की अनुमति थी। नेपाल सरकार को उम्मीद है कि नया समझौता नेपाल और सऊदी अरब के बीच हवाई संपर्क को विस्तार देगा। इससे यात्री

और कार्गो सेवाओं के विकास के साथ पर्यटन को भी बढ़ावा मिलने की अपेक्षा है। मंत्रालय के अनुसार समझौते से दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश के नए अवसर पैदा होने के साथ आर्थिक तथा जन-जन के संबंध भी मजबूत होंगे। आचार्य ने बताया कि अंतिम समझौता दोनों देशों की नामित एयरलाइंस को अंतरराष्ट्रीय नागरिक उड्डयन के स्थापित सिद्धांतों और प्रथाओं के आधार पर नियमित अंतरराष्ट्रीय उड़ानें संचालित करने के लिए आवश्यक कानूनी और संस्थागत ढांचा प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि नेपाल और सऊदी अरब के संबंध केवल सरकार-से-सरकार स्तर तक सीमित नहीं हैं, बल्कि दोनों देशों के लोगों के बीच भी मजबूत संबंध हैं। हजारों नेपाली नागरिक सऊदी अरब में काम कर रहे हैं, इसलिए यह हवाई सेवा समझौता विशेष रूप से महत्वपूर्ण है।

# पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में मस्जिद में धमाका, 15 लोगों की मौत

**इस्लामाबाद।** पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में शुक्रवार की नमाज के दौरान एक मस्जिद के करीब जोरदार धमाका हुआ। इसमें कम-से-कम 15 लोगों की मौत हो गई, जबकि 50 से ज्यादा लोग घायल हो गए। घायलों को अस्पतालों में भर्ती कराया गया है और घटनास्थल पर राहत एवं बचाव कार्य चलाया गया। घायलों में कुछ पुलिसकर्मी भी हैं। पाकिस्तान के जिओ न्यूज के मुताबिक खैबर पख्तूनख्वा के कोहाट जिले के पुलिस लाइंस इलाके में एक मस्जिद के पास हुए धमाके में कम-से-कम 15 लोगों की मौत हो गई और 50 से ज्यादा लोग घायल हो गए। जिला मुख्यालय अस्पताल के एमएस ताहिर अली शाह ने जियो न्यूज को बताया कि धमाके के बाद 15 शव और 50 से ज्यादा घायल लोगों को अस्पताल लाया गया।पुलिस के मुताबिक, धमाका शुक्रवार की नमाज के दौरान हुआ और इससे मस्जिद के बाहर एक गड्ढा बन गया; घायलों में पुलिसकर्मी भी शामिल थे। उन्होंने बताया कि धमाके के बाद पुलिस लाइंस में अतिरिक्त फोर्स तैनात की गई। बचाव कर्मियों के मुताबिक धमाके से मस्जिद का बाहरी हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और एक दीवार भी गिर गई।

अस्पताल प्रशासन ने बताया कि इलाज के लिए कम-से-कम 25 घायलों को अस्पताल लाया गया। इंस्पेक्टर जनरल ऑफ पुलिस जुल्फिकार हमीद ने बताया कि धमाके से पहले विस्फोटक से लदी एक गाड़ी पुराने पुलिस लाइंस गेट से टकराई थी। आईजीपी हमीद ने बताया, 'गाड़ी गेट से टकराई और फिर उसमें धमाका हुआ, साथ ही गोलीबारी भी हुई। उन्होंने कहा कि धमाका एक आत्मघाती हमला था और गोलीबारी के दौरान स्पेशल ब्रांच की इमारत में एक और आत्मघाती धमाका हुआ। आईजीपी हमीद ने रीजनल पुलिस ऑफिसर, कोहाट से रिपोर्ट मांगी है।

## एक नजर

### हाई-टेक फ्लो सॉल्यूशंस लिमिटेड ने आईपीओ के लिए दाखिल किया डीआरएचपी

**नई दिल्ली/मुंबई।** नई दिल्ली की कंपनी हाई-टेक फ्लो सॉल्यूशंस लिमिटेड ने अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के माध्यम से फंड जुटाने के लिए पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के समक्ष अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है। सेबी के समक्ष जमा मसौदा दस्तावेज के अनुसार नई दिल्ली स्थित कंपनी हाई-टेक फ्लो सॉल्यूशंस लिमिटेड के प्रस्तावित आईपीओ में दो रुपये प्रति इक्विटी शेयर की फेस वैल्यू वाले 300 करोड़ रुपये तक का नया इश्यू एवं प्रमोटरों और एक निवेशक द्वारा 'ऑफर-फॉर-सेल' (ओएफएस) शामिल है।

इस ओएफएस के तहत प्रमोटर अजय कुमार बंसल और विपुल बंसल तथा निवेशक 'द वेल्थ कंपनी अल्टरनेट ट्रस्ट-इंडिया इन्फ्लेक्शन अपॉर्चुनिटी फंड' अपनी हिस्सेदारी बेचेंगे, जिसमें अजय कुमार बंसल 75 करोड़ रुपये और विपुल बंसल 25 करोड़ रुपये तक के शेयर ऑफर कर रहे हैं। वहीं, इन्वेस्टर-द वेल्थ कंपनी अल्टरनेट ट्रस्ट-इंडिया इन्फ्लेक्शन अपॉर्चुनिटी फंड 20,268,225 शेयर तक ऑफर कर रहा है। हाई-टेक फ्लो सॉल्यूशंस लिमिटेड की योजना नए इश्यू से मिलने वाली रकम में से करीब 126 करोड़ रुपये के इस्तेमाल नागपुर में मौजूद कंपनी की यूनिट में एपीआई -ग्रेड एचएसएडब्ल्यू पाइप बनाने वाली यूनिट और 3एलपीई कोटिंग यूनिट लगाने के लिए किया जाएगा, जबकि 90 करोड़ रुपये का इस्तेमाल कर्ज चुकाने के लिए होगा और कुछ हिस्सा आम कॉरपोरेट कामों के लिए रखा जाएगा। उल्लेखनीय है कि 1993 में बनी ये कंपनी अलग-अलग कामों में इस्तेमाल होने वाले हेलिकल सबमर्ज्ड आर्क वेल्डेड (एचएसएडब्ल्यू) पाइप बनाती और सप्लाई करती है। ये कंपनी गुजरात के साणंद और महाराष्ट्र के नागपुर में अपनी मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स के ज़रिए भारत के 17 राज्यों और 2 केंद्र शासित प्रदेशों में फ्लो सॉल्यूशन प्रोडक्ट्स उपलब्ध कराती है।

### अयोध्या : रोजगार मेले में 7,984 युवाओं का चयन, 90 से अधिक कंपनियों ने दिया अवसर

**अयोध्या।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के युवाओं को रोजगार से जोड़ने के संकल्प के तहत शुक्रवार को उत्तर प्रदेश के अयोध्या जनपद में पूराबाजार स्थित आशा भगवान बख्श सिंह महाविद्यालय में वृहद रोजगार मेले का आयोजन किया गया। गोसाईगंज विधायक अभय सिंह ने मेले का शुभारंभ किया। रोजगार मेले में 13,632 युवाओं ने प्रतिभाग किया, जिसमें 7,984 युवाओं का विभिन्न कंपनियों में चयन हुआ। सेवायोजन विभाग के सहयोग से आयोजित मेले में तकनीकी और गैर-तकनीकी क्षेत्रों की 90 से अधिक कंपनियों ने भाग लिया। अशोक लीलैंड से लेकर अमेजन तक कई बड़ी कंपनियों ने युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए। मेले के शुभारंभ समारोह में स्थानीय प्रशासन, सेवायोजन विभाग के अधिकारी और कंपनी प्रतिनिधियों ने भाग लिया। युवाओं का हुजूम सुबह से ही मेले के स्थल पर उमड़ पड़ा था। विभिन्न काउंटरों पर साक्षात्कार की प्रक्रिया चलती रही। सेवायोजन विभाग के सहायक निदेशक देवव्रत ने बताया कि 18 से 45 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं को इस मेले में रोजगार उपलब्ध कराया गया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के रोजगार संकल्प को धरातल पर उतारने के लिए विभाग लगातार प्रयासरत है।

योगी सरकार युवाओं को स्वरोजगार के साथ-साथ निजी क्षेत्र में भी रोजगार उपलब्ध कराने के लिए निरंतर रोजगार मेलों का आयोजन कर रही है। 24 वर्षीय राहुल यादव का एक तकनीकी कंपनी में चयन होने के बाद उनकी खुशी का ठिकाना ही नहीं रहा। कहा, मैं लंबे समय से नौकरी की तलाश में था। योगी सरकार द्वारा आयोजित इस रोजगार मेले ने मुझे अवसर दिया। यहां कंपनियां सीधे साक्षात्कार लेकर चयन कर रही हैं। यह बहुत सुविधाजनक है। 27 वर्षीय प्रियंका शर्मा का एक गैर-तकनीकी पद पर चयन हुआ। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रयासों से ऐसे मेले हो रहे हैं, जहां गांव-कस्बे के युवाओं को भी बड़ी कंपनियों में मौका मिल रहा है। मैं बहुत उत्साहित हूं और जल्द ही ज्वाइन करूंगी। मेले में कंपनियों ने विभिन्न पदों पर युवाओं का चयन किया।

# बनोरा आश्रम लंबे समय से मानव सेवा, दया और करुणा के कार्यों को बढ़ा रहा आगे : विष्णुदेव साय

**रायगढ़,एजेंसी।** अघोरेश्वर भगवान राम के अवतरण दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ग्राम बनोरा स्थित अघोर गुरु पीठ पहुंचे। उन्होंने उपासना स्थल पर अघोरेश्वर अवधूत भगवान राम की प्रतिमा के दर्शन कर पूजा-अर्चना की तथा प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि, शांति एवं खुशहाली के लिए प्रार्थना की। इसके पश्चात बाबा प्रियदर्शी राम से भेंट कर उनका आशीर्वाद एवं मार्गदर्शन प्राप्त किया। मुख्यमंत्री ने आश्रम में सादगी के साथ पंगत में बैठकर प्रसाद भी ग्रहण किया। इसके बाद मुख्यमंत्री श्री साय अघोरेश्वर भगवान राम विद्या मंदिर के नवीन भवन के लोकार्पण समारोह में शामिल हुए। उन्होंने नवीन भवन का लोकार्पण कर क्षेत्रवासियों, विद्यालय परिवार एवं विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दीं। परिसर के अवलोकन के दौरान विद्यार्थियों द्वारा तैयार विज्ञान प्रदर्शनी देखी और उनके नवाचारों की सराहना की।

समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि, बनोरा आश्रम लंबे समय से मानव सेवा, दया और करुणा के कार्यों को आगे बढ़ा रहा है। स्वास्थ्य एवं नेत्र शिविरों के आयोजन से लेकर दिव्यांगजनों को कृत्रिम अंग उपलब्ध कराने तक विभिन्न सेवा गतिविधियां यहां संचालित होती रही हैं। उन्होंने कहा कि, शिक्षा के क्षेत्र में नवीन विद्यालय भवन की स्थापना भी इसी सेवा भावना का विस्तार है। बच्चों के लिए आधुनिक सुविधाओं से युक्त यह विद्या मंदिर क्षेत्र में शिक्षा के नए अवसर उपलब्ध कराएगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यहां विद्यार्थी ज्ञान अर्जित करने के साथ अच्छे संस्कार भी ग्रहण करेंगे। मुख्यमंत्री ने अपने परिवार का अघोरेश्वर भगवान राम से रहा पुराना जुड़ाव भी साझा किया। उन्होंने बताया कि उनके बड़े पिताजी स्वर्गीय केदारनाथ साय उनके परम शिष्य थे। गांव बगिया से होकर रायगढ़ की ओर जाने के दौरान कई अवसरों पर उन्हें बाबा के दर्शन व आशीर्वाद प्राप्त करने का सौभाग्य मिला।

उन्होंने बाबा प्रियदर्शी राम के प्रति श्रद्धा व्यक्त करते हुए कहा कि वर्षों से उनका आशीर्वाद एवं मार्गदर्शन प्राप्त होता रहा है। उन्होंने पदाधिकारियों, संतवृंद और शिक्षकवृंद के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि शिक्षक राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वित्त मंत्री एवं रायगढ़ विधायक ओ.पी.चौधरी ने कहा कि, बनोरा आश्रम केवल आध्यात्मिक साधना का केंद्र नहीं, बल्कि मानव सेवा, शिक्षा, चिकित्सा और सामाजिक सरोकारों का भी महत्वपूर्ण केंद्र है। अघोरेश्वर भगवान राम ने अपने जीवन के माध्यम से सेवा, दया, करुणा और सामाजिक समरसता का जो संदेश दिया। बनोरा आश्रम उसी परंपरा को निरंतर आगे बढ़ा रहा है। वित्त मंत्री श्री चौधरी ने अघोर गुरु पीठ ट्रस्ट बनोरा की सेवा गतिविधियों की सराहना करते हुए कहा कि आश्रम द्वारा वर्षों से स्वास्थ्य, शिक्षा और जरूरतमंदों की सहायता के क्षेत्र में किए जा रहे कार्य समाज के लिए प्रेरणादायी हैं।

# विकसित भारत 2047 को लेकर देश भर के कुलपतियों की बैठक में रांची विवि के प्रयासों की तारीफ

**रांची।** युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय भारत सरकार की ओर से विकसित भारत 2047 भारत के युवा, के लक्ष्यों को लेकर देश भर के विश्वाविद्यालयों के कुलपतियों की महत्विपूर्ण ऑनलाइन बैठक शुक्रवार को हुई। युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय भारत सरकार विश्वाविद्यालयों में युवाओं को जोड़ने और उन्हें मज़बूत बनाने के लिए यह पहल कर रहा है।

ऑनलाइन बैठक में रांची विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो सरोज शर्मा शामिल हुईं। वर्चुअल मीटिंग का विषय 'भारत के युवा और विकसित भारत 2047 विजन था। भारत सरकार में युवा मामले और खेल मंत्रालय में केंद्रीय राज्य मंत्री रक्षा निखिल खड़से ने बैठक को संबोधित किया। बैठक में रांची विश्वविद्यालय, कश्मीर विश्वविद्यालय, बेंगलुरू विश्वविद्यालय, अरूणाचल विश्वविद्यालय सहित देश भर के विश्वरविद्यालयों के कुलपति, एनएसएस समन्वियक और खेल से जुड़े पदाधिकारी भी शामिल हुये। बैठक में रांची विश्वविद्यालय (आरयू) की कुलपति प्रो सरोज शर्मा ने खेल उपलब्धियों, एनएसएस के नशामुक्तध युवा प्रयासों और हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर की जानकारी दी। बैठक में युवा मामले और खेल मंत्रालय केंद्रीय राज्य मंत्री रक्षा निखिल खड़से ने कहा कि विकसित भारत 2047 हमारे विजन के केंद्र में हैं। हमारे विश्वविद्यालय और कॉलेज, युवाओं, आइडिया, इनोवेशन और लीडरशिप के उर्जावान गढ हैं जो विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को आकार देने में अहम भूमिका निभाते हैं। खडसे ने बताया कि हम युवाओं को जोड़ने और उन्हें मजबूत बनाने के लिए दो जरूरी पहल विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग (वीबीवाईएलडी)-2027 और विकसित भारत के लिए नशा मुक्त युवा नाम से कर रहे हैं। उन्होंने इन दोनों अभियानों के लिये सभी कुलपतियों से सहयोग की अपील की। उन्होंने वीबीवाईएलडी 2027 में स्टूडेंट्स और युवाओं की हिस्सेदारी को सक्रियता से बढाने का आग्रह किया। आरयू के कुलपति प्रो सरोज शर्मा ने रांची विश्वविद्यालय में नशामुक्त अभियान और खेल की उपलब्धियों को बताया। उन्होंने कहा कि रांची विश्वविद्यालय ने रिम्स और सीआईपी के सहयोग से एक हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर स्थापित किया है जो बहुत ही सुचारू तरीके से कार्य कर रहा है।

### धामी ने कांग्रेस के आरोपों पर किया पलटवार, कहा- सरकार दस्तावेजों के साथ जवाब देने को तैयार

**देहरादून,एजेंसी।** मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कांग्रेस पर राजनीतिक मुद्दों के अभाव में झूठ, भ्रम और बेबुनियाद आरोपों के सहारे नैरेटिव खड़ा करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के आरोप तथ्य सामने आने के बाद कमजोर पड़ जाते हैं और सरकार हर आरोप का जवाब दस्तावेज एवं प्रमाण के साथ देने के लिए तैयार है। मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को कैम्प कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम के बाद पत्रकारों से बातचीत में हल्द्वानी की एक घटना, उत्तराखंड इन्वेस्टमेंट एंड इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट बोर्ड (यूआईआईडीबी) और बिजली खरीद को लेकर कांग्रेस के आरोपों का उल्लेख किया। हल्द्वानी की घटना को जातिगत भेदभाव से जोड़ने के कांग्रेस के आरोप पर मुख्यमंत्री ने कहा कि बाद में सामने आए तथ्यों में घटना से जुड़े पांच लोगों के अनुसूचित जाति समाज से होने की बात सामने आई। उन्होंने कहा कि संवेदनशील सामाजिक विषयों पर तथ्यों की पुष्टि किए बिना राजनीति करना उचित नहीं है।

यूआईआईडीबी को लेकर मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस ने 7,000 बीघा जमीन दिए जाने का आरोप लगाया, जबकि सरकार स्पष्ट कर चुकी है कि बोर्ड को अब तक कुल 45 एकड़ भूमि उपलब्ध कराई गई है। उन्होंने कहा कि यूआईआईडीबी का उद्देश्य पर्यटन और आधारभूत ढांचे के विकास के माध्यम से निवेश, आर्थिक गतिविधियों और रोजगार के अवसर बढ़ाना है। ऊर्जा खरीद के मुद्दे पर धामी ने कहा कि विपक्ष को सवाल उठाने के साथ अपने शासनकाल के फैसलों का भी हिसाब देना चाहिए। उनके अनुसार, कांग्रेस सरकार के समय किए गए गैस पावर करार के कारण वित्तीय वर्ष 2025-26 में राज्य को गैस आधारित बिजली के लिए 31.71 रुपये प्रति यूनिट तक भुगतान करना पड़ा। वर्तमान सरकार ने 1320 मेगावाट बिजली की व्यवस्था करीब 5.74 रुपये प्रति यूनिट की दर से 25 वर्षों के लिए सुनिश्चित की है। उन्होंने कहा कि पीक ऑवर में राज्य को कई बार महंगी बिजली खरीदनी पड़ती है। ऐसे में दीर्घकालिक और अपेक्षाकृत कम दर पर बिजली की उपलब्धता ऊर्जा सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण है। विपक्ष को सरकार से सवाल पूछने का अधिकार है, लेकिन सवाल तथ्यों के आधार पर होने चाहिए। अंकिता भंडारी प्रकरण पर मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने शुरुआत से ही कानूनी कार्रवाई की। उन्होंने कहा कि मामले में तीनों दोषियों को निचली अदालत से आजीवन कारावास की सजा मिल चुकी है और अगस्त 2026 में उत्तराखंड हाईकोर्ट ने उनकी जमानत याचिकाएं खारिज कर दीं। मुख्यमंत्री के अनुसार, अंकिता के माता-पिता की मांग पर राज्य सरकार ने सीबीआई जांच की संस्तुति की थी और सीबीआई ने फरवरी 2026 में मामला दर्ज कर जांच अपने हाथ में ली।

# पूर्व मंत्री स्व. रमाकांत तिवारी का जीवन राजनैतिक शुचिता और गरीबों की सेवा का प्रतीक : तोमर

**भोपाल,एजेंसी।** मध्य प्रदेश के रीवा जिले के चाकघाट में नेहरू स्मृति कालेज में पूर्व मंत्री स्व.रमाकांत तिवारी की छठवीं पुण्यतिथि पर शुक्रवार को श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मध्य प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा कि स्व. रमाकांत तिवारी गरीबों की नि:स्वार्थ भाव से सेवा करते थे। मंत्री के रूप में और विपक्ष में रहकर विधायक के रूप में उन्होंने सदैव त्योंथर क्षेत्र के विकास और गरीबों के कल्याण को अपने जीवन का ध्येय बनाए रखा। उनका जीवन राजनैतिक शुचिता और गरीबों की सेवा का प्रतीक है।

विधानसभा अध्य तोमर ने कहा कि स्व. तिवारी ने गरीबों के लिए जो कार्य किए उसकी स्मृति आज भी पूरे त्योंथर क्षेत्र में है। उन्हें पार्टी और सरकार में जो भी भूमिका दी गई उसका उन्होंने सफलतापूर्वक निर्वाह किया। वर्तमान पीढ़ी के राजनैतिक व्यक्तियों के लिए श्री तिवारी का जीवन और कार्य प्रेरणा के स्रोत हैं। उनके संघर्ष को कई पीढ़ियाँ याद रखेंगी। भगवान ने जैसा शानदार जीवन तिवारी जी को दिया था वैसा ही जीवन हम सबको मिल जाए तो हमारा जीवन सार्थक हो जाएगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि स्व. रमाकांत तिवारी फूलों की तरह कोमल और आवश्यकता होने पर वज्र की तरह कठोर हो जाते थे। उनके दरवाजे हर समय गरीबों के लिए खुले रहते थे। जो व्यक्ति उनके पास पहुंच गया उसका तिवारी नि:स्वार्थ भाव से मदद करते थे। उन्होंने जो राजनैतिक आदर्श प्रस्तुत किया उसकी वर्तमान में बहुत आवश्यकता है। तिवारी जी का पूरे त्योंथर क्षेत्र में डंका बजता था। त्योंथर का बड़ा पुल, उद्वहन सिंचाई परियोजना, जवा-सितलहा पुल जैसे सभी नए निर्माण कार्यों का श्रेय तिवारी को ही है। उन्होंने अपने पराक्रम, निडरता और गरीबों की मदद के भाव से इस क्षेत्र के हर व्यक्ति के मन में जगह बना ली है। कार्यक्रम में सांसद जनार्दन मिश्र ने कहा कि स्व. रमाकांत तिवारी के संबंध में कहा जाता था कि जिसका कोई नहीं है, तिवारी जी उसके साथ हैं। यह बात सौ प्रतिशत सही है।

त्योंथर में बाढ़ की विभीषिका रही हो, डकैत समस्या या सूखे का प्रकोप सभी में स्व. तिवारी आम जनता के बीच खड़े दिखाई देते थे। त्योंथर में विकास के सभी प्रमुख कार्यों का श्रेय स्व. तिवारी को ही है। उनके पुत्र कौशलेश तिवारी भी इस परंपरा को आगे बढ़ा रहे हैं। कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत करते हुए पूर्व विधायक श्यामलाल द्विवेदी ने स्व. तिवारी के व्यक्तित्व और कार्यों पर प्रकाश डाला। समारोह के अंत में स्व. तिवारी के परिजन द्वारा विधानसभा अध्यक्ष, उप मुख्यमंत्री, सांसद, विधायकगणों तथा अतिथियों का सम्मान स्मृति चिन्ह भेंट कर किया गया। कार्यक्रम में आभार व्यक्त करते हुए कौशलेश तिवारी ने कहा कि विधानसभा अध्यक्ष जी हमारे मार्गदर्शक, संरक्षक हैं। उप मुख्यमंत्री ने सदैव विकास कार्यों में त्योंथर की जनता को सहयोग दिया है। उन्होंने चाकघाट में सांदीपनि विद्यालय खोलने और बायपास निर्माण की मांग रखी। समारोह में विधायक नागेन्द्र सिंह, विधायक नरेन्द्र प्रजापति, विधायक सुरेन्द्र सिंह गहरवार, नगर निगम अध्यक्ष व्यंकटेश पाण्डेय, वीरेन्द्र गुप्ता, जनप्रतिनिधिगण तथा नागरिक उपस्थित रहे।

# दिन भर उतार-चढ़ाव के बाद मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, निवेशकों ने की 1.96 लाख करोड़ की कमाई

**नई दिल्ली,एजेंसी।** घरेलू शेयर बाजार आज दिन भर उतार-चढ़ाव का सामना करने के बाद मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुआ। आज के कारोबार की शुरुआत मजबूती के साथ हुई थी। बाजार खुलने के थोड़ी देर बाद लिवालों और बिकवालों के बीच खींचतान शुरू हो गई, जिसकी वजह से दोपहर दो बजे तक सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक सीमित दायरे में कारोबार करते रहे। इसके बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिसकी वजह से इन दोनों सूचकांकों ने रफ्तार पकड़ ली। हालांकि, आखिरी आधे घंटे के कारोबार में बाजार में बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से इन दोनों सूचकांकों की चाल में ऊपरी स्तर से गिरावट आ गई। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.03 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। दूसरी ओर, निफ्टी ने 0.33 प्रतिशत की मजबूती के साथ आज के कारोबार का अंत किया।

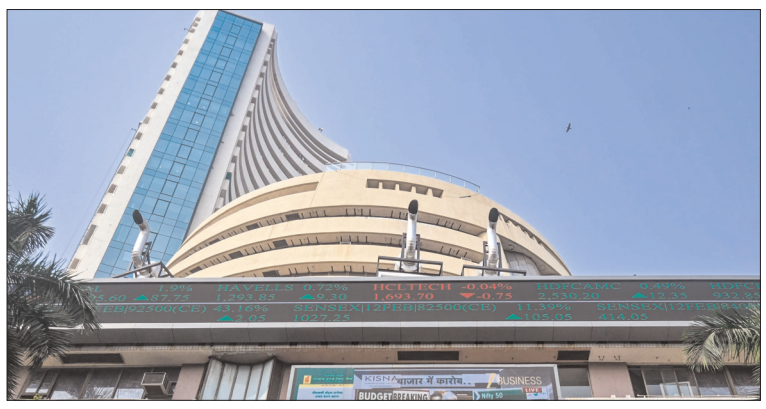

बीएसई का सेंसेक्स आज 260.65 अंक यानी 0.35 प्रतिशत की तेजी के साथ 74,575.24 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण यह सूचकांक फिसल कर 74,375.07 अंक के स्तर तक आ गया। इस स्तर पर खरीदारी शुरू हो जाने के कारण इस सूचकांक की चाल में कुछ सुधार हो गया। दोपहर दो बजे तक सेंसेक्स मामूली उतार-चढ़ाव के साथ सीमित दायरे में कारोबार करता रहा। इसके बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिसकी वजह से अगले एक घंटे में ही यह सूचकांक 413.85 अंक यानी 0.56 प्रतिशत उछल कर 74,728.44 अंक के स्तर तक आ गया। हालांकि, आखिरी आधे घंटे के कारोबार में मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण सेंसेक्स ऊपरी स्तर से 433.48 अंक लुढ़क कर 19.63 अंक यानी 0.03 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 74,294.96 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 64.10 अंक यानी 0.28 प्रतिशत की छलांग लगा कर 23,334.70 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही बिकवाली शुरू हो जाने के कारण यह सूचकांक कुछ देर में ही लुढ़क कर 23,286.60 अंक के स्तर तक आ गया। इसके बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिससे निफ्टी की गिरावट थम गई।

दोपहर दो बजे के करीब खरीदारों ने बाजार में चौतरफा लिवाली शुरू कर दी। लिवाली के सपोर्ट से यह सूचकांक शाम तीन बजे के थोड़ी देर पहले 118.55 अंक यानी 0.51 प्रतिशत की बढ़त के साथ 23,389.15 अंक के स्तर तक पहुंच गया। इसके बाद मुनाफा वसूली शुरू हो जाने की वजह से निफ्टी दिन के ऊपरी स्तर से 40 अंक से अधिक फिसल कर 75.80 अंक यानी 0.33 प्रतिशत की मजबूती के साथ 23,346.40 अंक के स्तर पर बंद हुआ। आज दिन भर के कारोबार के दौरान कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और आईटी सेक्टर के शेयरों की लगातार बिकवाली होती रही। इस बिकवाली की वजह से बीएसई का कंज्यूमर ड्यूरेबल्स इंडेक्स 1.27 प्रतिशत टूट गया। इसी तरह निफ्टी के आईटी इंडेक्स ने 1.03 प्रतिशत की कमजोरी के साथ आज के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा ऑटोमोबाइल और एफएमसीजी इंडेक्स भी गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुए। दूसरी ओर, कैपिटल गुड्स सेक्टर के शेयरों की आज जम कर खरीदारी होती रही। खरीदारी के सपोर्ट से बीएसई का कैपिटल गुड्स इंडेक्स 1.56 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह बैंकिंग, हेल्थकेयर, मेटल, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और ऑयल एंड गैस इंडेक्स भी बढ़त के साथ हरे निशान में बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण निफ्टी का मिडकैप इंडेक्स 1.24 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 1.74 प्रतिशत उछल कर आज के कारोबार का अंत किया। आज मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में लगभग दो लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 479.79 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया।

# नंदीग्राम उपचुनाव : ममता बनर्जी के समर्थन के ऐलान के कुछ ही घंटों बाद कांग्रेस उम्मीदवार गिरफ्तार

**केलकाता,एजेंसी।** पश्चिम बंगाल के नंदीग्राम विधानसभा उपचुनाव में एक और बड़ा नाटकीय घटनाक्रम सामने आया है। पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा कांग्रेस उम्मीदवार मिलन प्रधान को समर्थन देने की घोषणा के कुछ ही घंटों बाद पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया है। बताया जा रहा है कि यह कार्रवाई हत्या के एक पुराने मामले में की गई है। गौरतलब है कि, शुक्रवार को ही ममता गुट की उम्मीदवार संचिता प्रधान ने अपना नामांकन वापस ले लिया था। इसके तुरंत बाद ममता बनर्जी ने प्रेसवार्ता कर नंदीग्राम उपचुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार मिलन प्रधान को समर्थन का एलान किया। इस बड़ी राजनीतिक घोषणा के कुछ ही समय बाद पुलिस ने मिलन को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस सूत्रों के अनुसार, नंदीग्राम से कांग्रेस उम्मीदवार एक पुराने हत्या के मामले में आरोपित हैं और उनके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया था। इसी वारंट के आधार पर शुक्रवार को उन्हें हिरासत में लिया गया।

बता दें कि, शनिवार को नामांकन दाखिल करने का आखिरी दिन है। नामांकन की समय सीमा समाप्त होने से ठीक पहले, मुख्यमंत्री

शुभेंदु अधिकारी के गढ़ माने जाने वाले नंदीग्राम में विपक्षी उम्मीदवार की गिरफ्तारी से राजनीतिक गलियारों में भारी हड़कंप मच गया है। इस कार्रवाई पर कांग्रेस ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है और राज्य की सत्तारूढ़ पार्टी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष शुभंकर सरकार ने इसे राजनीतिक साजिश करार देते हुए कहा, 'अचानक से यह मामला सामने आ गया। इस तरह से भाजपा एक दलीय शासन व्यवस्था स्थापित करना चाहती है। क्या इस देश में विपक्षी राजनीति के लिए कोई जगह नहीं बचेगी? कांग्रेस का सीधा आरोप है कि चुनाव से पहले ही विपक्ष को मैदान से हटाने के लिए यह सुनियोजित कार्रवाई की गई है। इस गिरफ्तारी के बाद नंदीग्राम का राजनीतिक माहौल और भी ज्यादा गरमा गया है।

मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी, सैफुल्लाह सिद्दिकी द्वारा आरडी प्रिंटिंग एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-08, नोएडा (यूपी), से छपवा कर एन-81, बटला हाउस, जामिया नगर पुलिस स्टेशन, जामिया नगर, नई दिल्ली-110025 से प्रकाशित किया। सर्वाधिकार सुरक्षित, किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र दिल्ली होगा। (संपादक- सैफुल्लाह सिद्दिकी)